राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

12 भारत के चुनावी मॉडल के मुरीद हुए ट्रंप, अमेरिका मे....

पहले टेस्ट मे बदला अंदाज, दूसरी पारी मे बरसे पंत.... 11

वर्ष : 17 | अंक : 116 | नई दिल्ली, बुधवार, 19 अगस्त, 2026 | विक्रम संवत् 2083 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 37.0°C

न्यूनतम तापमान 28.0°C

राजधानी दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	90%
नहीं	20%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	1,50,840
चांदी	2,45,000
सेंसेक्स	78,542.44
निफ्टी	24,583.80

अपराजिता-परांग ला महिला कैडेट्स 18,300 फीट की ऊंचाई पर दिखाएंगी दम

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। अपराजिता-परांग ला 2026 अभियान के तहत देश की बेटियां हिमालय की बेहद कठिन ऊंचाइयों पर अपने साहस और हौसले का परिचय देंगी। इस अभियान के लिए देशभर से 28 बालिका एनसीसी कैडेट चुनी गई हैं। इस अभियान में हिस्सा ले रही इन कैडेट्स की औसत उम्र करीब 19 वर्ष है। ये कैडेट लगभग 250 किलोमीटर की दूरी 30 दिनों में तय करेंगी। इस अभियान की सबसे कम उम्र की प्रतिभागी महज 16 वर्ष 6 महीने की है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को नई दिल्ली में राष्ट्रीय कैडेट कोर यानी एनसीसी के इस अखिल भारतीय बालिका उच्च ऊंचाई लंबी ट्रेकिंग अभियान को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ह्यअपराजिता-परांग ला 2026ह्ल का सबसे चुनौतीपूर्ण पड़ाव परांग ला दर्रा है। यह समुद्र तल से करीब 5,578 मीटर यानी 18,300 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। यह दर्रा हिमाचल प्रदेश की स्पीति घाटी को लद्दाख के चांगथांग क्षेत्र से जोड़ता है। यह मार्ग देश के सबसे कठिन उच्च-ऊंचाई वाले ट्रेकिंग मार्गों में माना जाता है। अभियान में शामिल कैडेटों को ऊंचे पहाड़ी, ग्लेशियर, बफीर्ले मैदान और नदी घाटियों जैसे बेहद कठिन इलाकों से गुजरना होगा। अभियान का मार्ग किब्बर, डुमला, थलटक, बोंगरोजेन, परांग ला दर्रा, डाक करजोंग, नोरबू सुमदो, कियांगडोम और कोरजोक से होकर गुजरेगा। इस पूरे अभियान की खास बात यह है कि इसका नेतृत्व थल सेना, नौसेना और वायु सेना की तीन महिला अधिकारी करेंगी। उनके साथ अधिकारी, चिकित्सा दल, प्रशिक्षक और अन्य सहायता कर्मी भी मौजूद रहेंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इतनी कम उम्र की बालिका कैडेटों के इस कठिन अभियान में शामिल होने को देश की ह्यनारी शक्तिह्ल के साहस, दृढ़ संकल्प और बढ़ती क्षमताओं का शक्तिशाली प्रमाण बताया।

सीएम रेखा गुप्ता ने कहा हमारा लक्ष्य है कि जहां कूड़ा पैदा होता है वहीं सेग्रीगेशन हो

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने आज 'दिल्ली को कूड़े से आजादी-स्वच्छता अभियान 2026' की शुरूआत की है. यह शहरव्यापी स्वच्छता अभियान राजधानी में 17 अगस्त से 2 अक्टूबर तक चलाया जाएगा. सोमवार को सीएम रेखा गुप्ता ने दिल्ली नगर निगम मुख्यालय से इस अभियान को शुरू किया. इस दौरान उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत न केवल सार्वजनिक स्थलों की बल्कि, स्कूलों, सरकारी अस्पतालों, शौचालयों की सफाई भी सुनिश्चि की जाएगी। इस अभियान को शुरू करने के लिए आयोजित किए गए कार्यक्रम में दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष और केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा, कैबिनेट मंत्री आशीष सूद, एमसीडी मेयर प्रवेश वाही, विधायक अभय वर्मा के साथ-साथ वरिष्ठ अधिकारी, जन-प्रतिनिधि और अन्य लोग शामिल हुए. सीएम ने आमजन और अन्य सभी उपस्थित लोगों से कहा कि वो सभी इसमें हिस्सा लें और 'माय सिटी माय रिस्पॉन्सिबिलिटी' के फील के साथ काम करें. कूड़ा दिखाई दे तो करें तीन लोगों को टैग इस कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए दिल्ली की सीएम ने कहा कि वो एक रील शेयर करेंगे जिसमें वो दिल्ली के सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर से कहेंगी की कि वो कहीं भी कूड़ा दिखाई देने पर तीन लोगों को टैग करें. एक दिल्ली की सीएम को, दूसरा अपने इलाके के विधायक को और तीसरा अपने पार्षद को. सीएम ने कहा, रदेश को स्वच्छता का संदेश देने के लिए प्रधानमंत्री जी ने झाड़ू उठाई. ये बताया कि सफाई जो है वो केवल सरकार का और सरकारी कर्मचारियों का काम नहीं है. ये हर व्यक्ति की, हर नागरिक की जिम्मेदारी है। कूड़े से आजादी के लिए 4उर जरूरी सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि जहां कूड़ा पैदा होता है वहीं पर सेग्रीगेशन हो. जहां कूड़ा इकट्ठा हो रहा है वहीं से ही सही तरीके कलेक्शन होना बहुत जरूरी है. जहां कूड़ा पहुंचे वहां साइंटिफिकली उसका डिस्पोजल हो. जहां गंदगी दिखाई दे, वहां तुरंत एक्शन होना चाहिए। सीएम ने कूड़े से आजादी अभियान के लिए 4उर को महत्वपूर्ण बताया है, जिसमें कलेक्शन, क्लीनिंग, कन्वर्जन और सर्कुलर इकोनॉमी शामिल है. इसके जरिए राजधानी में कूड़े को कनवर्ट कर उसे ग्रीन फ्यूल बनाने का काम किया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट में फांसी सिस्टम खत्म करने की याचिका खारिज

मौत के लिए जहरीले इंजेक्शन या गोली मारने जैसे तरीकों की मांग की गई थी

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को मौत की सजा देने के लिए फांसी की मौजूदा व्यवस्था खत्म करने की याचिका खारिज कर दी। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने कहा कि फिलहाल ऐसा कोई आधार नहीं है, जिसके कारण फांसी को असंवैधानिक घोषित किया जाए। याचिका में फांसी को क्रूर, अमानवीय और दर्दनाम बताया गया था। इसकी जगह जहरीले इंजेक्शन, गोली मारने जैसे चार वैकल्पिक तरीकों से मौत की सजा देने की मांग की गई थी। कोर्ट ने यह भी कहा कि याचिका खारिज करने का मतलब यह नहीं है कि भविष्य में संवैधानिक समीक्षा का रास्ता बंद हो गया है। अगर ठोस वैज्ञानिक, मेडिकल या अनुभवजन्य सबूत सामने आते हैं, तो इस मुद्दे की दोबारा जांच की जा सकती है। कोर्ट ने कहा- केंद्र सरकार विशेषज्ञों की समिति बनाकर मौजूदा फांसी की व्यवस्था की व्यापक समीक्षा कर सकती है। समिति यह जांच सकती है कि क्या कोई वैकल्पिक तरीका अनावश्यक पीड़ा कम करने और दोषी की गरिमा बनाए रखने में बेहतर है। याचिका में कहा था- कम दर्द देने वाले तरीके अपनाए जाएं वरिष्ठ वकील ऋषि मल्होत्रा ने 2017 में यह याचिका दायर की थी।

संक्षिप्त खबरें

वंदे मातरम विवाद पर रविशंकर प्रसाद का कांग्रेस पर हमला

नई दिल्ली। वंदे मातरम् को लेकर कांग्रेस और भाजपा के बीच राजनीतिक विवाद और तेज हो गया है। भाजपा सांसद और वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि पार्टी राष्ट्रीय गीत और स्वतंत्रता आंदोलन की विरासत को लेकर दोहरा रवैया अपना रही है। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कांग्रेस मुख्यालय पर प्रेसवार्ता कर सोनिया गांधी पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि कार्यक्रम के दौरान ऐसा लगा कि सोनिया गांधी पूरे वंदे मातरम के गायन पर आपत्ति जता रही थीं। हालांकि, कांग्रेस की ओर से बाद में इसका अलग स्पष्टीकरण दिया गया था। रविशंकर प्रसाद ने कांग्रेस के मीडिया प्रमुख द्वारा दिए गए उस स्पष्टीकरण को खारिज करते हुए कहा कि सोनिया गांधी केवल खड़गे के लिए कुर्सी की व्यवस्था कर रही थीं, यह तर्क पूरी तरह गलत है। भाजपा सांसदों ने इसके बाद गोवा में कांग्रेस के एक कार्यक्रम का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि वहां भी वंदे मातरम के केवल दो पद गाए गए। प्रसाद ने इसे कांग्रेस की कथित विचारधारा और उसके रवैये से जोड़ते हुए सवाल उठाया कि आखिर राष्ट्रीय गीत को लेकर पार्टी का दृष्टिकोण क्या है। उन्होंने कहा कि यदि कांग्रेस इस तरह की गतिविधियां करती रहेगी तो उसे भारत के स्वतंत्रता आंदोलन पर एकाधिकार का दावा करना बंद कर देना चाहिए। प्रसाद के मुताबिक, वंदे मातरम देश के स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला राष्ट्रीय गीत रहा है और इसकी ऐतिहासिक भूमिका को राजनीतिक सुविधा के आधार पर नहीं देखा जाना चाहिए। रविशंकर प्रसाद ने मल्लिकार्जुन खड़गे के उन सवालों का भी जवाब दिया, जिनमें भाजपा नेताओं की स्वतंत्रता आंदोलन में भूमिका पर सवाल उठाए जाते हैं।

देश में बनेंगे फाइटर जेट-टैंक और मिसाइल सिस्टम के उपकरण

सरकार ने 405प्रोडक्ट की लिस्ट जारी की; 3000 करोड़ के कारोबार की उम्मीद

प्रात: किरण, एजेंसी

सरकार हथियारों-मिसाइलों और टैंक के ज्यादातर पार्ट्स भारत में ही बनाना चाहती है। रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को 405 स्ट्रैटेजिक आइटम्स की छठी लिस्ट जारी की। इनमें अलग-अलग मशीनों के हिस्से, स्पेयर पार्ट्स, कंपोनेंट, सब-सिस्टम और रॉ मटेरियल शामिल है। हेलिकॉप्टर और लड़ाकू विमान से जुड़े सामान, टैंक और बख्तरबंद गाड़ियों के सामान, रडार, सोनार और दूसरे इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम और टैंक रोधी गोला-बारूद भी शामिल हैं। अगर ये सामान देश की कंपनियां ही बनाती हैं तो कुल 3,070 करोड़ रुपए का कारोबार हो सकता है। इसका मकसद डिफेंस सेक्टर में आयात घटाना और आत्मनिर्भरता को बढ़ानाा है। भारतीय उद्यमियों से खरीदे जाएंगे पार्ट्स रक्षा मंत्रालय के तहत जारी लिस्ट में हर प्रोडक्ट के भारतीयकरण के लिए तय समय दिया गया है। इस काम में उद्योग, खासकर टरटए की भागीदारी होगी। मंत्रालय ने कहा कि इससे आयात पर निर्भरता घटाने में भी मदद मिलेगी। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक इससे भारतीय उद्योगों के पास अवसर बढ़ेंगे। घरेलू प्रोडक्शन सिस्टम मजबूत होगा। इसके अलावा इन्वेस्टमेंट और इनीशिएटिव को बढ़ावा मिलने की भी उम्मीद है।

रांची में आंदोलनकारी देवेंद्र नाथ महतो ने अनशन तोड़ा, सोनम वांगचुक ने दी बधाई

प्रात: किरण, एजेंसी

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के जेएसएससी-सीजीएल की परीक्षा रद्द करने का फैसले से आंदोलनकारी छात्रों में जश्न का माहौल है। मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी और मंत्री दीपिका पांडे सिंह सोमवार देरात सदर अस्पताल पहुंचे और छात्र नेता देवेंद्र महतो को जूस पिलाकर अनशन खत्म कराया। यह खबर फैलते ही सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने देरात झारखंड के छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो से वीडियो कॉल के माध्यम से बातचीत की और उन्हें बधाई दी। उन्होंने झारखंड के छात्रों की मेहनत और निष्ठा की सराहना करते हुए सभी सफल छात्रों को शुभकामनाएं दीं। इस दौरान झारखंड सरकार और मुख्यमंत्री की भूमिका की भी सराहना की गई। बातचीत में इस बात पर जोर दिया गया कि सरकार और जनता मिलकर आगे भी काम करे और जहां भी कमियां या समस्याएं सामने आएं, उन्हें मिलकर दूर किया जाए। वांगचुक ने छात्रों की उपलब्धि को सकारात्मक कदम बताते हुए उन्हें आगे भी इसी तरह मेहनत और एकजुटता के साथ आगे बढ़ने की शुभकामनाएं दीं।

हमने वही वंदे मातरम् गाया जो गांधी और वाजपेई ने गाया, अपराध है तो उनके खिलाफ भी केस दर्ज करें: खरगे

पणजी। कांग्रेस मुख्यालय में वंदे मातरम् के गायन को लेकर जारी विवाद के बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को पार्टी नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज शिकायत के आधार पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि अगर वंदे मातरम् के पुराने संस्करण को गाना अपराध है, तो महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्रियों जवाहरलाल नेहरू तथा अटल बिहारी वाजपेई के खिलाफ भी शिकायत दर्ज होनी चाहिए। खरगे ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, ह्लवे क्या शिकायत करेंगे? हमने वही वंदे मातरम् गाया, जो महात्मा गांधी ने गाया था। हमने वही गाया जो जवाहरलाल नेहरू ने गाया था। पिछले 18 वर्षों से हम वही गाते आए हैं, जो उन्होंने गाया था। यहां तक कि वाजपेई सरकार के दौरान भी यही वंदे मातरम् गाया गया था।ह्व उन्होंने कहा, ह्लअगर यह अपराध है, तो पिछले 18 वर्षों से वे भी यही अपराध कर रहे हैं। अगर यही अपराध है, तो महात्मा गांधी के खिलाफ केस दर्ज करें। अगर यही अपराध है, तो नेहरू के खिलाफ केस दर्ज करें।ह्व यह विवाद शनिवार को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कांग्रेस मुख्यालय इंदिरा भवन में वंदे मातरम् के गायन के दौरान सामने आया था। कांग्रेस की ओर से पहले कहा गया था कि राष्ट्रगीत की केवल पहली दो पंक्तियां गाई जाएंगी, लेकिन कार्यक्रम के दौरान गायन पूरे संस्करण तक जारी रहा। इससे पहले कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने पार्टी मुख्यालय में तिरंगा फहराया था, जिसके बाद वंदे मातरम् का गायन शुरू हुआ। रिपोर्टों के मुताबिक, सोनिया गांधी ने सबसे पहले इस बात पर ध्यान दिया कि गायक पूरे संस्करण का गायन जारी रखे हुए हैं। उन्होंने कथित तौर पर खरगे की ओर इशारा किया और बाद में गायकों से रुकने के लिए कहा। इस मामले में सोमवार को दिल्ली पुलिस में सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ शिकायत भी दर्ज कराई गई थी। शिकायत में कांग्रेस मुख्यालय में स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान वंदे मातरम् के गायन को कथित तौर पर बाधित करने के प्रयास को लेकर एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई है। खरगे ने कहा कि कांग्रेस ने राष्ट्रीय गीतों को लेकर उस समय प्रस्ताव पारित किया था, जब आज उनके आलोचक भी पैदा नहीं हुए थे।

मुंबई TISS के दीक्षांत में CJI चीफ गेस्ट नहीं होंगे

उनकी जगह टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल डायरेक्टर को बुलाया

हैदराबाद लॉ यूनिवर्सिटी में विरोध के बाद फैसला

मुंबई। के टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (TISS) के 86वें दीक्षांत समारोह में अब उखकसूर्यकांत चीफ गेस्ट नहीं होंगे। 22 अगस्त को होने वाले समारोह में उनकी जगह टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. सीएस प्रमेश मुख्य अतिथि होंगे। पहले CJI सूर्यकांत को मुख्य अतिथि बनाया गया था और उन्हें दीक्षांत समारोह में भाषण देना था। यह फैसला ऐसे समय आया है, जब हैदराबाद की NALSAR यूनिवर्सिटी में 450 से ज्यादा छात्रों ने उखकसूर्यकांत को दीक्षांत समारोह का मुख्य अतिथि बनाए जाने का विरोध किया था। इसके बाद काउंसिल ऑफ इंडिया (BCI) ने लॉ यूनिवर्सिटी के पूरे बैच के छात्रों को वकील के तौर पर एनरोल करने से रोकने का निर्देश दिया था। मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा, जिसके बाद इउकने अपना आदेश वापस ले लिया था।

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने सीजेपी संस्थापक अभिजीत दिपके पर तंज कसते हुए उन्हें आप कार्यकर्ता बताया

-जंतर-मंतर के प्रदर्शनों को हाईजैक करने का आरोप लगाया

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने एक इंटरव्यू के दौरान कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दिपके की पृष्ठभूमि पर सवाल उठाते हुए कहा कि वह ह्यआम आदमी पार्टीह्ल से जुड़े हैं और खुद को छात्र नेता बताकर आंदोलन का राजनीतिक फायदा उठा रहे हैं। छात्रों की चिंताएं और राजनीति रिजिजू ने स्पष्ट किया कि सरकार छात्रों की जायज मांगों और चिंताओं को गंभीरता से सुनती है और उनसे सीधी बातचीत करने के लिए हमेशा तैयार है, लेकिन राजनीतिक दलों द्वारा छात्रों की आड़ में अपना एजेंडा चलाना पूरी तरह से अनुचित है। ह्यजेन जेडह्ल और संवाद की जरूरत युवाओं के साथ जुड़ाव पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि एशियाई पारिवारिक संस्कृति में पीढ़ियों के बीच तालमेल बनाने के लिए ह्यजेन जेडह्ल के साथ लगातार और सक्रिय संवाद बनाए रखना बेहद आवश्यक है।

भारत में हर वर्ष पांच लाख से अधिक सड़क दुर्घटनाओं होती है दो लाख से अधिक मौतें: जस्टिस अभय मनोहर सप्रे

- हर दुर्घटना का विश्लेषण करके उसके कारण तलाशें तथा सुधार करें- जस्टिस सप्रे

प्रात: किरण, एजेंसी

रीवा। उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश जस्टिस अभय मनोहर सप्रे ने कहा कि भारत में हर वर्ष पांच लाख से अधिक सड़क दुर्घटनाएं होती हैं, जिनमें दो लाख से अधिक मौतें होती हैं। इसके साथ-साथ लाखों लोग घायल होते हैं। जस्टिस सप्रे मध्य प्रदेश के रीवा प्रवास के दौरान कलेक्टर कार्यालय में सुप्रीम कोर्ट ऑन रोड सेफ्टी कमेटी की बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में उन्होंने सड़क हादसों के कारणों की समीक्षा करते हुए कहा कि रीवा जिले में सड़क दुर्घटनाओं की संख्या अधिक है। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सभी अधिकारी संवेदनशीलता और जिम्मेदारी से कार्य करें। पूर्व न्यायाधीश सप्रे ने कहा कि सड़क दुर्घटना के कई कारण होते हैं। खराब सड़क, ब्लैक स्पॉट, नशे में वाहन चलाना, यातायात नियमों का पालन न करना और ओव्हर स्पीड दुर्घटना के प्रमुख कारण हैं। पुलिस अधिकारी हर सड़क दुर्घटना का विश्लेषण करें। दुर्घटना के समय वाहन का प्रकार, उसकी गति तथा अन्य बातों का विश्लेषण करें। वाहन चालक नशे में तो नहीं था। विश्लेषण के बाद जो कारण सामने आए उसे सुधारने का प्रयास करें। इससे 50 से 70 प्रतिशत तक दुर्घटनाओं पर रोक लगेगी। उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय में सड़क दुर्घटना रोकने के लिए जनहित याचिका 2013 में दायर की गई। इसका संज्ञान लेते हुए उच्चतम न्यायालय ने सड़क दुर्घटनाओं की निगरानी शुरू की है। सुरक्षात्मक उपाय और यातायात नियमों का कड़ाई से पालन कराकर कई दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है। दुर्घटना पीड़ितों को तत्परता से उपचार सहायता देकर भी मौतों को रोका जा सकता है। बैठक में जस्टिस सप्रे ने कहा कि कलेक्टर जिले के दोपहिया वाहन उपयोग करने वाले सभी शासकीय कर्मियों को हेलमेट पहनना अनिवार्य करें। कालेज और स्कूल में दोपहिया वाहन से आने वाले विद्यार्थियों की उपस्थिति हेलमेट लगाने पर ही मान्य हो। हेलमेट न लगाने वाले दोपहिया वाहन चालक तथा सीटबेल्ट का उपयोग न करने वाले वाहन चालकों पर चालानी कार्यवाही करें। शिक्षण संस्थानों में यातायात जागरूकता का अभियान चलाएं।

ट्रम्प बोले- अमेरिका में भारत जैसा चुनावी सिस्टम हो

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार को भारत की चुनाव व्यवस्था का हवाला देते हुए ह्यसेव अमेरिका एक्ट को पास कराने की अपील की है। ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर पोस्ट में लिखा- इस महीने की शुरूआत में, भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने हमारे प्रशासन से पूछा था कि अमेरिका में वैध फोटो ID के बिना चुनाव कैसे हो सकते हैं? ट्रम्प ने आगे कहा- हमें अब सेव अमेरिका एक्ट पास करना होगा। ट्रम्प ने अमेरिकी चुनाव प्रक्रिया को और सख्त बनाने पर जोर दिया। उनका कहना है कि इससे अमेरिकी चुनावों की सुरक्षा और विश्वसनीयता बढ़ेगी। क्या है सेव अमेरिका एक्ट? सेव अमेरिका एक्ट अमेरिका में मतदाता पंजीकरण और मतदान से जुड़े नियमों को और सख्त करने वाला एक विधेयक प्रस्ताव है। इसके तहत वोटर रजिस्ट्रेशन के समय नागरिकता का दस्तावेजी प्रमाण और मतदान के समय फोटो क्ळदिखाना जरूरी होगा।

दिल्ली पुलिस बोली- CJP का संसद मार्च गैरकानूनी था

सुप्रीम कोर्ट में कहा- हिस्ट्रीशीटर शामिल हुए, बैरिकेड तोड़े, लेकिन हमने ज्यादा बल प्रयोग नहीं किया

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि 20 जुलाई का संसद मार्च गैरकानूनी था। इसकी परमिशन नहीं थी। जंतर-मंतर पर प्रदर्शन में कई हिस्ट्रीशीटर भी आ गए थे। पुलिस ने बताया कि संसद मार्च में प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड तोड़े और पुलिस से मारपीट की, जिससे प्रदर्शन शांतिपूर्ण नहीं रहा। हालात संभालने के लिए बल प्रयोग किया गया था, लेकिन प्रदर्शनकारियों पर जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग नहीं किया गया। डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस सचिन शर्मा ने हलफनामा दाखिल कर ये जानकारी दी। इसे पुलिस ज्यादती की कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग वाली याचिकाओं के जवाब के तौर पर पेश किया गया है। सुप्रीम कोर्ट इस मामले में हाई लेवल कमेटी बनाएगा। पुलिस-प्रदर्शनकारी के घायल होने पर- 20 जुलाई को जंतर-मंतर के आसपास 30 हजार से ज्यादा प्रदर्शनकारी मौजूद थे। करीब 3 किलोमीटर के इलाके में फैली इस भीड़ को संभालने के लिए लगभग 5 हजार पुलिसकर्मी तैनात थे। झड़प में 240 से ज्यादा पुलिसकर्मी और करीब 200 प्रदर्शनकारी घायल हुए। कील वाली लाठियों के आरोप पर- याचिकाओं में चुनिंदा फोटो, अधूरे वीडियो और अपुष्ट मीडिया रिपोर्ट्स का इस्तेमाल किया गया।

विनोद तावड़े को मिली उत्तर प्रदेश की जिम्मेदारी

भाजपा ने की तीन राज्यों के प्रभारियों के नाम को घोषणा

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उत्तर प्रदेश, पंजाब और गुजरात में नए प्रदेश प्रभारी नियुक्त किए हैं। जिसमें विनोद तावड़े को उत्तर प्रदेश, सतीश पूनिया को पंजाब और तरुण चुघ को गुजरात की जिम्मेदारी मिली है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश, पंजाब और गुजरात के लिए नए प्रदेश प्रभारियों और सह-प्रभारी की नियुक्ति की है। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं राज्यसभा सांसद विनोद तावड़े को उत्तर प्रदेश का प्रभारी और राष्ट्रीय मंत्री जगदीश ईश्वरभाई पटेल को सह प्रभारी नियुक्त किया है। राज्यसभा सांसद एवं भाजपा के राष्ट्रीय कार्यालय प्रभारी तरुण चुघ ने आज एक विज्ञप्ति जारी कर यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि श्री नवीन ने पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री एवं राज्यसभा सांसद डॉ. सतीश पुनिया को पंजाब का प्रभारी नियुक्त किया है। राज्यसभा सांसद एवं राष्ट्रीय कार्यालय प्रभारी तरुण चुग को गुजरात का पार्टी प्रभारी नियुक्त किया गया है। उन्होंने कहा कि ये सभी नियुक्तियां तत्काल रूप से प्रभावी होंगी। अन्य राज्यों में पार्टी के प्रभारियों की नियुक्तियां समयानुसार की जाएंगी, तब तक वर्तमान प्रभारी व्यवस्था लागू रहेगी।

पहाड़ में खत्म न होने वाला इंतजार! आपदा के बाद रेस्क्यू कितना और तलाश कितनी अब तक नहीं मिले ये लापता लोग

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड में जब आपदा के समय पहाड़ पर कुछ भी होता है, तो सिर्फ सड़कें पुल और मकान ही नहीं टूटते, कई परिवारों की जिंदगी भी अचानक ठहर जाती है. कोई नदी के उफान में बह जाता है, कोई मलबे के नीचे दब जाता है. कोई भूस्खलन के बाद जंगल और खाइयों के बीच कहीं गुम हो जाता है, तो कोई ट्रेकिंग के दौरान अपने साथियों से बिछड़ने के बाद फिर कभी दिखाई नहीं देता. पहाड़ में खत्म न होने वाला इंतजारः हादसे के बाद प्रशासन और आपदा राहत एजेंसियां पूरी ताकत के साथ सर्च ऑपरेशन शुरू करती हैं. लेकिन हर लापता व्यक्ति की कहानी, शव मिलने या सुरक्षित घर लौटने के साथ खत्म नहीं होती. कई मामलों में दिन सप्ताह में और सप्ताह महीनों में बदल जाते हैं, मगर परिवार के पास जवाब नहीं आता. उत्तराखंड में पिछले कुछ महीनों के दौरान सामने आए ऐसे मामलों ने अब एक बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है. क्या प्रदेश में आपदा के बाद रेस्क्यू सिस्टम उतनी ही तेजी से काम करता है, जितनी तेजी से पहाड़ में हादसा होता है. अगर किसी का सुराग नहीं मिलता है, तो उसकी तलाश की आखिरी सीमा आखिर कौन तय करता है. चमोली टनल हादसा

बना ताजा उदाहरण, सुरंग के भीतर एक जिंदगी की तलाश जारीः चमोली जिले के पीपलकोटी क्षेत्र में टीएचडीसी की निर्माणाधीन विष्णुगाड़-पीपलकोटी जलविद्युत परियोजना की सुरंग में 13 अगस्त को हुए हादसे ने एक बार फिर उत्तराखंड की आपदा और रेस्क्यू व्यवस्था की परीक्षा ले ली. सुरंग में अचानक पानी और मलबा घुसने के बाद वहां काम कर रहे श्रमिक फंस गए. शुरुआती चरण में बड़ी संख्या में श्रमिकों को बाहर निकाला गया. लेकिन हादसे ने कई परिवारों को ऐसी चिंता में डाल दिया, जिसका जवाब अभी तक नहीं मिला है. आपदा के बाद रेस्क्यू कितना और तलाश कितनी 16 अगस्त तक एक और शव बरामद हुआ. फिर 18 अगस्त को एक और डेड बॉडी मिली. एक श्रमिक अब भी लापता है. सुरंग के भीतर पानी, गाद और मलबे के कारण रेस्क्यू टीमों के सामने लगातार मुश्किलें बनी हुई हैं. यह हादसा सिर्फ एक दुर्घटना नहीं, बल्कि उत्तराखंड में लापता लोगों की तलाश की चुनौती का सबसे ताजा उदाहरण बन गया है. जिस सुरंग में कुछ दिन पहले मजदूर रोज की तरह काम कर रहे थे, वहीं अब उनके परिवारों के लिए उम्मीद और आशंका के बीच खड़ी एक बंद दुनिया बन गई है. ये स्थितियां बनती हैं रेस्क्यू में बाधाः रेस्क्यू टीम संभावित स्थानों तक पहुंचने की कोशिश कर रही है, लेकिन सुरंग की अस्थिर स्थिति गाद, पानी और मलबा अभियान की रफ्तार को प्रभावित कर रहे हैं. कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक ने कहा कि जब तक लापता श्रमिकों तक टीम नहीं पहुंचा जाती, तब तक सर्च अभियान जारी रहेगा. टनल हादसे के साथ-साथ चमोली में ही इसी महीने आई आपदा में बीआरओ के हवलदार पंकज भी लापता हैं, जिनका अभी तक कोई सुराग नहीं मिला है. सीएम धामी ने भी उनके परिजनों से बातचीत की थी. ट्रेकिंग रूट पर गुम हुई बबीता, पिंडारी से लापता अभिषेक और फूलों की घाटी से भी एक लापता हैः उत्तराखंड में आपदा के बीच सबसे कठिन मामले वो हैं, जहां कोई व्यक्ति सीधे किसी हादसे का शिकार हुआ या नहीं इसका भी पता नहीं चलता. उत्तरकाशी के दयारा बुग्याल ट्रेक से 29 मई को लापता हुई रामनगर निवासी बबीता पांडे इसका उदाहरण है. उनकी तलाश में पुलिस, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, आईटीबीपी, सेना, वन विभाग, डॉग स्क्वायड और स्थानीय लोगों तक को लगाया गया. अलग-अलग संभावित इलाकों में सर्च ऑपरेशन चलाया गया. लेकिन लंबे अभियान के बावजूद कोई निर्णायक सुराग नहीं मिला. अब जांच एजेंसी बस इस इंतजार में है कि कहीं से उसकी खबर आ जाए. निश्चित घटनास्थल नहीं होने से रेस्क्यू टीम के सामने परेशानीः इसके साथ ही बागेश्वर के पिंडारी ग्लेशियर ट्रेक से 29 मई को लापता हुए नोएडा निवासी अभिषेक चौहान का मामला भी इसी चुनौती को सामने लाता है. कई दिनों तक तलाश चलने के बावजूद सुराग नहीं मिलने पर परिवार ने जानकारी देने वाले के लिए इनाम की घोषणा तक की. ऐसे मामलों में सबसे बड़ी दिक्कत यह होती है कि रेस्क्यू एजेंसियों के पास एक निश्चित घटनास्थल नहीं होता. नदी में हादसा हो तो संभावित बहाव क्षेत्र तलाशा जा सकता है. सुरंग में हादसा हो तो मलबे के भीतर संभावित स्थान तय किए जा सकते हैं. लेकिन ट्रेकिंग में लापता व्यक्ति किस दिशा में गया, यह पता न हो, तो पूरा पहाड़ ही सर्च एरिया बन जाता है. फूलों की घाटी में भी एक पर्यटक है लापताः ये दो ही मामले नहीं, फूलों की घाटी में भी मई महीने से एक पर्यटक लापता है, जिसकी तलाश अभी भी की जा रही है. लोगों को तस्वीर दिखा कर उससे बारे में पूछा जा रहा है. किसी की भी गुमशुदगी की जांच बंद नहीं होती है. भले ही उसके परिवार के लोग वहां से घर चले गए हों, लेकिन पुलिस के लिए हमेशा एक गुमशुदा व्यक्ति जांच का विषय होता है. इन मामलों में भी हमारी लोकल पुलिस और एजेंसी आज भी काम कर रही है. नदी में लापता हुए लोगों की तलाश में पानी सबसे बड़ा दुश्मनः उत्तराखंड की नदियां भी लापता लोगों की तलाश को बेहद कठिन बना देती हैं. पहाड़ों में अचानक बढ़ता जलस्तर, तेज बहाव, गहरी खाइयां, बड़े-बड़े बोल्डर और नदी के भीतर बने गड्ढे सर्च ऑपरेशन की दिशा को हर घंटे बदल सकते हैं. कई बार जिस जगह हादसा होता है, व्यक्ति वहां नहीं मिलता. क्योंकि तेज बहाव उसे काफी दूर तक ले जा सकता है. यही कारण है कि एसडीआरएफ की डीप डाइविंग टीमें और जल पुलिस जैसे विशेषज्ञ दल लगातार संभावित जलक्षेत्रों की तलाशी लेते हैं. लेकिन पानी के भीतर दृश्यता कम होने और तेज बहाव के कारण हर जगह पहुंचना आसान नहीं होता. यानी उत्तराखंड में लापता व्यक्ति की तलाश तीन अलग-अलग मोर्चों पर लड़ाई बन जाती है. आपदा प्रबंधन विभाग की रिपोर्ट कहती है कि राज्य में आपदा की वजह से अभी फिलहाल 13 से अधिक लोग हाल के दिनों में लापता हुए हैं. रेस्क्यू टीम पहुंचती है लेकिन सर्च ऑपरेशन कब तक चलेगाः यहीं इस पूरी कहानी का सबसे बड़ा सवाल है. किसी हादसे के तुरंत बाद एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, पुलिस, आईटीबीपी, सेना, डीडीआरएफ, वन विभाग और स्थानीय लोग मैदान में उतरते हैं.

हरिद्वार में दबंगों ने कॉलोनी में घुसकर युवक को पीटा, सीसीटीवी में कैद वारदात, 5 गिरफ्तार

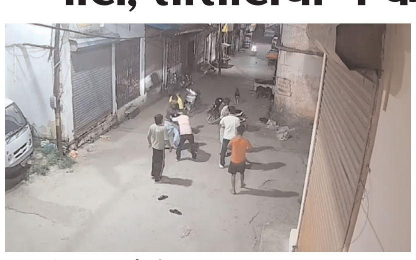

हरिद्वार, एजेंसी। नगर कोतवाली क्षेत्र में एक युवक की दबंगों द्वारा पिटाई का मामला सामने आया है. पीड़ित युवक की पहचान प्रिंस के रूप में हुई है. आरोप है कि कुछ दिन पहले प्रिंस ने मारपीट का मुकदमा दर्ज कराया था. इसी से नाराज आरोपी युवकों ने रात के अंधेरे में उसके साथ मारपीट कर दहशत फैलाने का प्रयास किया. मारपीट की यह घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई. वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो गया. वायरल वीडियो का संज्ञान लेकर पुलिस ने पांचों आरोपियों को दबोच लिया. मामला नगर कोतवाली क्षेत्र की निर्मला छावनी कॉलोनी का बताया जा रहा है. पुलिस के अनुसार प्रिंस ने कुछ दिन पहले मारपीट के मामले में मुकदमा दर्ज कराया था. मुकदमा दर्ज होने के बाद आरोपी युवक उससे नाराज चल रहे थे. आरोप है कि कुछ दिन पहले रात में आरोपियों ने प्रिंस के साथ मारपीट की। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया. मारपीट की पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई. जिसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. वायरल वीडियो में युवक बेखौफ होकर मारपीट करते नजर आ रहे हैं. बीचबचाव करने वाले लोगों तक को नहीं बख्शा. वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले का संज्ञान लिया. जिसके बाद आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित की. आज सोमवार को इंडस्ट्रियल चौकी क्षेत्र में पुलिस टीम चेकिंग कर रही थी. इसी दौरान निर्मला छावनी स्थित पुंडीर की चक्की के पास पांच युवक फिर से प्रिंस के साथ मुकदमा लिखाने को लेकर बहस करते मिले. पुलिस ने युवकों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वे नहीं माने और प्रिंस के साथ दोबारा विवाद करने पर आमादा हो गए. स्थिति बिगड़ने की आशंका को देखते हुए पुलिस ने पांचों युवकों को गिरफ्तार किया. पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मनीष (26) निवासी यादव मिलन ब्रह्मपुरी, बॉबी गिरी (19), धीरज गिरी (22) निवासी जोगिया मंडी, करन उर्फ नन्दी (24) निवासी भीगौड़ा गुसाई गली और मोहित (23) निवासी बंगाली बस्ती ब्रह्मपुरी के रूप में की है. सभी को कोतवाली लाकर शांतिभंग की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया. नगर कोतवाली प्रभारी कुंदन सिंह राणा ने बताया गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कोर्ट में पेश कर दिया गया है. देहरादून में 4 नेपाली गिरफ्तारः एसएसपी देहरादून की सटीक रणनीति से अंतर्राज्यीय चोर गिरोह आया दून पुलिस की गिरफ्त में आ गया. यह गिरोह ज्वैलरी शॉप में चोरी की घटना को अंजाम दे चुका है. पुलिस ने 4 नेपालियों को गिरफ्तार किया है. आरोपियों के कब्जे से घटना में चोरी की गई लाखों की ज्वैलरी बरामद की है. गिरफ्तार आरोपी शातिर किस्म के अपराधी हैं. वे सुनियोजित तरीके से रेकी कर चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे.

बड़ी जिम्मेदारी मिलने के बाद हरिद्वार पहुंचे तीरथ सिंह रावत, संतों का लिया आशीर्वाद

हरिद्वार, एजेंसी। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी मिलने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत सोमवार शाम को हरिद्वार पहुंचे. इसके बाद ने कनखल स्थित जगद्गुरु आश्रम में शंकराचार्य स्वामी राजराजेश्वराश्रम महाराज के आश्रम पहुंचे. जहां उन्होंने स्वामी राजराजेश्वराश्रम महाराज से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद लिया. हरिद्वार पहुंचे तीरथ सिंह रावत ने पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारी और फैसलों पर अपनी बात रखी. पार्टी नेता ने केंद्रीय नेतृत्व, राष्ट्रीय अध्यक्ष, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी ने जो भी जिम्मेदारी सौंपी है, वे उसे पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभाएंगे. उन्होंने कहा वो पार्टी के सिपाही और कार्यकर्ता हैं. पद तो आते जाते रहते हैं, लेकिन कार्यकर्ता के रूप में पार्टी और देश सेवा का कार्य लगातार जारी रहेगा. उन्होंने बताया कि जिम्मेदारी मिलने के बाद वो सबसे पहले पूज्य शंकराचार्य और संतों से आशीर्वाद प्राप्त करने हरिद्वार पहुंचे हैं. उन्हें शुरू से ही संतों का मार्गदर्शन और शुभचिंतकों का आशीर्वाद मिलता रहा है.

पूर्व मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत और देश को विश्व में शीर्ष पर ले जाने के संकल्प को वे कार्यकर्ताओं के माध्यम से जमीनी स्तर तक पहुंचाने का काम करेंगे. वहीं वर्ष 2027 में होने वाले आगामी चुनावों पर बात करते हुए तीरथ सिंह रावत ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी 2047 जनता के बीच रहने वाली और मिशन के रूप में काम करने वाली पार्टी है. पार्टी हर चुनौती के लिए पूरी तरह तैयार है. 2027 के चुनाव में भी प्रचंड बहुमत के साथ विजय हासिल करेगी.

बता दें तीरथ सिंह रावत को सोमवार को ही भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है. जिम्मेदारी मिलने के बाद उन्होंने हरिद्वार पहुंचकर संतों का आशीर्वाद लिया. तीरथ सिंह रावत उत्तराखंड की पौड़ी गढ़वाल सीट से सांसद और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री भी रह चुके हैं.

समुद्र मंथन की थीम पर सजेगा कुंभ का स्वागत द्वार, धर्मनगरी से दिया जाएगा खास संदेश

हरिद्वार, एजेंसी। कांवड़ मेले के बाद कुंभ मेला प्रशासन ने कुंभ मेले की तैयारियों को गति देना शुरू कर दिया है. कुंभ मेले में हरिद्वार आने वाले श्रद्धालुओं के लिए उत्तर प्रदेश की सीमा पर मंडावर छुटमलपुर में भव्य स्वागत द्वार बनाया जाएगा. यह द्वार समुद्र मंथन की पौराणिक कथा और कुंभ की आध्यात्मिक परंपरा को केंद्र में रखकर तैयार किया जा रहा है. यह स्वागत द्वार श्रद्धालुओं के लिए केवल प्रवेश का संकेत नहीं होगा, बल्कि देवभूमि उत्तराखंड की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान से परिचय कराने वाला प्रमुख आकर्षण भी बनेगा. मेला प्रशासन की ओर से राष्ट्रीय राजमार्ग पर निर्मित कराए जा रहे इस स्वागत द्वार के लिए राज्य सरकार ने 204.19 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की है. लगभग साढ़े छह मीटर ऊंचा यह स्वागत द्वार कुंभ नगरी हरिद्वार की ओर बढ़ते श्रद्धालुओं के लिए भव्य प्रवेश बिंदु के रूप में विकसित किया जा रहा है. इसका वास्तुशिल्प और सज्जा कुंभ के आध्यात्मिक महत्व के साथ उत्तराखंड की सांस्कृतिक परंपराओं को भी प्रतिबिंबित करेगी. कुंभ मेलाधिकारी सोनिका ने कहा समुद्र मंथन भारतीय पौराणिक परंपरा में कुंभ की अवधारणा से गहराई से जुड़ी कथा है. इसी कथा से अमृत कलश और कुंभ पर्व की

धार्मिक मान्यता का संबंध माना जाता है. ऐसे में समुद्र मंथन की थीम पर आधारित स्वागत द्वार श्रद्धालुओं को कुंभ की आध्यात्मिक यात्रा से जोड़ने के साथ ही हरिद्वार की धार्मिक महत्ता का प्रतीक बनेगा. यह मार्ग उत्तर प्रदेश के साथ साथ हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़ और हिमाचल प्रदेश से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए हरिद्वार पहुंचने के प्रमुख मार्गों में शामिल है. ऐसे में मंडावर में बनने वाला यह स्वागत द्वार बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के लिए कुंभ नगरी की पहली भव्य झलक प्रस्तुत करेगा. प्रवेश द्वार के आसपास के क्षेत्र में भी आवश्यक सौंदर्यीकरण कराया जाएगा. जिससे कुंभ क्षेत्र में प्रवेश करते ही श्रद्धालुओं को एक आकर्षक और उत्सवपूर्ण वातावरण का अनुभव हो. कुंभ मेलाधिकारी सोनिका ने बताया स्वागत द्वार का निर्माण कार्य प्रारंभ हो चुका है. इसे दिसंबर 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है. निर्माण कार्य में गुणवत्ता और समयबद्धता पर विशेष जोर दिया जा रहा है. मेलाधिकारी सोनिका ने इस महत्वपूर्ण परियोजना को तेजी से धरातल पर उतारने के लिए स्थलीय निरीक्षण कर अधिकारियों को तय समयसीमा के भीतर इसका निर्माण पूरा करने के निर्देश दिए.

सिस्टम की भूल, भुगत रहीं 200 छात्राए

गणाई गंगोली (पिथौरागढ़), एजेंसी। सीमांत जिले के गणाई गंगोली इंटर कॉलेज की छात्राएं यदि घर से पानी लाना भूल गई तो दिनभर प्यासे रहकर ही पढ़ाई करनी पड़ती है। पेयजल व्यवस्था नहीं होने से विद्यालय की 200 छात्राओं को घर से पानी लाना मजबूरी बन गया है। यह स्थिति जीजीआईसी गणाई गंगोली की है। यहां सिस्टम की अनदेखी का खामियाजा छात्राओं को भुगतना पड़ रहा है। विद्यालय भवन निर्माण के दौरान सभी यहां नल लगाना भूल गए। इसके कारण पिछले दस वर्षों से छात्राओं को रोजाना पानी की बोतल साथ ले जानी पड़ती है। सबसे चिंताजनक स्थिति शौचालयों में पानी की व्यवस्था की है। यहां बरसात के पानी के लिए टैंक बनाया गया है लेकिन मानसूनकाल में इस टैंक के पानी में कीड़े पनप गए हैं। ऐसे में छात्राएं परेशान हैं। अभिभावकों का कहना है कि उन्होंने जल संस्थान, शिक्षा विभाग से लेकर विधायक, सांसद से विद्यालय में पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराने की गुहार लगाई लेकिन कोई भी जिम्मेदार पेयजल की व्यवस्था नहीं करा सका। अभिभावकों ने कहा है कि जल्द ही विद्यालय तक पेयजल की सुविधा उपलब्ध नहीं हुई तो वे आंदोलन के लिए मजबूर होंगे। बरसात के दौरान लाइन क्षतिग्रस्त होने से बरसाती टैंक तक पानी नहीं पहुंच रहा है। ऐसे में जल संस्थान टैंकर से बरसाती टैंक को भर रहा है। तब जाकर शौचालयों में पानी की व्यवस्था हो रही है। विद्यालय प्रबंधन का कहना है कि विद्यालय के आसपास ही डिग्री कॉलेज, आयुर्वेदिक अस्पताल, वन विभाग, डाक बंगला, तहसील कार्यालय, ट्रेजरी आदि संस्थान मौजूद हैं जहां पानी की सुविधा है। सिर्फ विद्यालय में ही पेयजल कनेक्शन नहीं लग सका है।

पिरान कलियर में तीन दुकानों में लगी भीषण आग, जायरीनों में मची अफरा तफरी, बमुश्किल पाया आग पर काबू

रुड़की, एजेंसी। हरिद्वार जिले के पिरान कलियर में साबिर पाक के 758वें सालाना उर्स के बीच दरगाह के पहाड़ी गेट के पास अजमेरी बाजार में एक ज्वैलरी की दुकान में अचानक आग लग गई. देखते ही देखते आग की लपटें उठने लगी और कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप ले लिया. आग की लपटें देख बाजार में अफरा-तफरी मच गई, जिसके बाद स्थानीय लोग मौके पर इकट्ठा हो गए और पुलिस के साथ मिलकर आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया गया. हालांकि पुलिस और स्थानीय लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया, जिसके बाद राहत की सांस ली. इस घटना में दो ज्वैलरी की दुकान और एक खिलौनों की दुकान चपेट में आ गई. इन दिनों पिरान कलियर में विश्व प्रसिद्ध दरगाह हजरत मखदूम अलाउद्दीन अली अहमद साबिर पाक का 758वां सालाना उर्स (मेला) चल रहा है. वहीं साबिर पाक के इस उर्स मेले में देश ही नहीं विदेशों से भी भारी संख्या में जायरीन जियारत करने के लिए पहुंचते हैं. बीती देर पिरान कलियर दरगाह के पहाड़ी गेट के पास अजमेरी बाजार में एक ज्वैलरी की दुकान में संदिग्ध परिस्थितियों में अचानक आग लग गई. देखते ही देखते दुकान में आग की लपटें उठने लगीं, आग की लपटें उठती देख बाजार में अफरा-तफरी मच गई. कुछ ही देर में स्थानीय लोग मौके पर इकट्ठा हो गए और घटना की जानकारी दमकल विभाग को दी गई. इस दौरान आग तेजी से फैलती रही, जिससे आसपास की दुकानों में भी आग लगने का खतरा पैदा हो गया. हालांकि सूचना मिलते ही कलियर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक कमल मोहन भंडारी भी मौके पर पहुंच गए और स्थानीय लोगों की मदद से पानी और उपलब्ध अन्य संसाधनों के सहारे से आग बुझाने का प्रयास किया गया. वहीं सूचना मिलने के करीब 20 मिनट बाद दमकल कर्मियों की टीम भी मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया. लेकिन इस अग्निकांड में पास की खिलौने की दुकान और एक अन्य ज्वैलरी की दुकान में भी आग की चपेट में आ गई. हालांकि अभी आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है. दमकल विभाग आग लगने के कारणों का पता लगा रहा है, साथ ही नुकसान के आकलन भी किया जा रहा है. बताते चलें कि साबिर पाक के सालाना उर्स के चलते पिरान कलियर में इन दिनों जायरीनों की भारी भीड़ चल रही है. ऐसे में बाजार के बीच दुकान में आग लगने से मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई और कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बना रहा. गनीमत रही कि कोतवाली प्रभारी निरीक्षक कमल मोहन भंडारी पुलिस टीम के साथ तत्काल मौके पर पहुंच गए और स्थिति को संभाला. आग लगने के कारणों और दुकानों में हुए नुकसान का अभी स्पष्ट पता नहीं चल सका है. आग किस वजह से लगी है यह जांच के बाद ही साफ हो सकेगा, हालांकि उर्स के बीच सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठने लगे हैं. साबिर पाक के सालाना उर्स के चलते कलियर में देशभर से बड़ी संख्या में जायरीन पहुंच रहे हैं, ऐसे संवेदनशील और भीड़भाड़ वाले समय में मुख्य बाजार में आग लगने और दमकल की टीम के पहुंचने में देरी को लेकर सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं. स्थानीय लोगों ने उर्स मेले के दौरान दमकल वाहनों की तत्काल उपलब्धता सुनिश्चित किए जाने की मांग की है.

संक्षिप्त समाचार

खारा श्रोत के पास उफान पर बरसाती नाला, एसडीआरएफ ने संभाला मोर्चा, बचाई कई लोगों की जान

टिहरी गढ़वाल, एजेंसी। टिहरी जिले के मुनिकीरेती क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश के चलते खारा स्रोत के पास बरसाती नाला अचानक उफान पर आ गया. तेज जलप्रवाह को देखते हुए मौके पर तैनात एसडीआरएफ टीम ने तत्काल मोर्चा संभालते हुए आसपास मौजूद लोगों को अलर्ट किया. इस दौरान नाले के समीप फंसे कुछ लोगों को स्थानीय लोगों और [illegible] की संयुक्त कार्रवाई से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया. राहत की बात है कि घटना में किसी तरह की जनहानि की सूचना नहीं है. मुनिकीरेती क्षेत्र में बारिश के बीच खारा स्रोत के पास बरसाती नाले का जलस्तर अचानक बढ़ गया. तेज बहाव को देखते हुए एसडीआरएफ जवानों ने लाउडहेलर और मौखिक रूप से लोगों को नाले के पास नहीं जाने की चेतावनी दी. एसडीआरएफ टीम लगातार क्षेत्र में निगरानी कर रही है. लोगों को तेज बहाव से होने वाले संभावित खतरे के प्रति जागरूक किया जा रहा है. इसी दौरान कुछ लोग बरसाती नाले के समीप फंस गए. स्थिति की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय लोगों और एसडीआरएफ टीम ने तत्काल संयुक्त रूप से कार्रवाई की. एसडीआरएफ ने सभी व्यक्तियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया. घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है. एसडीआरएफ ने लोगों से अपील की है कि बारिश के दौरान बरसाती नालों, गदेरों और तेज बहाव वाले स्थानों से दूरी बनाए रखें. जलस्तर बढ़ने की स्थिति में किसी भी तरह का जोखिम न उठाएं. अभिभावक बच्चों को विशेष रूप से ऐसे खतरनाक स्थानों से दूर रखें.

टिहरी जिले के दर्शन सिंह भंडारी को मिलेगा राष्ट्रपति पुलिस पदक, जानिये वजह

श्रीनगर गढ़वाल, एजेंसी। टिहरी गढ़वाल जिले की डागर पट्टी के बैजवाड़ी गांव निवासी एवं केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के अधिकारी दर्शन सिंह भंडारी का राष्ट्रपति पुलिस पदक (सराहनीय सेवा) के लिए चयन हुआ है. उनकी इस उपलब्धि से बैजवाड़ी गांव सहित डागर पट्टी और पूरे कीर्तिनगर क्षेत्र में खुशी और गर्व का माहौल है. दर्शन सिंह भंडारी ने वर्ष 2001 में सीआईएसएफ में सब-इंस्पेक्टर के पद पर नियुक्त होकर अपनी सेवा यात्रा शुरू की. करीब ढाई दशक की सेवा के दौरान उन्होंने देश के विभिन्न महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों में सुरक्षा संबंधी दायित्वों का निर्वहन किया. कठिन परिस्थितियों में भी कर्तव्य के प्रति निष्ठा, अनुशासन, ईमानदारी और समर्पण के साथ जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई. देश की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने में उनके योगदान और सराहनीय सेवाओं को देखते हुए उन्हें राष्ट्रपति पुलिस पदक के लिए चुना गया है. यह सम्मान उनके उत्कृष्ट सेवाकाल का गौरवपूर्ण प्रमाण माना जा रहा है. उनके चयन से परिवारजनों के साथ-साथ उनके पैतृक गांव बैजवाड़ी और कीर्तिनगर क्षेत्र में भी उत्साह का माहौल है. अपनी इस उपलब्धि पर दर्शन सिंह भंडारी ने कहा कि यह सम्मान उनके लिए गौरव का विषय है. उन्होंने इस सम्मान को केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के अपने सभी साथियों और देश की सुरक्षा में समर्पित जवानों को समर्पित किया, जो कठिन परिस्थितियों में भी पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ राष्ट्र की सेवा कर रहे हैं. दर्शन सिंह भंडारी के राष्ट्रपति पुलिस पदक के लिए चयन की खबर मिलते ही क्षेत्रवासियों, जनप्रतिनिधियों, शुभचिंतकों और परिचितों ने उन्हें बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की. स्थानीय लोगों ने कहा कि देश की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले क्षेत्र के बेटे को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान मिलना पूरे कीर्तिनगर के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है.

अब तपोवन टनल में हो रहा पानी का रिसाव; जगह हुई खोखली, कंपनी ने श्रमिकों को हटाया

चमोली, एजेंसी। हाल ही में चमोली में पीपलकोटी में सुरंग में भूस्खलन की घटना के बाद अब तपोवन परियोजना की टनल में भी पानी के रिसाव की खबर आई है। अब तपोवन विष्णुगाड जल विद्युत परियोजना की टनल में खोखली जगह (कैविटी) बनने और पानी के रिसाव का मामला सामने आया है। हालांकि कंपनी ने इसे सामान्य घटना बताकर किसी तरह के संभावित खतरे से इनकार किया है। वहीं कंपनी का कहना है कि इसका ट्रीटमेंट किया जा रहा है और श्रमिकों को वहां से हटा दिया गया है। टीएचडीसी की पीपलकोटी में निर्माणाधीन टनल में बीते 13 अगस्त को हुए हादसे के बाद लोग सतर्क हो गए हैं। इसी तरह का एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें एनटीपीसी की तपोवन परियोजना की टनल में भी पानी के रिसाव और खोखली जगह बनने की बात कही जा रही है। इसपर कंपनी की ओर से बयान जारी किया गया है। इसमें कहा है कि परियोजना की टीबीएम क्षेत्र की टनल में शनिवार को छोटी कैविटी बनी और रिसाव हुआ है। टनलिंग प्रक्रिया के दौरान इस तरह की कैविटी हो जाना साधारण बात है। इससे किसी तरह का संभावित खतरा नहीं है। बरसात में पानी का रिसाव होना भी सामान्य बात है। श्रमिकों को मौके से हटा दिया गया है और कुछ दक्ष श्रमिकों से इसका ट्रीटमेंट कराया जा रहा है।

सुबह 4 बजे आपकी पुलिस घर से कुलदीप कुमार को उठा ले गई और अब कुछ बता नहीं रही: केजरीवाल

● अगर एक विधायक को बिना कारण पुलिस उठा सकती है तो देश का आम आदमी बेचारा कहां जाए?-केजरीवाल

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी कोंडली से दलित विधायक कुलदीप कुमार को भाजपा की दिल्ली पुलिस द्वारा अगवा कर गायब करने पर प्रधानमंत्री पर हमलावर हो गई है। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री से पूछा है कि हमारे विधायक कुलदीप कुमार कहां हैं? मंगलवार सुबह 4 बजे आपकी दिल्ली पुलिस कुलदीप कुमार को उनके घर से उठा ले गई, घर पर लगे सीसीटीवी तोड़ दिए और डीवीआर साथ ले गई। अब आपकी पुलिस कुलदीप कुमार के बारे कुछ नहीं बता रही है। उन्होंने कहा कि अगर एक विधायक को बिना किसी जानकारी और बिना किसी कारण इस तरह पुलिस घर से उठा कर ले जा सकती है तो इस देश में आम आदमी बेचारा कहां जाए।? ये देश आपकी ऐसी गुंडागर्दी बर्दाश्त नहीं करेगा। उधर, वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने भी कुलदीप कुमार के अपहरण कर गायब करने के मुद्दे पर प्रधानमंत्री को आड़े हाथ लिया है। उन्होंने कहा कि मोदी जी, देश की राजधानी में क्या करवा रहे हैं? आपने कोंडली से हमारे विधायक कुलदीप कुमार का ही अपहरण करवा लिया। सुबह से कुलदीप कुमार का परिवार और आम आदमी पार्टी के लोग परेशान हैं। हम पूछ रहे हैं कि कुलदीप कुमार कहां हैं। उनका गुनाह सिर्फ इतना है कि उन्होंने ड्यूटी के वक्त मारे गए एक मजदूर और सफाई कर्मी के लिए एक करोड़ रुपए की सहायता की मांग की थी। क्या यह मांग करना इतना बड़ा गुनाह है कि प्रधानमंत्री ने कुलदीप कुमार का अपहरण करवा लिया? संजय सिंह ने कहा कि पुलिस कमिश्नर और डीसीपी को पता नहीं है कि विधायक इस वक्त कहां हैं। उनके घर वाले और हमारी पार्टी के लोग परेशान हैं। प्रधानमंत्री क्या कराना चाहते हैं? चूंकि कुलदीप कुमार वाल्मीकि, दलित और वंचित समाज से आते हैं, इसलिए प्रधानमंत्री उनका अपहरण करवाएंगे और विधायक को धमकाएंगे? क्या विधायक का काम अपने क्षेत्र या समाज के लोगों का मुद्दा उठाना नहीं है? मैं प्रधानमंत्री से कहना चाहता हूं कि वे तत्काल विधायक का पता लगवाएं और उनको सबके सामने लाएं। उन्हें उनके परिवार के सामने लाएं क्योंकि उनके क्षेत्र के लोग, परिवार के लोग और हमारी पार्टी के सभी लोग परेशान हैं कि कुलदीप कुमार इस वक्त कहां हैं। संजय सिंह ने एक्स पर कहा कि मोदी जी, दिल्ली के विधायक कुलदीप कुमार का अपहरण हो गया, आप कहाँ हैं? कुलदीप कुमार का गुनाह ये था कि उन्होंने ड्यूटी पर तैनात सफाईकर्मी की हत्या होने पर 1 करोड़ की सहायता राशि की मांग की।

मोदी जी बिना टेलीप्रॉम्प्टर के पूरा वंदेमातरम् गा दें, मैं उनका अभिनंदन करूंगा: संजय सिंह

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बिना टेलीप्रॉम्प्टर के पूरा वंदेमातरम गाने की चुनौती दी है। उन्होंने देशभक्त बनने ढोंग कर रही भाजपा पर पलटवार करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी बिना टेलीप्रॉम्प्टर के पूरा वंदेमातरम् गा दें, तो मैं मंच पर उनका अभिनंदन करूंगा। क्या भाजपा देशभक्तियों को अपने 4 पुरखों के नाम बता सकती है जो वंदेमातरम का नारा लगाकर जेल गए। भाजपा 4 नाम कभी नहीं बता सकती है। संजय सिंह ने कहा कि भाजपा से मेरे कुछ और सवाल है। उन्होंने पूछा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने भारत छोड़ो आंदोलन को कुचलने के लिए अंग्रेज गवर्नर को चिट्ठी क्यों लिखी? श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जिन्ना की मुस्लिम लीग के साथ तीन राज्यों में सरकार क्यों बनाई? लालकृष्ण आडवाणी और जसवंत सिंह ने जिन्ना की तारीफ क्यों की? आरएसएस ने 52 साल तक अपने मुख्यालय पर तिरंगा क्यों नहीं फहराया? आरएसएस की शाखा में तिरंगा क्यों नहीं फहराया जाता? 28 दिसंबर 1949 को आरएसएस ने ऑर्गनाइजर के अंक में राष्ट्रगान को अधिकारियों की पार्टी में गाया जाने वाला मनोरंजन की चीजक्यों लिखा? मंगलवार को एक वीडियो जारी कर संजय सिंह ने कहा कि भाजपाई इस समय देशभक्त बने हुए हैं। जब देशभक्ति की बात भाजपाई करते हैं तो ऐसा लगता है कि वो अपना इतिहास शायद नहीं जानते और भूल चुके हैं कि उनके पुरखों ने इस देश के साथ क्या किया है? उन्होंने कहा कि भाजपाई अभी वंदे मातरम पर सवाल उठा रहे हैं। मैंने सदन में भी भाजपाइयों से पूछा था कि उन चार लोगों के नाम बताओ जो भाजपा के पुरखे हैं, आरएसएस से जुड़े रहे हैं, जिन्होंने वंदे मातरम गाया और जिनको जेल की सजा हुई? वे आज तक चार नाम बताने के लिए तैयार नहीं हैं। संजय सिंह ने कहा कि भाजपा के पुरखों ने 52 साल तक आरएसएस के मुख्यालय पर तिरंगा झंडा नहीं फहराया। यह वो लोग हैं जिन्होंने तिरंगे झंडे का विरोध किया। यह वो लोग हैं जिन्होंने 28 दिसंबर 1949 को हमारे राष्ट्रगान जन-गण-मन के बारे में लिखा कि यह अधिकारियों की पार्टी में गाया जाने वाला आइटम ऑफ एंटरटेनमेंट है। संजय सिंह ने कहा कि यह वो लोग हैं जिनके नेता श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने 1942 में अंग्रेज गवर्नर को चिट्ठी लिखकर कहा था कि भारत छोड़ो आंदोलन को कुचल देना चाहिए और आजादी के आंदोलन को समाप्त कर देना चाहिए। ये अंग्रेजों के पिट्ठू थे।

संक्षिप्त खबरें

साबरमती की तर्ज पर विकसित होगा यमुना रिवरफ्रंट

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार यमुना नदी के किनारे को गुजरात के साबरमती रिवरफ्रंट की तर्ज पर विकसित करने की तैयारी कर रही है। गुजरात के अध्ययन दौरे पर पहुंचे जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने दिल्ली सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग (आईएंडएफसी) और दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों के साथ साबरमती रिवरफ्रंट का निरीक्षण किया। जल मंत्री का कहना है कि करीब 25-30 वर्ष पहले साबरमती भी उन समस्याओं से जूझ रही थी, जिनका सामना आज यमुना कर रही है। सरकार साबरमती मॉडल का अध्ययन कर रही है और दिल्ली की जरूरतों के अनुसार उसकी बेहतर व्यवस्थाओं को अपनाया जाएगा। मंत्री ने कहा कि यमुना किनारे बड़े और सुंदर पार्क, साइकिल ट्रैक और खेल मैदान विकसित किए जाएंगे। सरकार का लक्ष्य विश्वस्तरीय यमुना रिवरफ्रंट तैयार करना है। कलिंदी कुंज में 60 करोड़ से छठ घाट तैयार होगा यमुना किनारे कलिंदी कुंज में करीब 60 करोड़ रुपये की लागत से भव्य छठ घाट विकसित करने की योजना पर भी काम चल रहा है। इससे छठ पर्व पर श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी।

चार दिनों में 575 राखियां बुक, डाक सेवा की बढ़ी मांग

नई दिल्ली। रक्षाबंधन से पहले दूर रह रहे भाई-बहनों तक राखी पहुंचाने के लिए डाक विभाग की स्पीड पोस्ट सेवा की मांग बढ़ गई है। नई दिल्ली जीपीओ में 12 से 17 अगस्त के बीच चार दिनों में 575 राखियों की बुकिंग हुई। इनमें 505 घरेलू और 70 अंतरराष्ट्रीय राखियां शामिल हैं। विभाग की ओर से राखी भेजने पर स्पीड पोस्ट के पोस्टेज शुल्क में 10 फीसदी छूट भी दी जा रही है। नई दिल्ली जीपीओ की सहायक निदेशक (प्रशासन) अपर्णा सैंडिल्या ने बताया कि रक्षाबंधन को देखते हुए राखी की बुकिंग को लेकर लोगों में उत्साह है। 12 अगस्त को 103 घरेलू और 19 अंतरराष्ट्रीय, 13 अगस्त को 64 घरेलू और 26 अंतरराष्ट्रीय तथा 14 अगस्त को 74 घरेलू और 25 अंतरराष्ट्रीय राखियां बुक हुईं। वहीं, 17 अगस्त को अकेले 264 घरेलू राखियों की बुकिंग हुई। 17 अगस्त को बढ़ी बुकिंग 14 अगस्त को 74 घरेलू राखियों की बुकिंग हुई थी, जो 17 अगस्त को बढ़कर 264 हो गई। विभाग के अनुसार 12 अगस्त से स्पीड पोस्ट के पोस्टेज शुल्क पर 10 फीसदी की छूट दी जा रही है। यह छूट खुदरा ग्राहकों के लिए है।

नक्सल पीड़ितों ने पी. चिदंबरम के बयान पर जताया विरोध कहा- अब दिमागी नक्सलवाद का भी उपचार जरूरी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। नक्सली हिंसा में अपने परिजनों को खोने और गंभीर रूप से घायल होकर दिव्यांग हुए बस्तर के पीड़ितों ने पूर्व केंद्रीय गृहमंत्री पी. चिदंबरम के दिमागी नक्सल संबंधी बयान पर कड़ी आपत्ति जताई है। बस्तर शांति समिति की ओर से मंगलवार को कांस्टीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में आयोजित पत्रकार वार्ता में पीड़ितों ने कहा कि नक्सली हिंसा का दर्द झेल चुके परिवारों के सामने नक्सली विचारधारा के समर्थन या उसके प्रति सहानुभूति वाले बयान उनके जख्मों पर नमक छिड़कने जैसे हैं। पीड़ितों ने कहा कि हथियारबंद नक्सलवाद के खिलाफ लंबे संघर्ष के बाद अब बस्तर में शांति और विकास की उम्मीद मजबूत हुई है। ऐसे समय में नक्सलवाद को लेकर राजनीतिक बयानबाजी से उन परिवारों की पीड़ा बढ़ती है, जिन्होंने हिंसा में अपने परिजनों और अपने जीवन के महत्वपूर्ण हिस्से को खो दिया है। दिमागी नक्सलवाद का भी उपचार जरूरी बस्तर शांति समिति से जुड़े पीड़ितों ने कहा कि हथियारबंद नक्सलवाद का प्रभाव समाप्त होने के बाद अब उस विचारधारा का भी मुकाबला जरूरी है, जो हिंसा को उचित ठहराती है। उन्होंने इसे दिमागी नक्सलवाद बताते हुए कहा कि इसका भी उपचार होना चाहिए। पीड़ितों ने पी. चिदंबरम के सामाजिक माध्यम पर किए गए संदेशों और पुराने बयानों के छपे हुए अंशों वाले पोस्टर दिखाकर सवाल उठाया कि नक्सली हिंसा में शहीद हुए सुरक्षाकर्मियों और उजड़ चुके परिवारों के दर्द को कांग्रेस किस दृष्टि से देखती है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में बैठकर नक्सलवाद पर राजनीतिक टिप्पणी करना आसान है, लेकिन बस्तर के जंगलों में रहने वाले लोगों ने इसकी कीमत अपनी जान, शरीर और परिवारों की खुशियां गंवाकर चुकाई है। नक्सली हिंसा में 3 गोलियां लगने के बाद भी संघर्ष जारी कांकेर निवासी और नक्सली हिंसा के पीड़ित गौतरीराम विश्वकर्मा ने अपनी आपबीती सुनाते हुए बताया कि वर्ष 2009 में नक्सलियों ने उनका अपहरण कर लिया था। उन्होंने दावा किया कि नक्सलियों ने उनके सीने और पेट में 3 गोलियां मारी थीं। सियाराम रामटेके ने बताया कि वर्ष 2022 में नक्सली हमले में घायल होने के बाद आज भी उन्हें व्हीलचेयर और सहारे के लिए चलने वाले उपकरण का इस्तेमाल करना पड़ता है।

275 किलो के किशोर की बैरिएट्रिक सर्जरी, दो महीने में 52 किलो वजन घटा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल के डॉक्टरों ने करीब 275 किलो वजन वाले 16 वर्षीय किशोर की सफल बैरिएट्रिक सर्जरी की है। अस्पताल के अनुसार, सर्जरी के करीब दो महीने बाद किशोर का वजन घटकर 223 किलो रह गया है। यानी उसके वजन में 52 किलो की कमी आई है। किशोर का बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) करीब 100 तक पहुंच गया था। वह सांस लेने में गंभीर परेशानी, ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया और त्वचा के गंभीर संक्रमण से जूझ रहा था। किशोर की हालत इतनी गंभीर थी कि उसे सामान्य कार से अस्पताल लाना संभव नहीं था। परिवार उसे मेटाडोर से अस्पताल लेकर पहुंचा। अस्पताल पहुंचने के बाद उसे करीब दो सप्ताह तक पीडियाट्रिक इंटेंसिव केयर यूनिट (पीआईसीयू) में रखा गया। इस दौरान सांस लेने सहित अन्य स्वास्थ्य समस्याओं को नियंत्रित किया गया और उसे सर्जरी के लिए तैयार किया गया। डॉक्टरों के मुताबिक, किशोर की उम्र, अत्यधिक वजन और कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं के कारण सर्जरी चुनौतीपूर्ण थी। उसके इलाज के लिए पीडियाट्रिक क्रिटिकल केयर, बैरिएट्रिक सर्जरी, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, कार्डियोलॉजी और एनेस्थीसिया समेत विभिन्न विभागों के करीब 20 विशेषज्ञों की टीम बनाई गई। सर्जरी से पहले एनेस्थीसिया, मरीज को ऑपरेशन के दौरान सही स्थिति में रखने, लैप्रोस्कोपिक प्रक्रिया और ऑपरेशन के बाद सांस की निगरानी से जुड़े जोखिमों का आकलन किया गया। पेट का आकार किया छोटा किशोर की लैप्रोस्कोपिक स्लीव गैस्ट्रेक्टोमी की गई। इसमें पेट का एक बड़ा हिस्सा निकालकर उसका आकार छोटा किया जाता है। इससे कम भोजन में पेट भरा हुआ महसूस होता है और वजन कम करने में मदद मिलती है। ऑपरेशन सर गंगा राम अस्पताल के इंस्टीट्यूट ऑफ मिनिमल एक्सेस, मेटाबोलिक एंड बैरिएट्रिक सर्जरी की टीम ने किया। लीड बैरिएट्रिक सर्जन डॉ. दक्ष सेठी ने बताया कि मरीज की उम्र, वजन और गंभीर स्लीप एपनिया को देखते हुए ऑपरेशन के प्रत्येक चरण की सावधानीपूर्वक योजना बनाई गई। तीन दिन बाद मिली छुट्टी अत्यधिक वजन के कारण सर्जरी के दौरान कई तकनीकी चुनौतियां आईं, लेकिन ऑपरेशन सफल रहा। सर्जरी के तीन दिन बाद किशोर को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। डॉक्टरों के अनुसार, इलाज का उद्देश्य केवल वजन कम करना नहीं, बल्कि उसकी चलने-फिरने की क्षमता और जीवन की गुणवत्ता में सुधार करना भी है। वजन कम होने से स्लीप एपनिया में सुधार और हृदय व मेटाबॉलिज्म से जुड़ी समस्याओं का खतरा कम करने में मदद मिल सकती है।

रक्षाबंधन पर 25 हजार करोड़ के कारोबार का अनुमान

नई दिल्ली। रक्षाबंधन पर इस बार देशभर के बाजारों में राखियों की खरीदारी बढ़ने की उम्मीद है। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री एवं सांसद प्रवीन खंडेलवाल के अनुसार, इस वर्ष राखियों का कारोबार करीब 25 हजार करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। पिछले वर्ष यह करीब 17 हजार करोड़ रुपये था। उपहार, मिठाई, कपड़े और अन्य सामान को जोड़ने पर कुल कारोबार 30 हजार करोड़ रुपये से अधिक रहने का अनुमान है। इस बार पारंपरिक राखियों के साथ ह्यविकसित भारतह्ण, ह्यमोदी गारंटीह्ण, ह्यब्रह्मोसह्ण, ह्यआत्मनिर्भर भारतह्ण, ह्यवोकल फॉर लोकलह्ण, ह्यनारी वंदनह्ण और ह्यराष्ट्र रक्षा सूत्रह्ण जैसी थीम वाली राखियां भी बाजार में उपलब्ध हैं। इन्हें ग्राहक पसंद कर रहे हैं। वहीं, देश के विभिन्न हिस्सों की कला और संस्कृति से जुड़ी राखियां भी आकर्षण का केंद्र बनी हैं। नागपुर की खादी, जयपुर की सांगानेरी कला, पुणे की बीज, कोलकाता की जूट, असम की चाय पत्ती, बिहार की मधुबनी और बांस की हस्तकला से बनी राखियां ग्राहकों को पसंद आ रही हैं।

दिल्ली लक्ष्मी योजना में अपात्र मिले तो बंद होगी सहायता, राशि की होगी वसूली

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार की दिल्ली लक्ष्मी योजना के तहत किसी भी चरण में अपात्र पाए जाने वाले लाभार्थियों की आर्थिक सहायता तत्काल रोक दी जाएगी। सरकार पहले जारी की जा चुकी राशि की वसूली भी करेगी। वहीं, जांच में धोखाधड़ी सामने आने पर संबंधित लाभार्थी के खिलाफ कानूनी या प्रशासनिक कार्रवाई की जा सकती है। महिला एवं बाल विकास विभाग ने योजना के विस्तृत दिशा-निर्देशों में इससे संबंधित प्रावधान किए हैं। दिल्ली लक्ष्मी योजना 1 अगस्त से प्रभावी हो चुकी है। इसके तहत दिल्ली के कम आय वाले परिवारों की 21 से 60 वर्ष की पात्र महिलाओं को प्रत्येक महीने 2,500 रुपये की आर्थिक सहायता देने का प्रावधान है। योजना के लिए आवेदन पूरे वर्ष दिल्ली लक्ष्मी योजना के माध्यम से किए जा सकते हैं। प्रत्येक महीने की अंतिम तारीख उस महीने प्राप्त आवेदनों की निर्धारित अंतिम तिथि होगी। जांच के बाद पात्र पाए जाने वाले आवेदनों को मंजूरी मिलने पर अगले महीने से लाभ दिया जाएगा। अपात्र पाए जाने पर तुरंत बंद होगी सहायता योजना के दिशा-निर्देशों के अनुसार, यदि किसी भी चरण में कोई लाभार्थी अपात्र पाया जाता है तो उसकी आर्थिक सहायता तत्काल रोक दी जाएगी। इसके साथ ही पहले जारी की जा चुकी राशि की वसूली की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। यदि जांच में जानबूझकर गलत जानकारी देने या धोखाधड़ी करने की पुष्टि होती है तो संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कानूनी या प्रशासनिक कार्रवाई भी की जा सकती है। इस प्रावधान का उद्देश्य योजना का लाभ केवल निर्धारित पात्र महिलाओं तक पहुंचाना है। लाभार्थी की मृत्यु पर राशि का क्या होगा योजना के तहत लाभार्थी की मृत्यु होने की स्थिति में उसके सीबीडीसी बटुए में राशि का भुगतान तत्काल रोक दिया जाएगा। वहीं, आवर्ती जमा या सावधि जमा खाते में जमा राशि और उस पर अर्जित ब्याज कानूनी उत्तराधिकारी को हस्तांतरित किया जाएगा। यदि लाभार्थी की मृत्यु के 2 वर्ष के भीतर कानूनी उत्तराधिकारी राशि का दावा नहीं करता है तो संबंधित राशि सरकारी खाते में वापस चली जाएगी। 1,500 रुपये जमा और 1,000 रुपये बटुए में योजना के तहत सामान्य व्यवस्था में हर महीने मिलने वाली 2,500 रुपये की सहायता में से 1,500 रुपये आवर्ती जमा या सावधि जमा खाते में जमा किए जाएंगे। शेष 1,000 रुपये लाभार्थी के बैंक खाते से जुड़े सीबीडीसी बटुए में भेजे जाएंगे। आवर्ती जमा या सावधि जमा खाते में जमा राशि पर 31 जुलाई 2029 तक रोक अवधि लागू रहेगी। हालांकि, लाभार्थी की इच्छा होने पर पूरी 2,500 रुपये की राशि भी आवर्ती जमा या सावधि जमा खाते में जमा कराई जा सकती है। सीबीडीसी बटुए से कुछ खर्चों पर रोक योजना के तहत लाभार्थी के बैंक खाते से जुड़े सीबीडीसी बटुए के इस्तेमाल को लेकर भी कुछ प्रतिबंध तय किए गए हैं। इस बटुए से शराब, तंबाकू, मादक एवं मनःप्रभावी पदार्थ, लॉटरी टिकट, जुआ और सट्टेबाजी जैसी वस्तुओं एवं सेवाओं पर खर्च करने की अनुमति नहीं होगी। सरकार की ओर से निर्धारित व्यवस्था का उद्देश्य आर्थिक सहायता को पात्र महिलाओं के कल्याण और आवश्यक खर्चों के लिए उपयोग सुनिश्चित करना है। योजना के तहत पात्रता की जांच और दिशा-निर्देशों के अनुपालन पर विशेष जोर दिया गया है, ताकि सरकारी सहायता का लाभ केवल वास्तविक पात्र लाभार्थियों को ही मिल सके।

राजधानी में खुले पशुओं का बढ़ता आतंक, स्कूल-पार्क से बाजार तक दहशत

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में सड़कों पर खुले घूम रहे गाय, कुत्ते और बंदर लोगों के लिए लगातार परेशानी का कारण बनते जा रहे हैं। कहीं सड़क के बीच बैठी गाय यातायात बाधित कर रही हैं तो कहीं कुत्तों के झुंड लोगों पर हमला कर रहे हैं। लुटियन दिल्ली में संसद और राष्ट्रपति भवन के आसपास भी बंदरों की मौजूदगी लोगों के लिए चुनौती बनी हुई है। कई इलाकों में बच्चों, बुजुर्गों और राहगीरों में इन पशुओं को लेकर भय का माहौल है। शिकायतों के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं होने का आरोप स्थानीय लोग लगा रहे हैं। राजधानी के पूर्वी दिल्ली स्थित कड़कड़डूमा गांव में भी खुले पशुओं की बढ़ती संख्या से लोग परेशान हैं। ग्रामीणों के अनुसार, गांव में हर माह करीब 10 से 12 लोग आवारा पशुओं की चपेट में आ रहे हैं। इनमें सबसे अधिक परेशानी बंदरों और आवारा कुत्तों से है। लोगों का कहना है कि बंदर और कुत्ते कई बार स्कूलों और पार्कों में अचानक झुंड के साथ पहुंचकर लोगों पर हमला कर देते हैं। इससे बच्चों, छात्रों और बुजुर्गों में डर बना हुआ है। कूड़े के कारण सड़कों पर जुटते हैं पशु स्थानीय लोगों के मुताबिक गांव के बाहर से गुजरने वाले विकास मार्ग और उससे जुड़ी सड़कों पर दिल्ली नगर निगम ने कूड़ेदान रखे हैं। इन कूड़ेदानों के आसपास कूड़ा बिखरा रहने के कारण गाय और अन्य पशु बड़ी संख्या में पहुंच जाते हैं। कई बार सड़क पर पशुओं के बैठने और घूमने के कारण विकास मार्ग पर यातायात प्रभावित होता है और लंबा जाम लग जाता है। लोगों का कहना है कि वाहनों के लगातार आवागमन और हार्न से परेशान होकर कई बार पशु अचानक वाहन चालकों की ओर बढ़ जाते हैं। इससे दुर्घटना का खतरा बढ़ जाता है। विशेष रूप से दोपहिया वाहन चालकों के लिए स्थिति अधिक जोखिमपूर्ण बनी हुई है। शिकायतों के बावजूद कार्रवाई नहीं होने का आरोप स्थानीय निवासियों का आरोप है कि निगम पार्षद मोनिका पंत और दिल्ली नगर निगम के अधिकारियों को कई बार शिकायतें दी गईं, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ। लोगों के मुताबिक आवारा कुत्तों और बंदरों को पकड़ने के लिए नियमित दल गांव में नहीं पहुंचते। स्कूलों और सार्वजनिक स्थानों से बंदरों को हटाने के लिए भी पर्याप्त कदम नहीं उठाए गए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि समय पर कार्रवाई नहीं होने के कारण खुले पशुओं की संख्या बढ़ती जा रही है और समस्या अब केवल यातायात तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि लोगों की सुरक्षा से भी जुड़ गई है। पार्कों में कूड़े से बढ़ रही परेशानी कड़कड़डूमा गांव निवासी अजय ने बताया कि पार्कों में कूड़ा पड़ा रहने के कारण गाय, बंदर और कुत्ते वहां पहुंचते हैं। इससे पार्क में आने वाले लोगों को परेशानी होती है। उन्होंने कहा कि बच्चों को कई बार कुत्तों के काटने की घटनाएं सामने आई हैं और समस्या का जल्द समाधान किया जाना चाहिए। जुगल किशोर के अनुसार, बेसहारा गाय अक्सर सड़कों पर 15 से 20 के झुंड में बैठती हैं। ऐसे में उन्हें हटाना मुश्किल होता है। उन्होंने बताया कि कई बार गायों के कारण वाहन चालकों को परेशानी होती है और पशुओं के अचानक आक्रामक होने से लोग चोटिल तथा वाहन क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। स्थानीय निवासी अशोक कुमार ने कहा कि गांव में गाय, बंदर और कुत्तों की समस्या लगातार बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि निगम में कई बार शिकायत करने के बावजूद अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई।

बोरवेल सील करने का अधिकार डीएम-एसडीएम के पास : डीजेबी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। शाहदरा के कबूल नगर में बिना अनुमति चल रहे वाटर बॉटलिंग प्लांट और अवैध तरीके से भूजल निकालने वाले बोरवेल को सील करने का अधिकार जिलाधिकारी (डीएम) और एसडीएम के पास है। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) में दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) ने जवाब दाखिल कर कहा है कि अवैध बोरवेल को सील करने और उसका बिजली कनेक्शन काटने का अधिकार जल बोर्ड के पास नहीं है। याचिकाकर्ता अनिल कुमार ने एनजीटी में शिकायत दी थी कि कबूल नगर के गुरुद्वारा वाला रोड स्थित क्वार्टर नंबर 3/23 में बिना अनुमति बोरवेल लगाकर भूजल निकाला जा रहा है। आरोप है कि इसी पानी का इस्तेमाल वाटर बॉटलिंग प्लांट में किया जा रहा है। शिकायत में कई बार सूचना देने के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं होने का आरोप लगाया गया था। एनजीटी के निर्देश पर डीजेबी ने जांच की। मुख्य अभियंता दलबीर सिंह की ओर से दाखिल जवाब में बताया गया कि 23 जनवरी को एसडीएम शाहदरा को कार्रवाई के लिए पत्र भेजा गया था। छह जुलाई को दोबारा निरीक्षण किया गया, जिसमें अवैध तरीके से भूजल दोहन की पुष्टि हुई। निरीक्षण की तस्वीरों के साथ उत्तर-पूर्वी जिले के डीएम को कार्रवाई के लिए पत्र भेजा गया। कार्रवाई की जानकारी नहीं मिलने पर 10 अगस्त को डीएम को रिमाइंडर भी भेजा गया। बोरवेल की जांच करना जल बोर्ड का काम डीजेबी ने एनजीटी को बताया कि उसके अधिकार क्षेत्र में अवैध बोरवेल की जांच, मौके का निरीक्षण और रिपोर्ट तैयार करना शामिल है। वहीं, दिल्ली सरकार के पर्यावरण विभाग के 18 मई 2010 के आदेश के अनुसार अवैध बोरवेल को सील करने और उससे जुड़ी बिजली आपूर्ति काटने की कार्रवाई संबंधित क्षेत्र के डीएम और एसडीएम कर सकते हैं। डीजेबी ने कहा कि एनजीटी के किसी भी आदेश या निर्देश का पूरी तरह पालन किया जाएगा।

पुणे में महाराष्ट्र के पहले मॉडल सब-रजिस्ट्रार कार्यालय का शुभारंभ संपत्ति पंजीकरण व्यवस्था होगी अधिक सुगम और आधुनिक

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

भरोसेमंद टेक्नोलॉजी सर्विस में दुनिया की अग्रणी कंपनी श्र्न ॠंड्ढ' ने, जो सरकारों और नागरिकों के लिए सुरक्षित ग्लोबल मोबिलिटी को बढ़ावा देती है, हए एठ्ठी' रङ्घ३६१ी ढ५३. छ३ि. के साथ मिलकर पुणे में महाराष्ट्र का पहला मॉडल सब-रजिस्ट्रार ऑफिस (रफ्ड) शुरू किया है। इसका मकसद प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया को आसान बनाना और उसे डिजिटल रूप से बदलकर एक तेज, पारदर्शी और नागरिक-केंद्रित सिस्टम बनाना है। पुणे में नए मॉडल रफ्ड का उद्घाटन 13 अगस्त 2026 को माननीय श्री चंद्रशेखर बावनकुले, मंत्री, राजस्व विभाग, महाराष्ट्र सरकार द्वारा किया गया। इस अवसर पर श्री रवींद्र बिनवडे, महानिरीक्षक पंजीयन (क्ष्क्ष्फ), महाराष्ट्र सरकार; श्री जितेन व्यास, मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी एवं बिजनेस डेवलपमेंट प्रमुख, श्र्न ॠंड्ढ', तथा महाराष्ट्र सरकार के अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इस अवसर पर , महाराष्ट्र सरकार में राजस्व मंत्री माननीय श्री चंद्रशेखर बावनकुले ने कहाः पुणे में महाराष्ट्र के पहले मॉडल सब-रजिस्ट्रार कार्यालय (टङ्गी' र४-र्फ़्रे२३११ ड्यू्री) का शुभारंभ संपत्ति पंजीकरण के आधुनिकीकरण और सार्वजनिक सेवाओं को अधिक नागरिक-केंद्रित बनाने के हमारे प्रयासों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इस पहल के माध्यम से हम सुदृढ़ सरकारी निगरानी के साथ आधुनिक बुनियादी ढाँचे, डिजिटल प्रणालियों और कुशल सेवा-प्रदान व्यवस्था का समन्वय कर रहे हैं, ताकि नागरिकों के लिए अधिक तेज, पारदर्शी और सुविधाजनक अनुभव सुनिश्चित किया जा सके। मॉडल एसआरओ कार्यक्रम का उद्देश्य लंबे समय से चली आ रही भीड़भाड़ और लंबे समय तक प्रतीक्षा जैसी चुनौतियों का समाधान करना है, साथ ही शासन एवं नियामकीय अनुपालन के उच्चतम मानकों को बनाए रखना है। हमें खुशी है कि पहला केंद्र अब कार्यरत हो गया है और हम चरणबद्ध तरीके से इस मॉडल का पूरे राज्य में विस्तार करने के लिए तत्पर हैं।

अब 31 अगस्त तक पेपर पिंक टिकट से ही मुफ्त सफर

नई दिल्ली। दिल्ली की बसों में महिलाओं को मुफ्त यात्रा की सुविधा देने वाली पिंक टिकट व्यवस्था फिलहाल जारी रहेगी। दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) ने पिंक सहेली स्मार्ट कार्ड को अनिवार्य करने की तारीख एक बार फिर बढ़ा दी है। अब महिला यात्री 31 अगस्त तक पहले की तरह पेपर आधारित पिंक टिकट लेकर डीटीसी और क्लस्टर बसों में मुफ्त यात्रा कर सकेंगी। पिंक सहेली स्मार्ट कार्ड से मुफ्त यात्रा की व्यवस्था एक सितंबर से अनिवार्य होगी। डीटीसी ने 14 अगस्त को जारी नए आदेश में स्पष्ट किया है कि 31 अगस्त तक पात्र महिला यात्रियों को मौजूदा व्यवस्था के तहत पेपर पिंक टिकट जारी किए जाते रहेंगे। स्मार्ट कार्ड को अनिवार्य करने की तारीख पहले एक अगस्त तय की गई थी। इसके बाद इसे 16 अगस्त किया गया और अब एक सितंबर कर दिया गया है। डीटीसी ने इससे पहले 10 जुलाई के सर्कुलर में एक अगस्त से स्मार्ट कार्ड अनिवार्य करने की घोषणा की थी। 31 जुलाई के आदेश से पेपर टिकट व्यवस्था 15 अगस्त तक बढ़ाई गई थी। अब नई समयसीमा के साथ महिलाओं को स्मार्ट कार्ड बनवाने के लिए दो सप्ताह से अधिक का अतिरिक्त समय मिल गया है। 01 सितंबर से कार्ड नहीं होने पर देना होगा किराया एक सितंबर से मुफ्त यात्रा के लिए महिला यात्रियों को वैध पिंक सहेली स्मार्ट कार्ड बस में टैप करना होगा। जिनके पास वैध कार्ड नहीं होगा, उन्हें मुफ्त यात्रा की सुविधा नहीं मिलेगी और निर्धारित किराया देकर सामान्य टिकट लेना पड़ेगा। डीटीसी ने सभी डिपो प्रबंधकों, क्षेत्रीय प्रबंधकों, कंडक्टरों और प्रवर्तन कर्मचारियों को नई समयसीमा की जानकारी देने के निर्देश दिए हैं। साथ ही पात्र महिलाओं को 31 अगस्त से पहले स्मार्ट कार्ड बनवाने की सलाह देने को कहा गया है।

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातः किरण

राजधानी किरण

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, बुधवार, 19 अगस्त, 2026

संक्षिप्त खबरें

शांतिपूर्ण प्रदर्शनों पर रोक के खिलाफ केवाईएस की आवाज

नई दिल्ली। क्रांतिकारी युवा संगठन (केवाईएस) ने दिल्ली में शांतिपूर्ण प्रदर्शनों को अनुमति नहीं दिए जाने और प्रदर्शनकारियों के साथ पुलिस कार्रवाई का विरोध करते हुए दिल्ली पुलिस आयुक्त अनुराग अनुराग को पत्र लिखा है। संगठन ने नागरिकों के शांतिपूर्वक एकत्र होने और अपनी बात रखने के मौलिक अधिकार की रक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। केवाईएस के अनुसार, शास्त्री भवन क्षेत्र में धारा 163 लागू होने का हवाला देकर प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी गई। संगठन का आरोप है कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन के लिए पहुंचे छात्रों और युवाओं को हिरासत में लिया गया तथा उनके साथ दुर्व्यवहार किया गया। संगठन ने दावा किया कि कुछ पुलिसकर्मियों ने प्रदर्शनकारियों के मोबाइल फोन भी छीन लिए। संगठन ने महिलाओं समेत प्रदर्शनकारियों को देर रात रिहा किए जाने पर भी आपत्ति जताई। केवाईएस ने उच्चतम न्यायालय और विभिन्न उच्च न्यायालयों के आदेशों तथा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के प्रावधानों का हवाला देते हुए इसे गंभीर विषय बताया। केवाईएस ने पुलिस आयुक्त से मांग की कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन के अधिकार का सम्मान सुनिश्चित किया जाए और पुलिस प्रशासन प्रदर्शनकारियों पर अनावश्यक प्रतिबंध लगाने के बजाय कानून-व्यवस्था बनाए रखते हुए उनके मौलिक अधिकारों की रक्षा करे।

आयुर्वेद से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का आह्वान

नई दिल्ली। अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) में सोमवार को चरक जयंती के अवसर पर एक कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री डॉ. मुरली मनोहर जोशी, आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा, पद्म भूषण वैद्य देवेंद्र त्रिगुणा और एआईआईए के निदेशक प्रो. वैद्य पीके प्रजापति समेत संस्थान के अधिकारी और शिक्षक मौजूद रहे। विभागाध्यक्ष प्रो. महेश व्यास ने डॉ. जोशी का स्वागत किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. जोशी ने कहा कि आयुर्वेद केवल रोगों के इलाज तक सीमित नहीं है, बल्कि रोगों से बचाव, स्वास्थ्य संवर्धन और बेहतर जीवनशैली का भी विज्ञान है। उन्होंने स्वस्थ और संतुलित जीवन के लिए आयुर्वेद को अपनाने पर जोर दिया।

जेएमआई के 34 छात्रों को टीसीएस में मिला प्लेसमेंट

नई दिल्ली। जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) के 34 विद्यार्थियों का टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) में प्लेसमेंट हुआ है। जुलाई में आयोजित कैंपस प्लेसमेंट प्रक्रिया में बीटेक, एमटेक, एमसीए और एमएससी कार्यक्रमों के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। चयनित विद्यार्थियों को 3.46 लाख से 11.59 लाख रुपये तक के वार्षिक पैकेज पर नौकरी का अवसर मिला है। टीसीएस ने 25 जुलाई को जामिया के फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी की कंप्यूटर प्रयोगशालाओं में एप्टीट्यूड टेस्ट आयोजित किया। दो शिफ्ट में हुए ऑन-कैंपस असेसमेंट में 300 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। इनमें से 117 विद्यार्थियों को साक्षात्कार के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया। इंटरव्यू तीन और चार अगस्त को टीसीएस के कार्यालय में हुए। तीन प्रोफाइल में हुआ चयन चयन प्रक्रिया पूरी होने के बाद टीसीएस ने 34 विद्यार्थियों का चयन किया। इनमें टीसीएस प्राइम प्रोफाइल में एक विद्यार्थी का चयन हुआ, जिसे 9.09 लाख से 11.59 लाख रुपये तक का वार्षिक पैकेज मिलेगा। टीसीएस डिजिटल प्रोफाइल में 26 विद्यार्थियों का चयन हुआ, जिनका पैकेज 7.09 लाख से 7.39 लाख रुपये वार्षिक है।

जेपी नड्डा की एम्स में एंजियोप्लास्टी, हालत स्थिर

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा की 17 अगस्त को नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में एंजियोप्लास्टी की गई। अस्पताल की ओर से जारी स्वास्थ्य संबंधी जानकारी के अनुसार उनकी हालत स्थिर है और उन्हें हृदय रोग विभाग में चिकित्सकों की निगरानी में रखा गया है। एम्स के अनुसार, नड्डा को 13 अगस्त की शाम बेचैनी की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इसके बाद उनकी चिकित्सकीय जांच की गई, जिसमें हृदय की धमनियों की जांच के लिए कोरोनरी एंजियोग्राफी सहित कई परीक्षण किए गए थे। जांच के बाद उन्हें हृदय रोग विभाग में निगरानी के लिए भर्ती रखा गया। 17 अगस्त को उनकी एंजियोप्लास्टी की गई, जिसके बाद भी उनकी स्थिति स्थिर बताई गई है। चिकित्सकों की टीम लगातार उनके स्वास्थ्य पर नजर रख रही है।

भाजपा राज में न्याय मांगना भी गुनाह, अपहृत विधायक कुलदीप कुमार को लेकर पुलिस मौन: संजीव झा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के कोंडली से विधायक कुलदीप कुमार को अपहरण करके ले गई दिल्ली पुलिस कुछ बताने के लिए तैयार नहीं है। ईस्ट डिस्ट्रिक्ट के डीसीपी ऑफिस पहुंचे प्रदेश उपाध्यक्ष व विधायक संजीव झा पुलिस से कुलदीप कुमार के बारे में जानकारी लेने की कोशिश की, लेकिन कोई कुछ बताने को तैयार नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा राज में न्याय मांगना भी गुनाह हो गया है। मंगलवार तड़के करीब 4 बजे सादे कपड़ों में आई पुलिस ने कुलदीप कुमार का अपहरण कर लिया, लेकिन अब मौन है। कुलदीप कुमार का गुनाह सिर्फ इतना है कि वह कल्याणपुरी में सरेआम चाकू मारकर की गई सफाई कर्मचारी की हत्या मामले में न्याय की मांग कर रहे हैं। पुलिस ने कुलदीप कुमार के घर लगे सीसीटीवी कैमरे का डीवीआर भी तोड़ दिया है। ये तो खुलेआम गुंडागर्दी है। पुलिस कुलदीप कुमार को लेकर स्थिति स्पष्ट करे, वरना दिल्ली की जनता का आक्रोश सड़कों पर दिखेगा। विधायक संजीव झा ने कहा कि मंगलवार सुबह करीब 3-4 बजे कोंडली विधायक कुलदीप कुमार को उठा लिया गया। एक सफाई कर्मचारी की खुलेआम हत्या कर दी गई थी और उसकी हत्या का वीडियो भी है, कुलदीप कुमार उसी के लिए न्याय की मांग कर रहे थे। सुबह 3 बजे सादे कपड़ों में पुलिस आई और न केवल उन्हें उठा लिया, बल्कि उनके कैमरे भी तोड़ दिए और डीवीआर भी अपने साथ ले गई। क्या पुलिस लोगों की सुरक्षा करने के लिए है या डकैती और गुंडागर्दी करने के लिए है? संजीव झा ने कहा कि मैं चौथी बार का विधायक हूं और लगातार सीपी को फोन कर रहा हूं, जॉइंट सीपी से बात कर रहा हूं, लेकिन डीसीपी मेरा फोन नहीं उठा रहे हैं। सुबह एसीपी से बात हुई तो उन्होंने कहा कि उन्हें कुछ पता नहीं है। जॉइंट सीपी अजीत कुमार सिंगला से मेरी बात हुई तो उन्होंने कहा कि कुछ नहीं होगा, घबराने की जरूरत नहीं है। पूरी दिल्ली घबरा रही है क्योंकि रोज हत्याएं हो रही हैं और अगर कोई न्याय की मांग कर रहा है तो उसे उठा लिया जाएगा। प्रधानमंत्री कहते हैं कि ये अर्बन नक्सल माइंडसेट के लोग हैं, मतलब न्याय की मांग करना और सवाल पूछ लेना अर्बन नक्सल माइंडसेट हो जाता है। ऐसे में लोगों को न्याय कैसे मिलेगा? संजीव झा ने पूछा कि कुलदीप कुमार की गलती क्या थी? वे तो सिर्फ एक सफाई कर्मचारी के लिए न्याय की मांग कर रहे थे। वहां दिल्ली पुलिस का एक व्यक्ति नहीं पहुंचा और दिल्ली सरकार का एक मंत्री या विधायक तक नहीं पहुंचा। मैं गृह मंत्री अमित शाह से पूछना चाहता हूं कि क्या यही उनका लॉ एंड ऑर्डर और पुलिस का बंदोबस्त है?

आप विधायक कुलदीप कुमार को अगवा किए जाने का दावा, सौरभ भारद्वाज ने पुलिस पर लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली में आम आदमी पार्टी के विधायक कुलदीप कुमार को कथित तौर पर घर से ले जाने को लेकर मंगलवार को राजनीतिक विवाद तेज हो गया। आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने दावा किया कि तड़के करीब 4 बजे सादे कपड़ों में पहुंचे पुलिसकर्मी कुलदीप कुमार को उनके घर से अपने साथ ले गए। पार्टी ने इसे विधायक के कथित अपहरण का मामला बताते हुए दिल्ली पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। हालांकि, उपलब्ध जानकारी में पुलिस की ओर से इस दावे की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। सौरभ भारद्वाज ने सामाजिक माध्यम पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि करीब 20 पुलिसकर्मी सादे कपड़ों में सुबह कुलदीप कुमार के घर पहुंचे और उन्हें अपने साथ ले गए। उन्होंने दावा किया कि कुलदीप कुमार कल्याणपुरी में नगर निगम के सफाई कर्मचारी अनिल की हत्या के विरोध में कई दिनों से आवाज उठा रहे थे तथा पीड़ित परिवार के लिए मुआवजे और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से मुलाकात की मांग कर रहे थे। कुलदीप कुमार पूर्वी दिल्ली की कोंडली विधानसभा सीट से विधायक हैं। अनिल की हत्या के बाद सफाई कर्मचारियों और पीड़ित परिवार में रोष है। आम आदमी पार्टी के नेता इस मामले में पीड़ित परिवार के लिए न्याय और 1 करोड़ रुपये के मुआवजे की मांग कर रहे हैं। संजीव झा डीसीपी कार्यालय पहुंचे सौरभ भारद्वाज ने एक अन्य पोस्ट में कहा कि आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश उपाध्यक्ष और विधायक संजीव झा, कुलदीप कुमार का पता लगाने के लिए पूर्वी दिल्ली के पुलिस उपायुक्त के कार्यालय जा रहे हैं। पार्टी की ओर से विधायक के वर्तमान ठिकाने को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। कुलदीप कुमार की टीम ने सामाजिक माध्यम पर जारी संदेश में समर्थकों से अनिल के लिए न्याय मिलने तक विरोध जारी रखने की अपील की। साथ ही लोगों से लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल पहुंचने का आह्वान किया गया। पुलिस पर अंतिम संस्कार के लिए दबाव बनाने का आरोप सौरभ भारद्वाज ने पुलिस पर मृत सफाई कर्मचारी अनिल के अंतिम संस्कार को लेकर भी गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि दो दिनों से बड़ी संख्या में सफाई कर्मचारी धरने पर बैठे थे और परिवार के लिए 1 करोड़ रुपये के मुआवजे की मांग कर रहे थे। उनका आरोप है कि पुलिस मृतक का शव अस्पताल से घर ले आई और परिवार पर जल्द अंतिम संस्कार करने के लिए दबाव बनाया जा रहा है। इन आरोपों को लेकर भी आम आदमी पार्टी ने सरकार और पुलिस की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। घर से सीसीटीवी का डीवीआर ले जाने का दावा कुलदीप कुमार की टीम की ओर से किए गए एक अन्य दावे में कहा गया कि तड़के करीब 4 बजे 30 से 40 लोग उनके घर पहुंचे और विधायक को अपने साथ ले गए। टीम ने यह भी आरोप लगाया कि घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों का डीवीआर भी निकाल लिया गया। हालांकि, टीम की ओर से यह भी कहा गया कि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि विधायक को ले जाने वाले लोग दिल्ली पुलिस के कर्मचारी थे या कोई अन्य व्यक्ति। उनके वर्तमान ठिकाने की जानकारी नहीं होने का भी दावा किया गया है। सफाई कर्मचारी अनिल की हत्या के बाद बढ़ा विवाद गौरतलब है कि 16 अगस्त को कल्याणपुरी इलाके में ड्यूटी के दौरान नगर निगम के 27 वर्षीय सफाई कर्मचारी अनिल कुमार की चाकू से हमला कर हत्या कर दी गई थी।

नितिन नबीन की नई टीम, आगाज तो अच्छा है अंजाम खुदा जाने, केंद्र सरकार एक नया जेन-जी मंत्रालय अलग से बनाए: शिक्षाविद् डॉ. दयानंद वत्स भारतीय

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया आठवले के पश्चिमी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र से 2019 में सांसद प्रत्याशी रहे राजनीतिक विश्लेषक शिक्षाविद् डॉ. दयानंद वत्स भारतीय ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन की नई राष्ट्रीय टीम का डॉ. दयानंद वत्स भारतीय ने स्वागत किया हे। डॉ.वत्स ने कहा कि इस टीम में महिला और युवा नेताओं को प्रार्थमिकता दिया जाना आगामी चुनावों में गेम चेंजर साबित हो सकता है। डॉ. दयानंद वत्स भारतीय ने कहा कि विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक राजनीतिक पार्टी भाजपा के सामने दोहरी चुनौती है। एक तरफ सारा विपक्ष और दूसरी और उसके अपने राजनीतिक कार्यकताओं में पार्टी नेतृत्व के प्रति बढ़ता आक्रोश है। बांकीपुर और दतिया उप चुनाव में भाजपा नेताओं की हार पार्टी नेतृत्व के लिए खुली चुनौती है। उत्तर प्रदेश के आगामी चुनावों में भी पार्टी को संभल कर कदम उठाने होंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ के सशक्त नेतृत्व के बावजूद पार्टी का ही एक धड़ा उनके नीचे रहकर काम नहीं करना चाहता। मध्यप्रदेश में तो भाजपा के सामने भारी चुनौतियां हैं। जातीय समीकरणों में भी विपक्ष सेंध लगाने की जुगत में है। खासतौर से सवर्ण समाज में ब्राह्मणों की भाजपा से छिटकने की संभावनाएं हैं। डॉ. वत्स ने नितिन नबीन की नई टीम का जहां स्वागत किया हे वहीं उन्हें आगाह किया है कि पुराने नेताओं को भी समायोजित किया जाए। एक भी पुराने नेता को किनारे ना लगाया जाए। उनका पार्टी में सम्मान बरकरार रखा जाए। न के चक्कर में पुराने को छोड़ना पार्टी हित में नहीं होगा। डॉ. वत्स ने नितिन नबीन को पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी की वह बात याद दिलाई जिसमें उन्होंने कहा था कि ह्ल सौ नए लोगों को शामिल करने के लिए पार्टी का एक पुराना कार्यकर्ता ना निकाला जाए। इन्हीं कार्यकताओं के बल पर भाजपा दो सांसदों से आज 22 राज्यों में सत्तारुढ है। भाजपा के पुराने कार्यकताओं के साथ इन दिनों ऐसा ही व्यवहार किया जा रहा है। जो भाजपा के लिए खतरे की घंटी है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नबीन के सामने दौहरी चुनौती हैं। दतिया और बांकीपुर की पुनरावृत्ति फिर से ना हो। नई टीम के साथ पुरानी टीम को भी सक्रिय किया जाए। वत्स ने कहा कि समय की मांग है कि केंद्र सरकार में एक नया मंत्रालय, जेन-जी मंत्रालय बनाया जाए।

जल उपभोक्ताओं को विलंब शुल्क में पूरी छूट

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने घरेलू और गैर-घरेलू जल उपभोक्ताओं को राहत देते हुए बकाया पानी के बिलों पर 100 प्रतिशत विलंब शुल्क माफी की योजना की समय-सीमा 31 मार्च 2027 तक बढ़ा दी है। भाजपा शाहदरा जिला अध्यक्ष दीपक गाबा ने इसे उपभोक्ताओं के लिए बड़ी राहत बताते हुए योजना का लाभ उठाने की अपील की है। दीपक गाबा ने कहा कि योजना के माध्यम से दिल्ली जल बोर्ड को वास्तविक बकाया राशि की वसूली में मदद मिल रही है और उपभोक्ताओं को भी आर्थिक राहत मिल रही है। उनके अनुसार अब तक 5.27 लाख उपभोक्ता इस छूट योजना का लाभ उठा चुके हैं और 3,261 करोड़ रुपये का विलंब शुल्क माफ किया जा चुका है।

बच्चों ने चित्रों में उकेरा मेरा भारत-एकता में विविधता का संदेश

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर दिल्ली पुलिस की स्पेशल पुलिस यूनिट फॉर नॉर्थ ईस्टर्न रीजन की ओर से नानकपुरा स्थित कार्यालय में बच्चों के लिए ड्राइंग एवं पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का विषय ह्यमेरा भारत-एकता में विविधताह्व रखा गया। बच्चों ने रंगों और कल्पना के जरिए देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और विविधता में एकता का संदेश दिया। स्पेशल पुलिस यूनिट फॉर नॉर्थ ईस्टर्न रीजन कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में मंगलवार को आयोजित प्रतियोगिता में विभिन्न स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। प्रतियोगिता को तीन श्रेणियों में बांटा गया था। पहली श्रेणी में कक्षा एक से पांच, दूसरी में कक्षा छह से 10 और तीसरी श्रेणी में कक्षा 11 और 12 के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता के दौरान बच्चों ने अपनी रचनात्मकता और कल्पनाशीलता का प्रदर्शन करते हुए देश की एकता, विविधता और राष्ट्रीय गौरव से जुड़े चित्र बनाए। बच्चों की पेंटिंग में देशभक्ति के साथ ही अलग-अलग संस्कृतियों और समुदायों के बीच आपसी सौहार्द का संदेश भी देखने को मिला। प्रतियोगिता के समापन पर प्रत्येक श्रेणी में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान हासिल करने वाले प्रतिभागियों को ट्रॉफी, प्रमाणपत्र और उपहार देकर सम्मानित किया गया। वहीं, प्रतियोगिता में शामिल सभी बच्चों को उनकी भागीदारी के लिए प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। पुलिस अधिकारी के अनुसार, इस आयोजन का उद्देश्य बच्चों को स्वतंत्रता दिवस से जोड़ने के साथ उनमें देशभक्ति, समावेशिता और एकता में विविधता की भावना को बढ़ावा देना था।

पिंक से पावर तक: रजनीगंधा प्रेजेंट्स जागरण फिल्म फेस्टिवल (जेएफएफ) 2026 में तापसी पन्नू करेंगी सिनेमा के माध्यम से रूढ़ियों को तोड़ने पर चर्चा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

Premium Rajnigandha presents
JAGRAN FILM FESTIVAL

दिल्ली। रजनीगंधा प्रेजेंट्स जागरण फिल्म फेस्टिवल का 14वां संस्करण 20 से 23 अगस्त 2026 तक नई दिल्ली के डॉ. अम्बेडकर इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित किया जाएगा। दुनिया के सबसे बड़े ट्रैवलिंग फिल्म फेस्टिवल के रूप में पहचान रखने वाला यह महोत्सव इस बार भी सिनेमा की उस सामर्थ्य एवं प्रभाव को रेखांकित करेगा, जो लोगों की सोच को नई दिशा देने, संवाद शुरू करने और बदलती दुनिया को पर्दे पर प्रतिबिंबित करने का काम करती है। महोत्सव में भारतीय सिनेमा से जुड़े कई चर्चित और प्रभावशाली कलाकार एवं फिल्मकार शामिल होंगे। इस साल महोत्सव में फ्रॉम पिंक टू पावर: ब्रेकिंग स्टीरियोटाइप्स थ्रू सिनेमा (पिंक से पावर तक: सिनेमा के जरिये रूढ़ियों को तोड़ना) विषय पर चर्चित अभिनेत्री तापसी पन्नू के साथ खास बातचीत होगी। तापसी ने अपने करियर में ऐसे किरदार और कहानियां चुनी हैं, जो पारंपरिक सोच को चुनौती देती हैं। पिंक और थप्पड़ जैसी फिल्मों में अधिकारों व स्वाभिमान के लिए आवाज उठाने वाली महिलाओं का किरदार निभाने से लेकर जटिल, अलग और सामाजिक रूढ़ियों को चुनौती देने वाली भूमिकाओं तक, उन्होंने हिंदी सिनेमा में अपनी अलग पहचान बनाई है। इस सत्र में चर्चा होगी कि सिनेमा किस तरह समाज में गहराई से जड़ जमाए रूढ़िवादी सोच पर सवाल उठा सकता है, पर्दे पर महिलाओं के चित्रण को नए तरीके से पेश कर सकता है और दर्शकों को महिलाओं को लेकर बनी पारंपरिक धारणाओं से आगे देखने के लिए प्रेरित कर सकता है। तापसी अपने अब तक के सफर, करियर में किए गए चुनावों, तय ढर्रे से अलग भूमिकाएं चुनने के जोखिम और सिनेमा के जरिए सवाल उठाने और लोगों को सोचने के लिए प्रेरित करने की जिम्मेदारी पर भी अपने विचार साझा करेंगी। रजनीगंधा प्रेजेंट्स जागरण फिल्म फेस्टिवल का हिस्सा बनने पर तापसी पन्नू ने कहा, मेरे लिए रूढ़ियों को तोड़ने की शुरूआत हमेशा जोखिम उठाने और ऐसी महिला का किरदार निभाने से हुई है, जो लोगों की बनाई हुई उम्मीदों के मुताबिक नहीं होती। पिंक और थप्पड़ जैसी फिल्में इसलिए बड़े संवाद का हिस्सा बनीं, क्योंकि इनमें किरदारों को किसी तय ढांचे में ढालने की कोशिश नहीं की गई। मेरा हमेशा मानना रहा है कि सिनेमा तब अधिक जीवंत व अर्थपूर्ण बनता है, जब हम महिलाओं को उनकी कमियों और जटिलताओं के साथ-साथ उनकी महत्वाकांक्षाओं और अपनी पहचान के साथ सामने आने की आजादी देते हैं।

दिल्ली की सड़कों के विदेशी नाम बदलने की मुहिम

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राष्ट्रवादी पार्टी ने दिल्ली की कुछ सड़कों के विदेशी नाम हटाकर भारतीय गौरवशाली व्यक्तित्वों के नाम पर रखने की मांग उठाई है। पार्टी अध्यक्ष प्रताप चंद्रा ने इस संबंध में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और एनडीएमसी अध्यक्ष मनोज कुमार द्विवेदी को पत्र भेजकर नाम परिवर्तन की मांग की है। प्रताप चंद्रा ने कहा कि सड़कों और सार्वजनिक स्थलों के नाम ऐसे लोगों के नाम पर होने चाहिए, जिन्होंने समाज और देश के लिए निःस्वार्थ योगदान दिया हो, ताकि आने वाली पीढ़ियां उनके योगदान को याद कर उनसे प्रेरणा ले सकें। पार्टी का दावा है कि दिल्ली की 32 सड़कों के नाम अभी भी ऐसे विदेशियों के नाम पर हैं, जिन्होंने भारत पर शासन और शोषण किया था। पार्टी ने इन 32 सड़कों की सूची के साथ उनके स्थान पर नाम दिए जाने वाले 32 भारतीय गौरवशाली व्यक्तित्वों की सूची भी पत्र के साथ भेजी है। प्रताप चंद्रा ने कहा कि स्वतंत्रता के 80 वर्ष बाद दिल्ली की सड़कों के नाम भारतीय इतिहास और गौरव से जुड़े महान व्यक्तित्वों के नाम पर किए जाने चाहिए।

डीयू में सभी रेगुलर कोर्स में दाखिला की अंतिम तिथि 31 अगस्त

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के कई कॉलेजों में विभिन्न पाठ्यक्रमों की सीटें अभी खाली हैं, लेकिन विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 में रेगुलर कोर्स में दाखिले की अंतिम तिथि 31 अगस्त तय कर दी है। विश्वविद्यालय की ओर से 18 अगस्त को जारी अधिसूचना में विद्यार्थियों को इस तारीख तक दाखिला प्रक्रिया पूरी करने को कहा गया है। अधिसूचना में स्नातकोत्तर, पांच वर्षीय इंटीग्रेटेड लॉ, बीटेक, एमटेक (माइक्रोवेव्स एंड कम्युनिकेशन), जीएटी-बी 2026, स्नातक, इंटीग्रेटेड टीचर एजुकेशन और एक वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम शामिल हैं। यानी इन कार्यक्रमों में उपलब्ध सीटों पर 31 अगस्त के बाद दाखिले की गुंजाइश नहीं रहेगी, जब तक विश्वविद्यालय की ओर से कोई अलग निर्णय या विस्तार जारी नहीं किया जाता। दूसरी ओर, विश्वविद्यालय के कुछ प्रवेश कार्यक्रमों में खाली सीटों को भरने के लिए आगे भी चरण निर्धारित किए गए हैं। उदाहरण के तौर पर नॉन-कॉलेजिएट वुमन एजुकेशन बोर्ड के 2026-27 प्रवेश कार्यक्रम में 31 अगस्त को पांचवीं कटऑफ जारी करने का प्रावधान है। इसके बाद सितंबर में विशेष अभियान भी प्रस्तावित है। ऐसे में जिन कॉलेजों और पाठ्यक्रमों में सीटें खाली हैं, वहां के विद्यार्थियों के बीच यह सवाल उठ रहा है कि खाली सीटों को भरने के लिए आगे कोई अतिरिक्त मौका दिया जाएगा या 31 अगस्त को ही दाखिला प्रक्रिया पूरी तरह बंद कर दी जाएगी। दिल्ली विश्वविद्यालय के दो कॉलेजों में 12वीं के अंकों के आधार पर दाखिला लेने की छूट भी छात्रों को वहां दाखिला लेने के लिए नहीं आकर्षित कर पा रही है।

विकसित भारत शिक्षक पुरस्कार के लिए नामांकन की समय-सीमा बढ़ी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। सेंटर फॉर नमो स्टडीज ने विकसित भारत शिक्षक पुरस्कार 2026 के लिए नामांकन जमा करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 23 अगस्त की रात तक कर दी है। समय-सीमा बढ़ाए जाने से देशभर के शिक्षकों को शिक्षण और राष्ट्र-निर्माण के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए इस राष्ट्रीय पहल में भाग लेने का अतिरिक्त अवसर मिलेगा। पुरस्कार समारोह 3 सितंबर को राष्ट्रीय शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान किया जाएगा। संस्था के प्रबंध न्यासी प्रो. जसीम मोहम्मद ने कहा कि समय-सीमा बढ़ाने का उद्देश्य देशभर से अधिक योग्य शिक्षकों को इस पहल से जोड़ना है। प्राप्त नामांकनों का पहले तकनीकी स्तर पर मूल्यांकन किया जाएगा। इसके बाद शिक्षाविदों और शिक्षा विशेषज्ञों को शामिल करते हुए गठित राष्ट्रीय निर्णायक मंडल द्वारा उनका आकलन किया जाएगा। सेंटर फॉर नमो स्टडीज ने योग्य शिक्षकों, शैक्षणिक संस्थानों और संगठनों से अपील की है कि वे निर्धारित बढ़ी हुई समय-सीमा के भीतर नामांकन जमा करें और शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करने के साथ विकसित भारत @2047 के लक्ष्य में योगदान दें।

एनसीपीए (NCPA) और नेशनल थिएटर यूके (UK) चार शहरों में कनेक्शंस इंडिया ला रहे हैं, जिससे युवा थिएटर मेकर्स के लिए एक नेशनल प्लेटफॉर्म तैयार हो रहा है

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

कनेक्शंस इंडिया का चौथा एडिशन मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु और पुणे तक फैला हुआ है, जिसका समापन जनवरी 2027 में एक नेशनल फेस्टिवल के साथ होगा। स्कूल, कॉलेज और एनजीओ (एनजीओ) (ठक्रड) के स्टूडेंट भारत तथा यूके (वङ) के जाने-माने नाटककारों के 10 कंटेंपररी नाटकों का मंचन करेंगे।जाने-माने थिएटर प्रैक्टिशनर्स के गाइडेंस में पार्टिसिपेंट्स कॉन्फिडेंस, क्रिएटिविटी और कोलेबोरेशन डेवलप करते हुए पूरे प्लेमेकिंग प्रोसेस का अनुभव करेंगे। दिल्ली। नेशनल सेंटर फॉर द परफॉर्मिंग आर्ट्स (एनसीपीए) (ठउढअ) ने नेशनल थिएटर वङ के साथ पार्टनरशिप में आज कनेक्शंस इंडिया के चौथे एडिशन की घोषणा की। यह एक यूनिक यूथ थिएटर और प्लेमेकिंग इनिशिएटिव है जो पूरे भारत में युवाओं को प्रोफेशनल-लेवल का थिएटर एक्सपीरियंस देता है। पहली बार मुंबई से आगे बढ़ते हुए 2026-27 एडिशन में मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु और पुणे के स्कूलों, कॉलेजों तथा एनजीओ (ठक्रड२) के स्टूडेंट्स एक साथ आएंगे। यह थिएटर बनाने वालों की अगली पीढ़ी को तैयार करने के अपने कमिटमेंट को जारी रखेगा, साथ ही देश भर के युवाओं के लिए हाई-क्वालिटी थिएटर एजुकेशन को और आसान बनाएगा। मुंबई में प्रोग्राम के पहले तीन एडिशन की सफलता के बाद कनेक्शन्स 2026 में यह चार शहरों में इसे बढ़ाया जा रहा है। इस साल कुल 33 स्कूल, कॉलेज और एनजीओ (ठक्रड२) भारत और यूके (वङ) के जाने-माने नाटककारों के दस कंटेंपररी नाटकों का मंचन करेंगे, जिससे यह पहल काफी बड़े और ज्यादा अलग-अलग तरह के दर्शकों तक पहुंचेगी।

दिल्ली को कूड़े से आजादी के लिए एमसीडी की कार्ययोजना तैयार

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। राजधानी को कूड़े और गंदगी से मुक्त बनाने के लिए एमसीडी ने दिल्ली को कूड़े से आजादी स्वच्छता अभियान-2026 की कार्ययोजना तैयार की है। 17 अगस्त से शुरू हुआ अभियान दो अक्तूबर तक चलेगा। इसके तहत सड़कों और सार्वजनिक स्थानों के साथ सरकारी कार्यालयों, बाजारों, पार्कों, जलाशयों और कूड़ा जमा होने वाले स्थानों की विशेष सफाई कराई जाएगी। कार्यालयों में लंबे समय से पड़े अनुपयोगी सामान और पुराने रिकॉर्ड को हटाकर कबाड़ निस्तारण पर भी जोर दिया जाएगा। कार्ययोजना के अनुसार सरकारी कार्यालयों के रिकॉर्ड कक्ष, भंडार कक्ष, गलियारों, शौचालयों, पार्किंग और आसपास के क्षेत्रों की सफाई होगी। पुराने दस्तावेजों की छंटाई कर नियमों के तहत निस्तारण किया जाएगा। खराब फर्नीचर, पुराने उपकरण और अन्य अनुपयोगी सामान भी हटाए जाएंगे। दोबारा कूड़ा जमा होने वाले स्थानों पर विशेष नजर अभियान के दौरान ऐसे स्थानों को चिह्नित किया जाएगा, जहां सफाई के बाद बार-बार कूड़ा जमा होता है। इनकी विशेष सफाई के साथ दोबारा गंदगी न होने देने के उपाय किए जाएंगे। बाजारों, पार्कों, जलाशयों, झुग्गी बस्तियों और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर सप्ताहांत में विशेष अभियान चलेगा। जरूरत के अनुसार नालियों की गाद निकालने के साथ अवैध पोस्टर और होर्डिंग हटाए जाएंगे। पेड़ों की छंटाई, पौधारोपण और सार्वजनिक स्थलों के सौंदर्यीकरण के काम भी होंगे। अधिकारी और कर्मचारी श्रमदान करेंगे। सरकारी कार्यालयों में गीले और सूखे कचरे को अलग रखने तथा एकल उपयोग वाले प्लास्टिक पर रोक लगाने के निर्देश दिए गए हैं।

बारापुला फ्लाईओवर का काम इस माह हो जाएगा पूरा

नई दिल्ली। बारापुला फ्लाईओवर के तीसरे चरण का निर्माण कार्य इसी माह पूरा हो जाएगा। इस फ्लाईओवर के पूरा होने से दक्षिण-पूर्वी दिल्ली से नोएडा की ओर आने-जाने वाले हजारों वाहन चालकों को बड़ी राहत मिलेगी और सराय काले खां, मयूर विहार सहित आसपास के इलाकों में लगने वाले जाम की समस्या भी कम होगी। पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों ने बताया कि मयूर विहार फेज-एक के पास बारापुला फ्लाईओवर के लूप को नोएडा की ओर यूपी लिंक रोड फ्लाईओवर के कैरिजवे से जोड़ने का कार्य अब अंतिम चरण में पहुंच चुका है।

जलभराव वाली सड़कों पर समस्या दूर करने को कारणों की होगी तलाश

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। बरसात में सड़कों पर जलभराव के कारण तलाश कर उनको दूर करने का काम किया जाएगा। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने पीडब्ल्यूडी व नगर निगम से ऐसे स्थानों की जानकारी साझा कर समस्या का स्थायी समाधान करने के लिए लिखा है। इन एजेंसियों ने ट्रैफिक पुलिस को भरोसा दिलाया है कि वह जल्द कारण तलाश कर समाधान करेंगे। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने कुछ दिन पहले उपराज्यपाल को बैठक में अवगत कराया था कि इस वर्ष मानसून में 65 स्थानों पर जलभराव की शिकायत प्राप्त हुई हैं। इन स्थानों पर जलभराव के कारण यातायात प्रभावित होता है। साथ ही दावा किया था कि पीडब्ल्यूडी, नगर निगम समेत अन्य एजेंसियों के सक्रिय प्रयास के चलते पिछले वर्ष की तुलना में जलभराव की समस्या 61 प्रतिशत कम हुई। वर्ष 2025 में ऐसे 169 स्थान चिह्नित किए गए थे। इस वर्ष जलभराव वाले स्थानों की रिपोर्ट दूसरी एजेंसियों से साझा कर सुधार के स्थायी कदम उठाने को कहा गया है। इन स्थानों में गाजीपुर मुर्गा मंडी, पांडव नगर अंडरपास, बुराड़ी मेन रोड, साउथ गणेश नगर, संजय टी-पॉइंट, जनपथ, एमबी रोड, एमबी रोड एसडीएम ऑफिस, मालवीय नगर मेट्रो स्टेशन, मंदिर मार्ग, झरोदा स्टैंड, शकूरबस्ती अंडरपास, मायापुरी चौक, दिल्ली गेट, रिंग रोड पर वाई पॉइंट, ईदगाह गोल चक्कर समेत कई मार्ग शामिल हैं। पीडब्ल्यूडी के एक अधिकारी ने बताया कि वह अपनी सड़कों पर जलभराव की समस्या दूर करने के लिए हर तरह का प्रयास कर रहे हैं। फिर भी जिन सड़कों पर पानी भरता है, उसके कारणों का पता किया जा रहा है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि प्रथम दृष्टा जलभराव के छोटे-छोटे कारण समझ आते हैं। जिनमें नाले-नालियों के ढलान में खामी, ड्रेन होल में कचरा जैसी समस्या नजर आती है।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें
पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें

@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, बुधवार, 19 अगस्त, 2026

गुरुग्राम में कारोबारी से मारपीट में नवीन गोयल को क्लीनचिट

पुलिस जांच में आरोप निराधार मिले, बोले-राजनीतिक छवि खराब करने का प्रयास

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम । में भाजपा से बागी और पूर्व एमएलए प्रत्याशी नवीन गोयल को कारोबारी से मारपीट और धमकी देने के चर्चित मामले में क्लीन चिट दे दी गई है। सेक्टर 10ए थाना पुलिस की जांच और सीसीटीवी फुटेज के विश्लेषण के बाद नवीन गोयल के खिलाफ लगे सभी आरोप गलत पाए गए। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि उनके खिलाफ दर्ज कराई गई एफआईआर पूरी तरह से राजनीतिक द्वेष और उनकी सामाजिक छवि को धूमिल करने की एक सुनियोजित साजिश थी। पुलिस जांच में सच सामने आ गया है। क्योंकि घटना वाले दिन वे गुरुग्राम में मौजूद ही नहीं थे, बल्कि लखनऊ में थे। उन्होंने कहा कि राजनीतिक बदला लेने के लिए यह साजिश रची गई थी, हालांकि ये साजिश किस नेता के कहने पर की गई, इस सवाल पर उन्होंने नाम बताने से फिलहाल मना कर दिया और कहा कि शहर की जनता उनके साथ खड़ी है और ऐसी ओछी राजनीति से उनकी जनसेवा का संकल्प कमजोर नहीं होगा, बल्कि वे और मजबूती से काम करते रहेंगे। ये है पूरा मामला सेक्टर 14 में रहने वाले पीआरके स्कैफल्डिंग कंपनी के मालिक प्रवीण अग्रवाल ने आरोप लगाया था कि 20 अप्रैल को शाम करीब 6:30 से 7:00 बजे के बीच जब वह गाडौली खुर्द गांव स्थित अपनी फैक्ट्री से घर लौट रहे थे, तब पटौदी रोड पर कुछ अज्ञात हमलावरों ने उनकी गाड़ी को पीछे से टक्कर मारी। उन्होंने नवीन गोयल का नाम लिया और आरोप लगाया कि हमलावरों में से एक ने कथित तौर पर उसे धमकी देते हुए कहा था कि अपनी फैक्ट्री बंद करो और नवीन गोयल, दीपक गोयल और सतीश तायल से माफी मांगो, अन्यथा तुम्हें 5 दिनों के भीतर मार दिया जाएगा। तकनीकी जांच में आरोप गलत मिले पुलिस की जांच टीम ने घटना के समय और रूट का पूरा खाका तैयार किया। पुलिस ने पटौदी रोड, गाडोली खुर्द और उसके आसपास के पूरे रास्ते पर लगे सभी सीसीटीवी कैमरों के फुटेज और लोकेशन को अपने कब्जे में लिया और उनका तकनीकी विश्लेषण किया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, शिकायतकर्ता द्वारा लगाए गए आरोप निराधार साबित हुए, जिसके बाद नवीन गोयल को मामले में क्लीन चिट दे दी गई।

शहर में चर्चित राजनीतिक और सामाजिक चेहरा

नवीन गोयल शहर के एक प्रमुख सामाजिक और राजनीतिक चेहरा हैं। भारतीय जनता पार्टी द्वारा टिकट काटने के बाद उन्होंने बगावत करते हुए 2024 के विधानसभा चुनाव में एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा था, क्योंकि भाजपा ने उन्हें पार्टी का टिकट नहीं दिया था। इस क्लीन चिट के बाद नवीन गोयल के समर्थकों में खुशी की लहर है। क्योंकि एफआईआर के वक्त यह मामला काफी चर्चित हुआ था।

पुलिस ने जांच पूरी की

इस संबंध में सेक्टर 10ए थाने के एसएचओ दिलबाग ने बताया कि तकनीकी जांच में नवीन गोयल पर लगे आरोप सही नहीं मिले हैं। अगर कोई और मामले में शामिल मिलता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

फर्रुखनगर में निकाय मंत्री विपुल गोयल का पुतला फूंका

कर्मचारियों ने नगरपालिका कार्यालय पर ताला जड़ा, कच्चे कर्मियों को पक्का करने की मांग

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। जिले के फर्रुखनगर में नगर पालिका कर्मचारी संघ के बैनर तले सफाई कर्मचारियों ने मंगलवार को अपनी मांगों को लेकर नगरपालिका कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। संघ के प्रधान सतीश की अगुवाई में कर्मचारियों ने कार्यालय पर ताला जड़ दिया और बाद में बस स्टैंड पर निकाय मंत्री विपुल गोयल का पुतला फूंका। इस दौरान सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। प्रदर्शन स्थल पर पुलिस बल भी मौजूद रहा। प्रदर्शनकारी कर्मचारी हाथों में बैनर लिए हुए थे, जिन पर उनकी लंबित मांगें लिखी थीं। उनकी प्रमुख मांगों में पे-रोल पर कार्यरत सफाई कर्मचारियों और सीवरमैन को स्थायी करना शामिल था। इसके साथ ही, ठेकेदारी प्रथा के तहत लगे तृतीय व चतुर्थ श्रेणी के कच्चे कर्मचारियों को नीति बनाकर नियमित करने की मांग भी उठाई गई। कर्मचारियों ने यह भी कहा कि जब तक कच्चे कर्मचारियों को स्थायी नहीं किया जाता, तब तक उन्हें 30 हजार रुपए मासिक वेतन दिया जाए। अन्य मांगों में एक्सग्रेशिया पॉलिसी को सरल बनाना और कच्चे कर्मचारियों को भी इसके दायरे में लाना शामिल था। छुट्टी पर गए कर्मचारियों को वापस बुलाने की मांग कर्मचारियों ने छुट्टी पर गए कर्मियों को वापस ड्यूटी पर बुलाने और हड़ताल के दौरान हटाए गए कर्मचारियों को बहाल करने की भी मांग की। इसके अतिरिक्त, फरीदाबाद अग्निकांड में शहीद हुए कर्मचारियों के परिवारों को एक-एक करोड़ रुपए का मुआवजा और सरकारी नौकरी देने की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई। कर्मचारियों ने पे-रोल पर कार्यरत कर्मियों को नियमित करने और सफाई, फायर ब्रिगेड तथा अन्य जोखिमपूर्ण कार्यों में लगे कर्मचारियों को 5 हजार रुपए मासिक जोखिम भत्ता देने की मांग भी की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों का समाधान नहीं किया गया, तो आंदोलन जारी रहेगा।

गुरुग्राम में NH-48 की सर्विस लेन 2 महीने बंद

स्टॉर्मवॉटर ड्रेन का निर्माण शुरू, जाम से बचने को 6 रूट बदले; एडवाइजरी जारी

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम । दिल्ली-जयपुर नेशनल हाईवे (NH-48) पर सफर करने वाले वाहन ड्राइवरों के लिए बड़ी खबर है। गुरुग्राम में हाईवे की एक प्रमुख सर्विस लेन को आज सुबह 6 बजे से अगले दो महीने 15 अक्टूबर तक के लिए पूरी तरह बंद कर दिया गया है। गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण द्वारा सेक्टर 76 से 80 के बीच और हाईवे के किनारे स्टॉर्मवॉटर ड्रेन का निर्माण कराया जा रहा है। इस की वजह से दिल्ली से जयपुर जाने वाली दिशा की सर्विस लेन रामपुर चौक फ्लाईओवर के नीचे से शुरू होकर आईएमटी मानेसर तक बंद रहेगी। ट्रैफिक पुलिस ने एडवाइजरी जारी कर लोगों से वैकल्पिक रास्तों का इस्तेमाल करने की अपील की है। ट्रैफिक पुलिस ने वाहनों की लंबी कतारों और जाम से बचने के लिए रूट डायवर्जन लागू किए हैं। जयपुर से दिल्ली और रामपुर जाने के लिए: जो लोग जयपुर से दिल्ली की तरफ आ रहे हैं और उन्हें रामपुर जाना है, उन्हें पुलिस द्वारा तय किए गए विशेष डायवर्जन मार्ग से होकर गुजरना होगा। नौरंगपुर जाने का रास्ताः नौरंगपुर की तरफ जाने वाले वाहनों को सीधे जाने की अनुमति नहीं होगी। इन वाहनों को खेड़की दौला टोल प्लाजा से ठीक पहले बने कट से यू-टर्न लेना होगा और फिर वहां से नौरंगपुर की तरफ जाना होगा। आईएमटी मानेसर से सेक्टर-85 के लिएः आईएमटी मानेसर से जो लोग सेक्टर-85 की ओर जाना चाहते हैं, उन्हें मुख्य हाईवे पर आगे बढ़ते हुए रामपुर एग्जिट का उपयोग करना होगा। वहां से वे सीधे सेक्टर-85 की सड़क पर जा सकेंगे। रामपुर से जयपुर जाने का रास्ताः रामपुर से जयपुर की तरफ जाने वाले वाहन चालकों को सेक्टर-85 के अंदरूनी रास्ते से होते हुए सर्विस रोड पर आना होगा। इसके बाद उन्हें खेड़की दौला टोल प्लाजा से पहले यू-टर्न लेकर वापस हाईवे पकड़ना होगा और फिर वे जयपुर की ओर जा सकेंगे। सेक्टर-85 से रामपुर और नौरंगपुर जाने के लिएः सेक्टर-85 से रामपुर या नौरंगपुर जाने वाले वाहन चालकों को सलाह दी गई है कि वे किसी अंदरूनी रास्ते के बजाय सीधे रामपुर फ्लाईओवर का इस्तेमाल करें।

गुरुग्राम में द्वारका एक्सप्रेस-वे पर ब्लैक थार से स्टंटबाजी

रईसजादों ने मचाया हुड़दंग, ट्रैफिक रोक लहराया तिरंगा; सोशल मीडिया पर डाली वीडियो

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम । में दिल्ली एनसीआर के सबसे व्यस्त रास्तों में से एक द्वारका एक्सप्रेस-वे से स्टंटबाजी का एक बेहद हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां कुछ रईसजादों ने न सिर्फ अपनी जान जोखिम में डालकर खतरनाक स्टंट किए, बल्कि देश की शान तिरंगे झंडे को भी ट्रैफिक रोक कर बीच हाईवे लहराने का काम किया। युवकों ने काले रंग की महिंद्रा थार और कई अन्य लग्जरी गाड़ियों के साथ मिलकर एक्सप्रेस-वे के बीचों-बीच जमकर हुड़दंग मचाया। यह पूरी घटना द्वारका एक्सप्रेस-वे के एक मुख्य हिस्से पर हुई। जहां ब्लैक थार के साथ कई अन्य महंगी गाड़ियों का एक बड़ा काफिला चल रहा था। इन गाड़ियों में सवार युवकों ने एक्सप्रेस-वे के बीच में ही अपनी गाड़ियां रोक दीं, जिससे पीछे चल रहे आम राहगीरों का रास्ता पूरी तरह बंद हो गया और लंबा ट्रैफिक जाम लग गया। इसके बाद युवकों ने गाड़ियों के शीशे नीचे किए और खिड़कियों से आधा बाहर निकलकर खतरनाक पोज देने लगे। कुछ युवक चलती गाड़ियों के गेट खोलकर लटके हुए दिखाई दिए, तो कुछ ने छत पर बैठकर हुड़दंग मचाया। थार पर चढ़कर तिरंगा लहराया इस पूरी स्टंटबाजी में सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात यह थी कि युवकों ने थार पर लगे तिरंगे झंडे को हाथ में लेकर बीच सड़क पर लहराना शुरू कर दिया। रील्स बनाने और सोशल मीडिया पर मशहूर होने की चाहत में युवकों ने ट्रैफिक नियमों की धज्जियां तो उड़ाई हीं, साथ ही राष्ट्रीय ध्वज संहिता का भी उल्लंघन किया। सोशल मीडिया पर अपलोड किया वीडियो खतरनाक स्टंट करने वाले युवकों ने खुद ही घटना की रील्स बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड की थी। सोशल मीडिया पर मशहूर होने और लाइक्स पाने की चाहत में युवकों ने यह कदम उठाया। खुद ही इस हुड़दंग का वीडियो इंटरनेट पर पोस्ट करना अब इन युवकों के लिए भारी पड़ता दिखाई दे रहा है, क्योंकि यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

फरीदाबाद में रस्सी से बांधकर उखाड़ी एटीएम मशीन

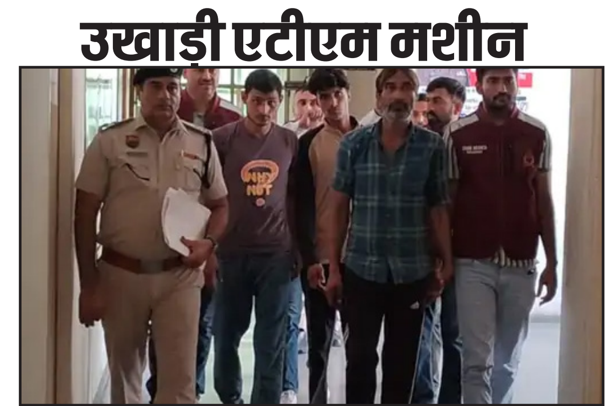

छह लोगों ने मिलकर बनाया गैंग, घर से बाहर से फॉर्च्यूनर चुराई, तीन आरोपी अरेस्ट

प्रात : किरण संवाददाता

फरीदाबाद। में अपराधी प्रवृत्ति के छह लोगों की गैंग ने पहले एक व्यक्ति के घर के बाहर खड़ी फॉर्च्यूनर गाड़ी चोरी की और फिर उसी गाड़ी से रइकबैंक का अळट उखाड़कर ले गए। आरोपियों ने चोरी की गाड़ी का नंबर बदलकर पूरे दिन शहर में घूमकर रेकी की और रात में छांयसा गांव पहुंचकर अळट को निशाना बनाया। करीब 8.30 लाख कैश से भरे अळट को आरोपियों ने रस्सी की मदद से फॉर्च्यूनर से बांधकर उखाड़ लिया और धौज-पहाड़ी इलाके में ले जाकर उसे तोड़कर कैश निकाल लिया। इस पूरी वारदात के बाद पुलिस ने तकनीकी जांच के जरिए आरोपियों तक पहुंच बनाई और तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। क्राइम ब्रांच, एंटी व्हीकल थेफ्ट स्क्वाड (अश्ळर) सिकरोना की टीम द्वारा गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान गांव धौज निवासी मोहम्मद मोइन खान, मोसिम उर्फ बिल्लाऔर मकसूद उर्फ काला के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर चोरी की गई फॉर्च्यूनर बरामद कर ली है। मामले में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। घर के बाहर खड़ी फॉर्च्यूनर चोरी की एसीपी क्राइम अमन यादव ने बताया कि, वारदात की शुरूआत 12 अगस्त 2026 को हुई। छह लोगों का गैंग सुबह के समय सेक्टर-16 पहुंचा। यहां उन्होंने एक व्यक्ति के घर के बाहर खड़ी फॉर्च्यूनर गाड़ी को निशाना बनाया। आरोपियों ने गाड़ी का शीशा तोड़ा और लैपटॉप की मदद से उसे स्टार्ट कर चोरी कर लिया। फॉर्च्यूनर चोरी होने के संबंध में सेक्टर-16 निवासी अनूप गर्ग ने थाना सेक्टर-17 में ऋक्षक्र दर्ज कराई थी। पुलिस से बचने के लिए नंबर प्लेट बदली गाड़ी चोरी करने के बाद आरोपी फॉर्च्यूनर को लेकर धौज पहुंचे। यहां उन्होंने पुलिस से बचने के लिए गाड़ी की नंबर प्लेट बदल दी और उस पर किसी दूसरी गाड़ी की नंबर प्लेट लगा दी। इसके बाद छहों आरोपी चोरी की फॉर्च्यूनर लेकर पूरे दिन फरीदाबाद शहर में अलग-अलग स्थानों पर घूमते रहे। इसी दौरान आरोपियों ने अळट चोरी करने की योजना बनाई। रात होने पर आरोपी फॉर्च्यूनर लेकर छांयसा गांव की तरफ निकल गए। घूमते हुए उन्हें गांव के मोड़ पर रइकबैंक का अळट दिखाई दिया। आरोपियों ने ATM को देखकर उसे उखाड़कर ले जाने की योजना बनाई।

सोहना में कांग्रेस कार्यकताओं ने किया प्रदर्शन

बदहाल सड़क, जलभराव और गंदगी को लेकर नाराजगी, तहसीलदार को सौंपा मांग पत्र

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। के सोहना में कांग्रेस कार्यकर्ताओ और पदाधिकारियों ने मंगलवार को बदहाल सड़कों, जलभराव, कूड़े के ढेर, बढ़ते प्रदूषण और जाम जैसी समस्याओं को लेकर सरकार व प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन किया। पार्टी ने एसडीएम कार्यालय में तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर इन समस्याओं के तत्काल समाधान की मांग की। यह प्रदर्शन कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष शैलेश खटाना और पंकज भारद्वाज के नेतृत्व में फव्वारा चौक से शुरू हुआ। हाथ में बैनर- पोस्टर लेकर उठाई आवाज फव्वारा चौक पर प्रदर्शनकारियों ने हाथों में बैनर और पोस्टर लेकर शहर की अव्यवस्था के खिलाफ आवाज उठाई। उन्होंने सरकार और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की, जिसमें टूटी सड़कों से आजादी दो, जलभराव से मुक्ति दो, गंदगी और प्रदूषण से निजात दिलाओ, जाम से राहत दिलाओ और भ्रष्टाचार से मुक्ति दिलाओ जैसे नारे शामिल थे। कांग्रेस नेता पंकज भारद्वाज ने कहा कि सोहना के लोगों को बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार की प्रशासनिक लापरवाही के कारण शहर की स्थिति लगातार खराब हो रही है। राजनीतिक प्रदर्शन नहीं, नागरिकों की आवाज : खटाना कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष शैलेश खटाना ने बताया कि यह अभियान किसी राजनीतिक प्रदर्शन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सोहना के आम नागरिकों की आवाज है। उन्होंने कहा कि सड़क, जलनिकासी, स्वच्छता, प्रदूषण और यातायात जैसी समस्याओं से हर वर्ग प्रभावित है।

ऑपरेशन सिंदूर में शहीद के परिवार ने नहीं लिया सम्मान

पलवल में मूर्ति के 1.90 लाख के बिल अटके ; अनावरण में विधायक-प्रशासन नहीं पहुंचे

ऑपरेशन सिंदूर। के शहीद लांस नायक दिनेश शर्मा के परिजनों ने स्वतंत्रता दिवस पर मिलने वाला सम्मान लेने से इनकार कर दिया। परिवार का आरोप है कि शहीद की मूर्ति बनवाने में करीब 1.90 लाख रुपए खर्च किए गए, लेकिन तीन महीने से अधिक समय बीतने के बाद भी इस राशि के बिलों का भुगतान नहीं हुआ। परिवार का कहना है कि प्रशासन की ओर से जल्द भुगतान का आश्वासन दिया गया था, लेकिन अब तक उन्हें केवल अधिकारियों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। परिवार ने शहीद के सम्मान में आयोजित कार्यक्रमों को लेकर भी नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि 7 मई को शहीद की मूर्ति का अनावरण होना था। इसके लिए होडल के इखढ विधायक हरेंद्र रामरतन को घर जाकर कार्यक्रम में शामिल होने के लिए बुलाया गया था, लेकिन न विधायक पहुंचे और न ही प्रशासन का कोई बड़ा अधिकारी आया। परिवार का सवाल है कि जब शहीद की मूर्ति के अनावरण में प्रशासन और जनप्रतिनिधि नहीं पहुंचे तो स्वतंत्रता दिवस पर मिलने वाला सम्मान लेने का क्या मतलब है। शहीद की पत्नी सीमा ने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सैनी ने 15 मई 2025 को परिवार से मुलाकात के दौरान गांव मोहम्मदपुर का नाम बदलकर दिनेशपुर करने और शहीद के नाम पर पार्क बनाने की घोषणा की थी। दोनों घोषणाएं अब तक पूरी नहीं हुई हैं। परिवार ने स्कूल का नाम शहीद के नाम पर रखने और गांव के प्रवेश द्वार पर उनका नाम लिखने की भी मांग की थी। इनमें से केवल स्कूल का नाम बदला गया है।

गुरुग्राम एसटीएफ ने 5 हजार का इनामी पकड़ा

पलवल पुलिस को सौंपा, एक साल से चल रहा था फरार, टोल प्लाजा पर रंगदारी मांगी

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम । एसटीएफ सेंट्रल टीम ने किरंज टोल प्लाजा पर रंगदारी मांगने और जानलेवा हमला करने के मामले में एक वर्ष से फरार चल रहे पांच हजार रुपए के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान जीता खेडली गांव निवासी साहिल उर्फ सोहिल के रूप में हुई है। उसे उत्तर प्रदेश के कोसीकला से पकड़ा गया और आगे की कार्रवाई के लिए पलवल सीआईए को सौंप दिया गया है। गुरुग्राम एसटीएफ सेंट्रल टीम प्रभारी पीएसआई मनोज कुमार ने बताया कि यह घटना 24 सितंबर 2025 को बड़ोदरा एक्सप्रेस-वे स्थित किरंज टोल प्लाजा पर हुई थी। कुछ हथियारबंद लोगों ने टोल कर्मी विजय पर जानलेवा हमला किया था, जो नूंह जिले के खेड़ा खलीलपुर गांव का निवासी है और टोल प्लाजा पर कंट्रोलर के पद पर कार्यरत था। पीड़ित विजय ने बताया था कि आरोपी पहले भी उससे अवैध वसूली (रंगदारी) की मांग कर चुके थे और जान से मारने की धमकी दे रहे थे। घटना के दिन, स्विफ्ट डिजायर कार और दो बाइकों पर सवार होकर आए 9-10 बदमाशों ने उस पर हमला किया। इस हमले में विजय को गंभीर चोटें आईं और आरोपी उससे नकदी व सोने की चेन लूटकर फरार हो गए थे। इस मामले में पहले ही छह अन्य आरोपियों चंद्रपाल, मोहित, सागर, बंटी, राहुल और रोहित उर्फ भोले के खिलाफ कार्रवाई की जा चुकी है। आरोपी साहिल पिछले एक वर्ष से फरार था, जिसके चलते आईजी रेवाड़ी की ओर से उसकी गिरफ्तारी पर पांच हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था।

यूपी के मथुरा से पकड़ा गया

साहिल के खिलाफ पलवल के गदपुरी थाना में 2023 में एक मुकदमा, हथीन में 2022 में एक मुकदमा और हथीन में 2024 में नशा तस्करी का एक मुकदमा पहले से ही दर्ज है। एसटीएफ गुरुग्राम सेंट्रल टीम ने साहिल को मथुरा (यूपी) के कोसीकला से गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद उसे आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए पलवल सीआईए टीम को सौंप दिया गया है, जो मामले की जांच कर रही है। सीआईए पलवल प्रभारी जगमिंद्र सिंह ने बताया कि आरोपी साहिल उर्फ सोहिल को कोर्ट में पेश कर पुलिस रिमांड पर लेने की प्रक्रिया की जा रही है। रिमांड अवधि के दौरान आरोपी से वारदात में प्रयोग किया गया डंडा बरामद किया जाएगा। इसके अलावा, मामले में संलिप्त अन्य फरार साथियों के ठिकानों पर दबिश देकर उन्हें गिरफ्तार करने का प्रयास किया जाएगा।

30 लाख कर्ज बना 1.50 करोड़, बैंककर्मी ने पिया जहर

पलवल में मां ने मचाया शोर, पिता की जान जा चुकी; 4 माह पहले शादी हुई

प्रात : किरण संवाददाता

फरीदाबाद। हरियाणा के पलवल जिले में 32 वर्षीय बैंक कर्मी ने सूदखोरों की प्रताड़ना से परेशान होकर जहरीला पदार्थ पी लिया। जहर पीने से पहले युवक ने वीडियो बनाकर अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किया। वीडियो देख मां को इसका पता चला तो उन्होंने शोर मचा दिया। इसके बाद परिवार ने युवक को अस्पताल पहुंचाया। सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी ली। परिवार के मुताबिक, युवक के पिता ने गांव के कुछ लोगों से जमीन गिरवी रखकर 30 लाख रुपए उधार लिए थे, जिसे अब ब्याज जोड़कर करीब डेढ़ करोड़ रुपये बताया जा रहा है। कर्ज चुकाने के लिए युवक ने अपनी एक एकड़ जमीन बेच दी। रकम देने के लिए गांव में 42 गांवों की तेवतिया पाल की बड़ी पंचायत बुलाई गई, लेकिन आरोपी और ज्यादा ब्जाज बताने लगे। इसी से परेशान होकर युवक ने यह कदम उठाया। परिवार की ओर से चार लोगों के नाम दिए गए हैं। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। पता चला है कि युवक की चार माह पहले ही शादी हुई थी। चार माह पहले शादी, गोली मारने की दी गई थी धमकी उधर, सूचना मिलते ही चांदहट थाना पुलिस भी अस्पताल पहुंची और मामले की जानकारी ली। बलजीत ने पुलिस को बताया कि उसके भाई की चार माह पहले ही शादी हुई थी। सब ठीक चल रहा था, लेकिन कर्ज देने वालों ने उसे पर दबाव बनाना शुरू कर दिया था। उसे गोली मारने की धमकी भी दे चुके थे। इसी वजह से उसका भाई हरेंद्र तनाव में आ गया था। इसी के चलते उसने यह कदम उठाया। पुलिस ने शुरू की मामले की जांच उधर, इस मामले में चांदहट थाना प्रभारी श्री भगवान का कहना है कि मामला पैसों के लेन देन का है। युवक हरेंद्र के परिवार की ओर से शिकायत दी गई है, जिसमें चार प्रेमराज, सोनू, हेमराज, महेश का नाम दिया गया है। इन लोगों पर पैसे के लिए मानसिक रूप से परेशान करने का आरोप लगाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है, जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसी आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

फरीदाबाद की डेयरी में तख्त से गिरा युवक, मौत

पुलिस के अनुसार मृत्युंजय पिछले कई वर्षों से फरीदाबाद में दूध की डेयरी पर काम करता था। वह डेयरी पर दूध निकालने के साथ साफ-सफाई का काम करता था। उसके साथ गांव का ही एक अन्य युवक लक्ष्मण यादव भी काम करता था। सोमवार को मृत्युंजय डेयरी में तख्त पर सो रहा था। इसी दौरान वह अचानक नीचे गिर गया। उसे बेहोशी की हालत में अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। 25 दिन पहले ही गांव से लौटा था मृत्युंजय के चाचा प्रेम सिंह ने बताया कि डेयरी पर उनके गांव का लक्ष्मण यादव भी काम करता है। उसी के बुलाने पर मृत्युंजय करीब 25 दिन पहले गांव से फरीदाबाद आया था। वह एत्मादपुर में बृजेश की डेयरी पर काम कर रहा था। परिजनों का कहना है कि केवल तख्त से गिरने से मृत्यु होना उन्हें संदिग्ध लग रहा है। उनका आरोप है कि मृत्युंजय के शरीर पर चोट के निशान भी मिले हैं। परिजनों ने पूरे मामले की जांच की मांग की है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार सेक्टर-31 थाने के एएसआई कृष्ण गोपाल ने बताया कि बीके अस्पताल से युवक की मौत की सूचना पुलिस को मिली थी। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया है। मौत के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गुरुग्राम में दिव्यांग अकाउंटेंट से रेप

लिफ्ट देकर बढ़ाई दोस्ती, होटल बुलाकर कई बार बनाए संबंध; खाते से डेढ़ लाख उड़ाए

प्रात : किरण संवाददाता

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम । में इंसानियत को शर्मसार करने वाली एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। पटौदी में एक सरकारी विभाग में अकाउंटेंट के पद पर कार्यरत एक दिव्यांग (ब्लाइंड) युवती के साथ दोस्ती का झांसा देकर न केवल बार-बार रेप किया गया, बल्कि धोखे से उसके बैंक खाते से1.5 लाख भी निकाल लिए गए। आरोपी ने पीड़िता को पैसे वापस लौटाने के बहाने दोबारा बुलाकर फिर से अपनी हवस का शिकार बनाया। इतना ही नहीं आरोपी ने घर पर बताने और पैसे मांगने पर युवती का नाम लिखकर सुसाइड करने की भी धमकी दी। पीड़िता ने पटौदी थाने में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित युवती ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह एक सरकारी दफ्तर में अकाउंटेंट है। वह आंखों से देख नहीं सकती है। कुछ समय पहले दिल्ली से आते समय एक युवक ने उसे अपनी गाड़ी में लिफ्ट दी थी। उसकी लाचारी का फायदा उठाकर युवक ने धीरे-धीरे उससे बातचीत बढ़ानी शुरू कर दी। आरोपी ने खुद को एक मददगार इंसान के रूप में पेश किया, जिससे युवती उस पर भरोसा करने लगी। इस तरह दोनों के बीच जान-पहचान गहरी दोस्ती में बदल गई। रेस्टोरेंट से होटल रूम तक का सफर आरोपी युवक पीड़िता को अपनी बातों के जाल में फंसाकर पहले कई बार बाहर रेस्टोरेंट में खाना खिलाने ले गया। यहां उसने प्यार का ऑफर भी रखा, लेकिन युवती ने मना कर दिया। युवती को लगा कि वह एक अच्छे दोस्त के साथ है। लेकिन आरोपी के मन में कोई और ही साजिश चल रही थी। एक दिन वह युवती को बहला-फुसलाकर एक होटल में ले गया। वहां उसने युवती की दिव्यांगता का गलत फायदा उठाते हुए उसकी मर्जी के खिलाफ जबरदस्ती की और उसके साथ रेप किया। धोखे से एटीएम निकाला, 1.5 लाख उड़ाए आरोपी की दरिंदगी यहीं नहीं रुकी। उसने युवती के अंधेपन का फायदा उठाकर चुपके से उसका एटीएम कार्ड और उसका पिन नंबर हासिल कर लिया। इसके बाद उसने पीड़िता को बिना बताए उसके बैंक खाते से 1.5 लाख की मोटी रकम निकाल ली। पैसे वापस देने के नाम पर दोबारा बुलाया जब पीड़िता ने आरोपी से अपने पैसे वापस मांगे, तो उसने एक नई साजिश रची।

फरीदाबाद में रक्षाबंधन पर सजेगा 400 साल पुराना पंखा मेला

फरीदाबाद में रक्षाबंधन (28 अगस्त) के अवसर पर ओल्ड फरीदाबाद में लगने वाले ऐतिहासिक पंखा मेले की तैयारियां तेज हो गई हैं। करीब 400 साल पुरानी इस परंपरा को लेकर पंखा मेला कमेटी ने पथवारी मंदिर में बैठक आयोजित की। इसमें शहर के विभिन्न समाजों के लोगों ने हिस्सा लिया। बैठक में मेले की तैयारियों और व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा की गई। पंखा मेला कमेटी के प्रधान बिल्ला पहलवान उर्फ जितेश पाराशर ने बताया कि इस बार मेले में अलग-अलग समाजों की 27 झांकियां शामिल होंगी। सभी समाज अपने स्तर पर झांकियां तैयार कर मेले में लेकर पहुंचेंगे। कमेटी की ओर से मेले को भव्य और व्यवस्थित बनाने के लिए तैयारियां की जा रही हैं।

फरीदाबाद में 10 बंडल चाइनीज मांझा जब्त, 2 दुकानदार गिरफ्तार

फरीदाबाद । में चाइनीज मांजे से रविवार को युवक का गला कटने के बाद प्रशासन हरकत में आया है। स्थानीय पुलिस और सीएम फ्लाइंग की टीम ने पर्वतीय चौकी क्षेत्र में छापेमारी कर मांझे के कुल 10 बड़े बंडल बरामद किए है। पुलिस ने मौके से इसको बेचने वाले 2 दुकानदारों को भी गिरफ्तार किया है। आरोप है कि दोनों दुकानदार प्रतिबंधित मांझे को चोरी-छिपे बेचने का काम कर रहे थे। जानकारी के अनुसार, पुलिस और सीएम फ्लाइंग की टीम को सूचना मिली थी कि भड़ाना चौक और केडी पब्लिक स्कूल के पास प्रतिबंधित चाइनीज मांझे की बिक्री हो रही हैं। सूचना के बाद टीम ने मौके पर पहुंचकर दुकानों की जांच शुरू की। जांच के दौरान नगला रोड स्थित केडी पब्लिक स्कूल के पास योगेश की दुकान से एक पेटी में रखे चाइनीज मांझे के चार बड़े बंडल बरामद किए गए। इसके बाद टीम ने भड़ाना चौक निवासी अंकित की दुकान की भी जांच की। यहां से छह बड़े बंडल चाइनीज मांझे के बरामद हुए। इस तरह दोनों दुकानों से कुल 10 बड़े बंडल टीम के हाथ लगे। बरामद मांझे के बंडलों पर ह्लऋ१ क्ल४२३१’ वरी डल्ल’८ह्व लिखा हुआ था। इसके बावजूद आरोप है कि दुकानदार इसे आम लोगों को बेचने की तैयारी में थे। हाल में युवक का कटा था गला यह मांझा आम पतंग की डोर की तुलना में बेहद खतरनाक माना जाता है। इससे राहगीरों, दोपहिया वाहन चालकों और पक्षियों के घायल होने का खतरा बना रहता है। हाल में ही बीते रविवार को एक युवक की मांझे की चपेट में आने से गर्दन कट गई थी जिसका अभी भी एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। केस दर्ज कर जांच कर रही पुलिस सीएम फ्लाइंग की टीम ने दोनों दुकानदारों के पास से बरामद चाइनीज मांझे को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई के लिए सारन थाना पुलिस को जानकारी दी है।

19 अगस्त : विश्व फोटोग्राफी दिवस पर विशेष

सुरेश सिंह बैस शाश्वत

एक तस्वीर हजार शब्दों के बराबर होती है। यह कथन केवल एक लोकप्रिय कहावत नहीं, बल्कि संचार और इतिहास का सिद्ध सत्य है। कई बार जो बात हजारों शब्द नहीं कह पाते, उसे एक सशक्त तस्वीर कुछ क्षणों में कह देती है। तस्वीरें केवल दृश्य नहीं होतीं, वे समय की साक्षी, समाज का आईना और इतिहास की अमिट धरोहर होती हैं। हर वर्ष 19 अगस्त को विश्व फोटोग्राफी दिवस मनाया जाता है। यह दिवस केवल कैमरे के आविष्कार का उत्सव नहीं है, बल्कि उन सभी छायाकारों, फोटो पत्रकारों और कलाकारों के प्रति सम्मान का अवसर है, जिन्होंने अपने कैमरे से मानव सभ्यता के संघर्ष, उपलब्धियों, संस्कृति और संवेदनाओं को अमर बना दिया। 19 अगस्त 1839 को फ्रांस की सरकार ने डागेरियोटाइप नामक प्रारंभिक फोटोग्राफी तकनीक को सार्वजनिक उपयोग के लिए उपलब्ध कराया। यह तकनीक फ्रांसीसी कलाकार लुई दागेर द्वारा विकसित की गई थी। इसी ऐतिहासिक घटना की स्मृति में प्रतिवर्ष 19 अगस्त को विश्व फोटोग्राफी दिवस मनाया जाता है। फोटोग्राफी के आरंभिक दौर में एक तस्वीर लेने में कई मिनट लग जाते थे, जबकि आज अत्याधुनिक डिजिटल कैमरे और स्मार्टफोन एक क्षण में उच्च गुणवत्ता वाली तस्वीरें लेने में सक्षम हैं। तकनीक बदली है, लेकिन तस्वीरों की संवेदनात्मक शक्ति आज भी उतनी ही प्रभावशाली है। यदि हमारे पास ऐतिहासिक घटनाओं के चित्र न होते, तो अनेक घटनाएं केवल पुस्तकों तक सीमित रह जातीं। स्वतंत्रता आंदोलन, विभाजन की पीड़ा, प्राकृतिक आपदाएं, वैज्ञानिक उपलब्धियां, खेलों के स्वर्णिम क्षण और सामाजिक आंदोलनों की तस्वीरें आज भी आने वाली पीढ़ियों को उस समय की वास्तविकता से परिचित कराती हैं। एक ऐतिहासिक तस्वीर केवल किसी घटना का दृश्य नहीं होती, बल्कि उस समय की भावनाओं, संघर्षों और परिस्थितियों का भी जीवंत दस्तावेज होती है। समाचार-पत्रों और समाचार चैनलों की विश्वसनीयता में फोटो पत्रकारिता की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। एक सटीक और प्रामाणिक तस्वीर किसी समाचार को अधिक प्रभावशाली, विश्वसनीय और संवेदनशील बना देती है। फोटो पत्रकार केवल तस्वीरें नहीं खींचता, बल्कि वह समाज के सामने सत्य प्रस्तुत करने का साहस भी दिखाता है। युद्ध, महामारी, प्राकृतिक आपदाएं, चुनाव, सामाजिक आंदोलन और जनजीवन की वास्तविकताओं को दुनिया तक पहुँचाने में फोटो पत्रकारों का योगदान अमूल्य है। कई बार एक तस्वीर किसी सरकार की नीतियों पर प्रश्न खड़े करती है, समाज को झकझोरती है और जनमत को प्रभावित करती है। यही फोटो पत्रकारिता की सबसे बड़ी शक्ति है। भारत में फोटोग्राफी का इतिहास लगभग दो शताब्दियों पुराना है। प्रारंभ में इसका उपयोग राजपरिवारों, स्थापत्य और पुरातात्विक धरोहरों के दस्तावेजीकरण के लिए हुआ। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान अनेक तस्वीरों ने राष्ट्रीय चेतना को नई दिशा दी। आज भारतीय फोटोग्राफर वन्यजीव, पर्यावरण, संस्कृति, खेल, विज्ञान और अंतरिक्ष तक के अद्भुत चित्रों के माध्यम से विश्व स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं। स्मार्टफोन और सोशल मीडिया ने फोटोग्राफी को जन-जन तक पहुँचा दिया है। अब लगभग हर व्यक्ति अपने हाथ में कैमरा लिए हुए है। यह लोकतंत्रीकरण एक बड़ी उपलब्धि है, लेकिन इसके साथ चुनौतियां भी आई हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (अक), डीपफेक और डिजिटल संपादन तकनीकों ने तस्वीरों की प्रामाणिकता पर नए प्रश्न खड़े किए हैं। इसलिए आज फोटो पत्रकारिता में सत्य, पारदर्शिता और नैतिकता पहले से अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। फोटोग्राफी केवल समाचारों तक सीमित नहीं है। वन्यजीव संरक्षण, जैव विविधता, लोकसंस्कृति, पुरातात्विक धरोहरों और प्राकृतिक सौंदर्य के संरक्षण में भी इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। अनेक दुर्लभ प्रजातियों और सांस्कृतिक विरासतों का दस्तावेजीकरण फोटोग्राफी के माध्यम से ही संभव हुआ है। आज इस दौर में फोटोग्राफी केवल शौक नहीं, बल्कि एक सम्मानजनक करियर भी है। फोटो पत्रकारिता, वन्यजीव फोटोग्राफी, फैशन, विवाह, खेल, चिकित्सा, वैज्ञानिक अनुसंधान, विज्ञापन और डिजिटल कंटेंट निर्माण जैसे अनेक क्षेत्रों में कुशल फोटोग्राफरों की मांग लगातार बढ़ रही है। लेकिन सफल फोटोग्राफर वही बन सकता है, जिसके कैमरे में केवल तकनीक नहीं, बल्कि संवेदना, धैर्य और सत्य के प्रति प्रतिबद्धता भी हो। कैमरा कभी झूठ नहीं बोलता, झूठ बोलता है उसका उपयोग करने वाला व्यक्ति। इसलिए फोटोग्राफी का सबसे बड़ा धर्म है सत्य का सम्मान। जब तस्वीरें निष्पक्षता, संवेदनशीलता और मानवीय मूल्यों के साथ ली जाती हैं, तब वे इतिहास की अमूल्य धरोहर बन जाती हैं। विश्व फोटोग्राफी दिवस हमें यह संकल्प लेने की प्रेरणा देता है कि हम कैमरे का उपयोग केवल सुंदर दृश्य कैद करने के लिए नहीं, बल्कि समाज में जागरूकता, संवेदना और सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए भी करें। फोटोग्राफी समय को थाम लेने की कला है। बीतते हुए क्षणों को भविष्य के लिए सुरक्षित रखना ही उसका सबसे बड़ा चमत्कार है। कैमरा केवल दृश्य नहीं पकड़ता, वह भावनाएं, संघर्ष, उपलब्धियां और इतिहास भी संजोता है। इसलिए हर तस्वीर अपने भीतर एक कहानी, एक संदेश और एक युग की स्मृति लेकर चलती है।

बीपीएससी प्रतिभा और सीएम फेलोशिप: बिहार के प्रशासनिक सुधार का नया दौर

प्रभात कुमार चंद्रवंशी

बिहार ने पिछले दो दशकों में शासन और विकास के क्षेत्र में कई ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और डिजिटल गवर्नेंस में राज्य ने नई पहचान बनाई है। इसी कड़ी में सीएम युंग प्रोफेशनल फेलोशिप) को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। बीपीएससी साक्षात्कार उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को इस कार्यक्रम में शामिल करना बिहार सरकार के लिए प्रशासनिक सुधार का एक सुनहरा मौका है। पहला कारण है तैयार प्रतिभा का तुरंत उपयोग। बीपीएससी की प्रक्रिया देश की सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक है। प्रारंभिक, मुख्य परीक्षा और साक्षात्कार के तीन चरणों से गुजरकर जो अभ्यर्थी आते हैं, वे न केवल विषय-विशेषज्ञ होते हैं बल्कि तनाव में निर्णय लेने, संवाद करने और नीति को समझने में भी सक्षम होते हैं। इन्हें अतिरिक्त लंबा प्रशिक्षण देने की आवश्यकता नहीं है। यदि इन्हें सीधे जिला, प्रखंड और विभाग स्तर पर फेलो के रूप में लगाया जाए, तो ये डाटा विश्लेषण, योजना निर्माण, जन-शिकायत निवारण और फ्लैगशिप योजनाओं की मॉनिटरिंग में तुरंत योगदान दे सकते हैं। दूसरा महत्वपूर्ण बिंदु है नियुक्ति की प्रतीक्षा अवधि का सदुपयोग। हर वर्ष सैकड़ों अभ्यर्थी अंतिम परिणाम और नियुक्ति पत्र की प्रतीक्षा करते हैं। इस 6 महीने से 2 साल तक के अंतराल में उनकी ऊर्जा और कौशल का उपयोग नहीं हो पाता। फेलोशिप के माध्यम से इन्हें मानदेय के साथ राज्य सेवा से जोड़कर हम दोहरा लाभ ले सकते हैं। एक ओर अभ्यर्थियों को व्यावहारिक प्रशासनिक अनुभव मिलेगा, दूसरी ओर सरकार को कम लागत में उच्च गुणवत्ता वाली मानव संसाधन शक्ति मिलेगी। तीसरा पहलू क्षेत्रीय विकास और नवाचार से जुड़ा है। बिहार के हर जिले की समस्या अलग है - बाढ़, पलायन, कृषि, शिक्षा और उद्यमिता। बीपीएससी अभ्यर्थी बिहार की जमीनी हकीकत को समझते हैं और साथ ही राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय नीतियों की भी जानकारी रखते हैं। इन्हें सीएम फेलोशिप के तहत जिलाधिकारी, विकास आयुक्त कार्यालय और विभिन्न मिशन निदेशालयों से जोड़ने पर स्थानीय स्तर पर शोध-आधारित समाधान निकलेंगे। ये युवा नई तकनीक, सोशल मीडिया और सामुदायिक भागीदारी के जरिए सरकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में सेतु बन सकते हैं। अंत में, यह कदम युवाओं में विश्वास भी बढ़ाएगा। जब एक मेहनती अभ्यर्थी को लगेगा कि उसकी मेहनत को सरकार सम्मान दे रही है, तो वह और अधिक निष्ठा से काम करेगा। यह पारदर्शिता और योग्यता आधारित प्रशासन की दिशा में बड़ा संदेश होगा। अतः बीपीएससी साक्षात्कार उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को (सीएम युंग प्रोफेशनल फेलोशिप) में शामिल करना केवल एक भर्ती का मुद्दा नहीं, बल्कि बिहार के प्रशासनिक तंत्र को युवा, ऊर्जावान और परिणाम-उन्मुख बनाने का ऐतिहासिक अवसर है। इस अवसर को हाथ से नहीं जाने देना चाहिए।

होर्मुज पर अमेरिका-ईरान आमने-सामने, जुबानी जंग ने बढ़ाई तनाव की तपिश

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान को हराने के बाद अमेरिका होर्मुज जलडमरूमध्य को अमेरिकी क्षेत्र घोषित कर सकता है। इसके जवाब में ईरान ने अमेरिका को अपनी सुरक्षा पर ध्यान देने की सलाह देते हुए साफ संकेत दिया है कि वह इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग पर अपने प्रभाव से पीछे हटने को तैयार नहीं है। तनाव के बीच सोमवार को ईरानी सेना के कमांडर-इन-चीफ अमीर हातमी का बयान सामने आया, जिसने विवाद को और गंभीर बना दिया। रिपोर्टों के अनुसार हातमी ने अमेरिकी सैनिक को मारने या पकड़ने वाले व्यक्ति के लिए 30 हजार डॉलर के इनाम की घोषणा की है। किसी महिला द्वारा ऐसा करने पर इनाम दोगुना बताया गया है। यह घोषणा ऐसे समय हुई है जब दोनों देशों के बीच बातचीत ठप है और युद्धविराम तथा शांति समझौते को लेकर भी कोई ठोस प्रगति नहीं हो सकी है। हातमी ने इसे लोगों की ओर से लगातार की जा रही मांगों से जुड़ी योजना बताया और कहा कि इसका उद्देश्य युद्ध प्रयासों के लिए आर्थिक सहयोग जुटाना है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिकी सैनिक के खिलाफ इस्तेमाल किए गए हथियार को उसकी कीमत से अधिक रकम देकर खरीदा जाएगा और उसे संग्रहालय में सुरक्षित रखा जाएगा।

कांतिलाल मांडोत

लेखक

ईरान और अमेरिका के बीच चल रहा तनाव अब केवल सैन्य और कूटनीतिक मोर्चे तक सीमित नहीं रह गया है। दोनों देशों के नेताओं और अधिकारियों के बयानों में तल्खी लगातार बढ़ती जा रही है। खास तौर पर होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर दोनों पक्ष आमने-सामने हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान को हराने के बाद अमेरिका होर्मुज जलडमरूमध्य को अमेरिकी क्षेत्र घोषित कर सकता है। इसके जवाब में ईरान ने अमेरिका को अपनी सुरक्षा पर ध्यान देने की सलाह देते हुए साफ संकेत दिया है कि वह इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग पर अपने प्रभाव से पीछे हटने को तैयार नहीं है। तनाव के बीच सोमवार को ईरानी सेना के कमांडर-इन-चीफ अमीर हातमी का बयान सामने आया, जिसने विवाद को और गंभीर बना दिया। रिपोर्टों के अनुसार हातमी ने अमेरिकी सैनिक को मारने या पकड़ने वाले व्यक्ति के लिए 30 हजार डॉलर के इनाम की घोषणा की है। किसी महिला द्वारा ऐसा करने पर इनाम दोगुना बताया गया है। यह घोषणा ऐसे समय हुई है जब दोनों देशों के बीच बातचीत ठप है और युद्धविराम तथा शांति समझौते को लेकर भी कोई ठोस प्रगति नहीं हो सकी है। हातमी ने इसे लोगों की ओर से लगातार की जा रही मांगों से जुड़ी योजना बताया और कहा कि इसका उद्देश्य युद्ध प्रयासों के लिए आर्थिक सहयोग जुटाना है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिकी सैनिक के खिलाफ इस्तेमाल किए गए हथियार को उसकी कीमत से अधिक रकम देकर खरीदा जाएगा और उसे संग्रहालय में सुरक्षित रखा जाएगा। इस बयान का राजनीतिक संदेश स्पष्ट है कि तेहरान अपने समर्थकों के बीच अमेरिकी विरोध को और मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। हालांकि ऐसे बयान तनाव कम करने के बजाय दोनों देशों के बीच अविश्वास और टकराव को बढ़ाने वाले हैं। अमेरिका और ईरान के बीच मौजूदा टकराव में होर्मुज जलडमरूमध्य सबसे संवेदनशील मुद्दा बन चुका है। यह समुद्री मार्ग वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। पिछले दिनों यहां जहाजों की आवाजाही में भारी कमी आई है। रॉयटर्स के अनुसार शनिवार को इस मार्ग से केवल पांच जहाज गुजरे, जबकि रविवार को कोई जहाज नहीं निकला। सामान्य स्थिति की तुलना में यह गिरावट वैश्विक व्यापार और ऊर्जा बाजार के लिए बड़ी चिंता का कारण है। ट्रंप के अमेरिकी क्षेत्र घोषित करने वाले बयान के बाद ईरान की ओर से तीखी प्रतिक्रिया आई। तेहरान का कहना है कि अमेरिका को होर्मुज पर अधिकार जताने के बजाय अपनी सुरक्षा की चिंता करनी चाहिए। ईरानी अधिकारियों ने यह भी संकेत दिया है कि जब तक अमेरिका अपनी मौजूदा नीति में बदलाव नहीं करता, तब तक इस जलडमरूमध्य को लेकर कोई स्थायी समझौता मुश्किल है। ईरान की स्थिति यह है कि क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था में उसकी भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, जबकि अमेरिका इसे अंतरराष्ट्रीय समुद्री आवागमन और ऊर्जा आपूर्ति से जोड़कर देख रहा है। ट्रंप का तर्क है कि अमेरिका को रणनीतिक समुद्री मार्ग की सुरक्षा सुनिश्चित करनी होगी। उनका कहना है कि ईरान को परमाणु क्षमता हासिल करने से रोकने के लिए उठाए जा रहे कदमों की कीमत अमेरिकी जनता को भी चुकानी पड़ सकती है। उन्होंने बढ़ती ईंधन कीमतों को लेकर अमेरिकी नागरिकों से अधिक कीमत स्वीकार करने की अपील तक की है। इससे स्पष्ट है कि वाशिंगटन फिलहाल आर्थिक दबाव और सैन्य दबदबे दोनों को अपनी रणनीति का हिस्सा बनाए हुए है। इसी बीच ईरान ने कतर पर अपने तीन सैन्य पायलटों को हिरासत में रखने का आरोप लगाया है। ईरान के अनुसार, ये पायलट 2 मार्च को उस समय लापता हुए जब उनके विमान कतर की वायु रक्षा की कार्रवाई की चपेट में आए। ईरानी पक्ष का दावा है कि पायलट विमान से बाहर निकलने के बाद जीवित थे और कतर के अधिकारियों ने उन्हें पकड़ लिया। तेहरान ने रेड क्रॉस से इस मामले की जांच और पायलटों की स्थिति स्पष्ट कराने की अपील की है। ।लांकि इस दावे को कतर ने खारिज कर दिया है। दोहा का कहना है कि ईरान की ओर से लगाए गए आरोप भ्रामक हैं। कतर के अनुसार मार्च में उसके हवाई क्षेत्र का उल्लंघन करने वाले विमानों के मामले में घटनाक्रम ईरान के दावे से अलग था। इस तरह यह मामला भी अमेरिका-ईरान संघर्ष से निकलकर खाड़ी देशों के बीच तनाव का नया विषय बनता दिखाई दे रहा है। इस पूरे संकट का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि अमेरिका के कुछ खाड़ी सहयोगियों में भी मौजूदा रणनीति को लेकर बेचैनी बढ़ रही है। वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, खाड़ी देशों के नेताओं में यह चिंता बढ़ रही है कि ट्रंप प्रशासन ईरान के साथ कूटनीतिक समाधान निकालने में अपेक्षित सफलता हासिल नहीं कर पा रहा है। लंबे समय तक चल रहे संघर्ष और क्षेत्रीय अस्थिरता के कारण इन देशों को अपनी सुरक्षा और अमेरिकी सैन्य मौजूदगी के भविष्य को लेकर नए सवालों का सामना करना पड़ रहा है। खाड़ी देशों की परेशानी इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि वे स्वयं इस संघर्ष के आर्थिक और सुरक्षा संबंधी प्रभावों से बच नहीं सकते। होर्मुज में जहाजों की आवाजाही प्रभावित होने का सीधा असर तेल, गैस, समुद्री परिवहन और वैश्विक बाजारों पर पड़ता है। ऐसे में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव केवल दोनों देशों का द्विपक्षीय विवाद नहीं रह जाता, बल्कि पूरी खाड़ी और विश्व अर्थव्यवस्था के लिए चुनौती बन जाता है। अमेरिका और ईरान के बीच जून में हुए समझौते से कुछ समय के लिए तनाव कम होने की उम्मीद बनी थी। इसका उद्देश्य संघर्ष को रोकना, होर्मुज को फिर से खोलना और ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत आगे बढ़ाना था। लेकिन 17 अगस्त तक निर्धारित 60 दिन की समयसीमा भी बिना किसी स्थायी समाधान के समाप्त हो गई। दोनों पक्ष एक-दूसरे पर समझौते का उल्लंघन करने के आरोप लगा रहे हैं। ईरान की मांगों में होर्मुज पर नियंत्रण, अमेरिकी सैन्य दबाव में कमी, नाकेबंदी खत्म करना, युद्ध से हुए नुकसान की भरपाई और आर्थिक प्रतिबंधों में राहत जैसे मुद्दे शामिल हैं। दूसरी ओर अमेरिका ईरान पर आर्थिक और राजनीतिक दबाव बनाए रखना चाहता है। यही मूल मतभेद बातचीत को आगे बढ़ने से रोक रहे हैं। दोनों पक्ष अपनी-अपनी शर्तों को राष्ट्रीय सुरक्षा और संप्रभुता से जोड़ रहे हैं, इसलिए समझौते की गुंजाइश लगातार सीमित होती जा रही है।

मुफ्त की रेवड़ियां नहीं - मजबूत कमाई वाली अर्थव्यवस्था होनी चाहिए

लेकिन सवाल यह है कि क्या हर समस्या का समाधान मुफ्त वस्तुओं और नकद सहायता के वितरण में खोजा जाना चाहिए? क्या सरकारों की जिम्मेदारी केवल लोगों को राहत देना है या ऐसी अर्थव्यवस्था बनाना भी है, जिसमें आम आदमी की आय इतनी तेजी से बढ़े कि वह महंगाई का मुकाबला कर सके? आज भारत के सामने सबसे बड़ी जरूरत मुफ्त की रेवड़ियों का दायरा बढ़ाने की नहीं है, बल्कि रोजगार, आय, उत्पादकता और अवसरों को बढ़ाने वाली अर्थव्यवस्था तैयार करने की है। ऐसी अर्थव्यवस्था, जिसमें गरीब परिवार गरीबी से बाहर निकल सके, मध्यवर्ग आर्थिक दबाव से राहत महसूस कर सके और मेहनत करने वाले व्यक्ति को अपनी मेहनत का सम्मानजनक प्रतिफल मिल सके। चुनावी राजनीति में मुफ्त बिजली, मुफ्त पानी, मुफ्त राशन, नकद सहायता, मुफ्त यात्रा, लैपटॉप, साइकिल या दूसरी सुविधाओं की घोषणाएं मतदाताओं को आकर्षित कर सकती हैं। कई योजनाएं वास्तव में जरूरतमंदों के लिए राहत का काम भी करती हैं। लेकिन जब मुफ्त वितरण राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का स्थायी माध्यम बन जाता है, तब इसके आर्थिक प्रभाव पर गंभीर चर्चा आवश्यक हो जाती है।

जितेन्द्र कुमार सिन्हा

(लेखक)

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में गरीब और जरूरतमंद लोगों के लिए सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का अपना महत्व है। लेकिन सवाल यह है कि क्या हर समस्या का समाधान मुफ्त वस्तुओं और नकद सहायता के वितरण में खोजा जाना चाहिए? क्या सरकारों की जिम्मेदारी केवल लोगों को राहत देना है या ऐसी अर्थव्यवस्था बनाना भी है, जिसमें आम आदमी की आय इतनी तेजी से बढ़े कि वह महंगाई का मुकाबला कर सके? आज भारत के सामने सबसे बड़ी जरूरत मुफ्त की रेवड़ियों का दायरा बढ़ाने की नहीं है, बल्कि रोजगार, आय, उत्पादकता और अवसरों को बढ़ाने वाली अर्थव्यवस्था तैयार करने की है। ऐसी अर्थव्यवस्था, जिसमें गरीब परिवार गरीबी से बाहर निकल सके, मध्यवर्ग आर्थिक दबाव से राहत महसूस कर सके और मेहनत करने वाले व्यक्ति को अपनी मेहनत का सम्मानजनक प्रतिफल मिल सके। चुनावी राजनीति में मुफ्त बिजली, मुफ्त पानी, मुफ्त राशन, नकद सहायता, मुफ्त यात्रा, लैपटॉप, साइकिल या दूसरी सुविधाओं की घोषणाएं मतदाताओं को आकर्षित कर सकती हैं। कई योजनाएं वास्तव में जरूरतमंदों के लिए राहत का काम भी करती हैं। लेकिन जब मुफ्त वितरण राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का स्थायी माध्यम बन जाता है, तब इसके आर्थिक प्रभाव पर गंभीर चर्चा आवश्यक हो जाती है। सरकार के पास पैसा कोई जादुई स्रोत नहीं है। सरकार जो खर्च करती है, उसका बड़ा हिस्सा अंततः जनता से प्राप्त करों, शुल्कों और अन्य राजस्व स्रोतों से आता है। इसलिए सरकारी धन के प्रत्येक रुपये का उपयोग सोच-समझकर होना चाहिए। जरूरतमंद व्यक्ति को सहायता देना और पूरी आबादी को लगातार मुफ्त सुविधाओं का आदी बनाना, इन दोनों में बड़ा अंतर है। पहली व्यवस्था सामाजिक सुरक्षा हो सकती है, जबकि दूसरी व्यवस्था लंबे समय में आर्थिक निर्भरता पैदा कर सकती है। देश में लाखों लोग प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से करों का भुगतान करते हैं। वेतनभोगी कर्मचारी अपनी आय पर कर देते हैं, कारोबारी और उद्यमी विभिन्न करों का भुगतान करते हैं तथा आम उपभोक्ता रोजमर्रा की वस्तुओं और सेवाओं पर अप्रत्यक्ष कर देता है। इसलिए सरकार के पास उपलब्ध धन वास्तव में जनता का धन है। इस धन का उपयोग शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, सिंचाई, परिवहन, सुरक्षा, रोजगार सृजन और आधारभूत ढांचे के निर्माण में किया जाए तो उसका प्रभाव लंबे समय तक दिखाई देता है। इसके विपरीत यदि सीमित संसाधनों का बड़ा हिस्सा ऐसी योजनाओं में खर्च हो, जिनसे दीर्घकालिक उत्पादक क्षमता नहीं बढ़ती है, तो सरकार के पास विकास कार्यों के लिए संसाधन कम पड़ सकते हैं। इसलिए सवाल यह नहीं होना चाहिए कि सरकार गरीबों की मदद करे या नहीं। सवाल यह होना चाहिए कि मदद का ऐसा मॉडल क्या हो, जो आज राहत दे और कल व्यक्ति को आत्मनिर्भर भी बनाए। गरीबी केवल आय की कमी का नाम नहीं है। गरीबी का संबंध शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल, रोजगार, आवास, पोषण और अवसरों से भी है। यदि किसी गरीब परिवार को कुछ समय के लिए आर्थिक सहायता मिलती है और उसी के साथ उसके परिवार के बच्चों को अच्छी शिक्षा, युवाओं को कौशल प्रशिक्षण तथा परिवार के वयस्कों को रोजगार मिलता है, तो सहायता विकास का माध्यम बन जाती है। लेकिन यदि सहायता केवल वितरण तक सीमित रह जाए और व्यक्ति के पास स्थायी आय का साधन न बने, तो समस्या का मूल समाधान नहीं होता है। जरूरत इस बात की है कि गरीब परिवारों को मुफ्त की वस्तुओं से ज्यादा कमाने के अवसर मिले। उन्हें ऐसा कौशल मिले जिससे वे बाजार में अपनी सेवाएं बेच सके। छोटे कारोबार के लिए पूंजी मिले। किसानों को बेहतर तकनीक, सिंचाई और बाजार मिले। युवाओं को रोजगार मिले और महिलाओं को आर्थिक गतिविधियों में भागीदारी के अवसर मिले। यही वास्तविक आत्मनिर्भरता है। रेवड़ी की चर्चा अक्सर गरीबों के संदर्भ में होती है, लेकिन मध्यवर्ग की आर्थिक चुनौतियों पर भी ध्यान देना जरूरी है। मध्यवर्ग परिवार की आय बढ़ती जरूर है, लेकिन उसके साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, मकान, परिवहन, बच्चों की पढ़ाई और रोजमर्रा की जरूरतों का खर्च भी बढ़ता रहता है। कई परिवारों के सामने स्थिति यह है कि वे सरकारी सहायता के पात्र नहीं होते हैं, लेकिन महंगाई का दबाव लगातार महसूस करते हैं। वे टैक्स भी देते हैं और अपनी अधिकांश जरूरतों का खर्च भी स्वयं उठाते हैं। इसलिए आर्थिक नीति का लक्ष्य केवल गरीबों को राहत देना नहीं होना चाहिए। मध्यवर्ग की वास्तविक आय बढ़ाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। यदि किसी कर्मचारी का वेतन सालाना 8 प्रतिशत बढ़ता है, लेकिन उसकी आवश्यक वस्तुओं और सेवाओं की लागत उससे अधिक तेजी से बढ़ती है, तो कागज पर आय बढ़ने के बावजूद उसकी क्रय शक्ति कमजोर हो सकती है। यही कारण है कि महंगाई को नियंत्रित रखने के साथ-साथ आय और उत्पादकता बढ़ाना जरूरी है। किसी गरीब परिवार को हर महीने कुछ हजार रुपये देना निश्चित रूप से तत्काल राहत दे सकता है। लेकिन उसी परिवार के एक सदस्य को स्थायी रोजगार मिल जाए तो उसका प्रभाव कहीं ज्यादा व्यापक हो सकता है। रोजगार व्यक्ति को केवल आय नहीं देता है, बल्कि आत्मसम्मान, निर्णय लेने की क्षमता और भविष्य की योजना बनाने का अवसर भी देता है। इसलिए सरकारों को ऐसी अर्थव्यवस्था पर ध्यान देना चाहिए जिसमें बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा हो। विनिर्माण, निर्माण, पर्यटन, कृषि-प्रसंस्करण, सेवा क्षेत्र, डिजिटल अर्थव्यवस्था, परिवहन, लॉजिस्टिक्स और छोटे उद्योग रोजगार

भगवान के दरबार में भी वीआईपी और पैसे से जल्दी दर्शन क्यों .....?

सुरेश सिंह बैस शाश्वत

भारत केवल मंदिरों का देश नहीं है, यह आस्था का देश है। यहां तीर्थयात्रा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि मनुष्य की आत्मिक शांति, विश्वास और ईश्वर के प्रति समर्पण की यात्रा मानी जाती है। देश के बड़े-बड़े मंदिरों में प्रतिदिन हजारों-लाखों श्रद्धालु इसी विश्वास के साथ पहुंचते हैं कि कुछ क्षण भगवान के सम्मुख खड़े होकर अपने जीवन की पीड़ा, प्रार्थना और कृतज्ञता अर्पित कर सकें। लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि अनेक प्रसिद्ध तीर्थस्थलों पर भीड़ और लंबी कतारों के बीच एक ऐसा समानांतर तंत्र दिखाई देने लगा है, जिसमें कुछ लोग श्रद्धालुओं को यह कहकर आकर्षित करते हैं– लाइन में क्यों खड़े हैं, जल्दी दर्शन करा देंगे। इसके बाद शुरू होती है सौदेबाजी–1100 लगेंगे, 900 में करा देंगे, 800 दे दीजिए। सवाल यह है कि आखिर यह व्यवस्था किसकी अनुमति से चल रही है? यहां यह स्पष्ट करना जरूरी है कि हर मंदिर में अधिकृत शुल्क वाली शीघ्र या विशेष दर्शन व्यवस्था को अवैध कहना उचित नहीं होगा। समस्या उस समय पैदा होती है, जब मंदिर की निर्धारित व्यवस्था के बाहर कोई व्यक्ति या बिचौलिया नकद पैसे लेकर दर्शन कराने का दावा करे और श्रद्धालु को यह पता ही न हो कि वह अधिकृत सेवा ले रहा है या ठगी का शिकार हो रहा है। आस्था और मजबूरी के बीच बिचौलियों का बाजार मैंने स्वयं ऐसे अनुभव देखे और झेले हैं। कई श्रद्धालुओं ने भी इस प्रकार की शिकायतें मेरे सामने रखी हैं। हाल ही में मेरे एक मित्र, जो गुजरात के गांधीधाम में रहते हैं, मनु भाई ने अपना अनुभव बताते हुए कहा कि वे द्वारकाधीश मंदिर पहुंचे। लंबी कतार देखकर उनकी हिम्मत जवाब देने लगी। उम्र के इस पड़ाव पर घंटों खड़े रहना उनके लिए कठिन था। इसी बीच एक व्यक्ति ने उनसे जल्दी दर्शन कराने के नाम पर 1100 रुपये मांगे और अंततः 800 रुपये में सौदा तय हुआ। यह अनुभव केवल एक व्यक्ति की परेशानी मानकर नजरअंदाज कर देना आसान है, लेकिन यदि ऐसी शिकायतें अलग-अलग तीर्थस्थलों से लगातार सामने आती हैं तो प्रशासन के लिए यह गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। दिसंबर 2024 में द्वारका क्षेत्र में वायरल वीडियो को लेकर ऐसी खबरें भी सामने आई थीं, जिनमें एजेंटों द्वारा पैसे लेकर VIP दर्शन कराने के दावे किए गए थे। एक रिपोर्ट में 1100 रुपये मांगने और बाद में रकम कम करने की बातचीत का भी उल्लेख था। इससे यह सवाल और गंभीर हो जाता है कि यदि किसी मंदिर में अधिकृत दर्शन व्यवस्था है तो उसके नाम पर अनधिकृत बिचौलिये कैसे सक्रिय हो जाते हैं? अदालतों ने भी उठाया है सवाल यह समस्या केवल श्रद्धालुओं की शिकायतों तक सीमित नहीं है। तमिलनाडु में मंदिरों से संबंधित मामलों में मद्रास उच्च न्यायालय को भी अवैध वसूली और बिचौलियों की भूमिका पर हस्तक्षेप करना पड़ा है। अगस्त 2025 में मद्रास उच्च न्यायालय ने तिरुचेंदूर सुब्रमण्यम स्वामी मंदिर में श्रद्धालुओं से कम प्रतीक्षा समय में दर्शन कराने के नाम पर अनधिकृत व्यक्तियों द्वारा पैसे लेने के मामले में कार्रवाई के निर्देश दिए थे। अदालत ने पुलिस और मंदिर प्रशासन को ऐसे बिचौलियों के विरुद्ध कार्रवाई करने को कहा। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि तमिलनाडु के मंदिरों के संदर्भ में न्यायालय ने स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए कि मंदिरों में बिचौलियों द्वारा श्रद्धालुओं से धन वसूलने की अनुमति नहीं होनी चाहिए तथा मंदिर की सेवाओं के लिए भुगतान मंदिर प्रशासन के माध्यम से और उचित रसीद के साथ होना चाहिए। अर्थात समस्या काल्पनिक नहीं है। देश के कुछ मंदिरों में ऐसी अनियमितताओं को लेकर प्रशासन और न्यायपालिका को भी हस्तक्षेप करना पड़ा है। कैश फॉर दर्शन पर कार्रवाई का उदाहरण मई 2026 में तिरुचेंदूर मंदिर में निरीक्षण के दौरान एक पुजारी द्वारा दर्शन के लिए कथित रूप से 1,000 रुपये मांगने का मामला सामने आया। रिपोर्ट के अनुसार उस समय मंदिर प्रशासन ने भीड़ के दौरान समान और निःशुल्क दर्शन सुनिश्चित करने के लिए भुगतान आधारित दर्शन व्यवस्था रोक रखी थी। मामले की जांच शुरू की गई। जुलाई 2026 में तमिलनाडु के हिंदू धार्मिक एवं धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग के मंत्री ने भी मंदिरों में अवैध धन वसूली और अन्य अनियमितताओं की शिकायतें प्रमाण सहित देने की अपील की थी।

संक्षिप्त खबरें

बाल श्रम मे लगे पांच बालकों को मुक्त कराया

फिरोजाबाद। जनपद के श्रम प्रवर्तन और पुलिस विभाग की टीम द्वारा मंगलवार को थाना उत्तर और दक्षिण क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर की गई कार्रवाई में बाल श्रम में लगे 5 बालकों को मुक्त कराकर परिजनों को सोपा गया। थाना प्रभारी एएचटी की टीम ने मंगलवार को बोल श्रम प्रवर्तन दल की टीम के साथ थाना उत्तर और थाना दक्षिण क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर छापामार कार्रवाई की गई जिसमें अनेक जगह बाल श्रमिक काम करते मिले टीम द्वारा पांच बाल श्रमिकों को वहां से मुक्त कराकर उनके परिजनों को भविष्य में काम नहीं कराने की चेतावनी देकर सुपुर्द किया गया।

वाराणसी में सुसुवाही मार्ग पर जल भराव की समस्या

वाराणसी। वाराणसी में बीएचयू के पीछे सुसुवाही मार्ग पर जल भराव की समस्या से स्थानीय लोगों ने भाजपा के पार्षद सुरेश सिंह पटेल से समाधान के लिए अनुरोध किया है, फिर भी जल भराव का कोई समाधान निकल नहीं पा रहा है। सुसुवाही मार्ग पर नवनीता कुंवर स्कूल भी है, जिसके प्रबंधक दिवाकर राय ने इस संबंध में कई बार पार्षद को सूचित किया है। दिवाकर राय ने बताया कि बारिश के दिनों में स्कूल के पास जल भराव से बच्चों को आने-जाने में कठिनाई होती है। जिसको लेकर पार्षद से समस्या का निदान करने के लिए कहा गया, फिर भी अभी तक कुछ नहीं हो सका है। बच्चों को पैदल निकलने में कठिनाई होती है। नारायणपुर निवासी अवनीश कुमार सिंह ने कहा कि सुसुवाही नुवाँव वार्ड से पार्षद सुरेश सिंह पटेल जल भराव की समस्या को लेकर कोई ठोस कदम उठाते नहीं दिख रहे है। बीएचयू के पीछे पिछले आठ वर्षो से लगातार बरसात में पानी लगता है। ये समस्या पुरे बरसात भर रहती है। यहां से स्कूल के बच्चे आते जाते है तो स्थानीय लोगों का भी पैदल आवागमन रहता है। निकटस्थ कॉलोनी के लोगों को जलभराव से विशेष रूप से समस्या है। पार्षद सुरेश सिंह ने बताया कि सुसुवाही मार्ग में जहां जल भराव होता है, वहां पर मिट्टी दब जाने के कारण सड़क थोड़ी नीची है। जिसके कारण बरसात का पानी लग जाता है और धीरे-धीरे ही निकल पाता है। लगातार बरसात होने के कारण पानी को हटा पाना संभव नहीं है।

वाराणसी एयरपोर्ट पर पिस्टल से गोली चलने का मामला

वाराणसी। लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर लाइसेंसी पिस्टल से गोली चलने के मामले में जांच तेज हो गई है। घटना की रिपोर्ट गृह मंत्रालय ने तलब की है। केंद्रीय एजेंसियों ने भी मामले की जांच शुरू कर दी है और एक सप्ताह में विस्तृत रिपोर्ट देने को कहा गया है। अब पूरे मामले में जिम्मेदारी तय करने की कवायद शुरू हो गई है। रविवार को एयरपोर्ट पर लाइसेंसी पिस्टल से गोली चलने की घटना में महिला सुरक्षाकर्मी समेत दो लोग घायल हुए थे। घटना के बाद सोमवार से मामले की जांच शुरू हुई। डीजीसीए और केंद्रीय एजेंसियों की जांच में सामने आया कि शिवसेना नेता कमलेश राय ने अपनी पिस्टल सुरक्षा कर्मियों को सौंपने के बजाय खुद ही उसे दिखाने का प्रयास किया। इसी दौरान कथित तौर पर पिस्टल की गलत हैंडलिंग से गोली चल गई। जांच में यह भी सामने आया है कि कमलेश राय ने पिस्टल को सुरक्षा कर्मियों के हवाले नहीं किया था। वह खुद ही उसे दिखाने का प्रयास कर रहे थे। इसी दौरान गोली चलने से दो लोग घायल हो गए। घटना के बाद एयरपोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था और हथियारों की जांच से जुड़ी प्रक्रिया पर सवाल उठ रहे हैं। जांच एजेंसियों ने पूरे दिन एयरलाइन, एयरपोर्ट अथॉरिटी और मामले से जुड़े अन्य अधिकारियों व कर्मचारियों से अलग-अलग जानकारी ली। यह भी पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि लाइसेंसी हथियार के साथ यात्री प्रारंभिक सुरक्षा जांच से गुजरकर एयरपोर्ट के अंदर तक कैसे पहुंचा। दो स्तर पर होती है हथियारों की जांच एयरपोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था में हथियारों की जांच के लिए दो स्तर की व्यवस्था बताई गई है। प्रवेश जांच के दौरान सीआईएसएफ की भूमिका होती है। वहीं विमान में किसी व्यक्ति के पास हथियार मिलने या उससे जुड़ी घटना होने पर सीआईएसएफ के अलावा एयरपोर्ट सुरक्षा से जुड़े अधिकारियों की जिम्मेदारी भी तय होती है। जांच एजेंसियां यह भी देख रही हैं कि निर्धारित सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन किया गया था या नहीं। पिस्टल की जांच किस स्तर पर हुई और हथियार लेकर यात्री एयरपोर्ट परिसर के भीतर कैसे पहुंचा, इन बिंदुओं पर भी पड़ताल की जा रही है। हवाई यात्रा में लाइसेंसी हथियार के स्पष्ट नियम जांच में हवाई यात्रा के दौरान लाइसेंसी हथियार ले जाने के नियमों की भी समीक्षा की जा रही है। नियमानुसार हथियार लेकर विमान के केबिन में जाने की अनुमति नहीं होती। टिकट बुक कराने के दौरान यात्री को संबंधित एयरलाइन को इसकी जानकारी देनी होती है। हथियार से जुड़ी जानकारी और निर्धारित शुल्क जमा कराने के बाद प्रक्रिया के तहत उसे सुरक्षित रूप से जमा कराया जाता है। जांच एजेंसियां यह भी पता लगा रही हैं कि संबंधित यात्री ने हथियार के संबंध में निर्धारित प्रक्रिया का पालन किया था या नहीं।

पीआरडी जवानों को योगी की बड़ी सौगात, 600 रुपये होगा ड्यूटी भत्ता

प्रात : किरण संवाददाता

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को प्रांतीय रक्षक दल (पीआरडी) जवानों को बड़ी सौगात दी। इन जवानों को सपरिवार प्रति वर्ष पांच लाख रुपये मुफ्त इलाज से आच्छादित करने के साथ ही मुख्यमंत्री ने उनके दैनिक ड्यूटी भत्ता में वृद्धि करने की घोषणा की। अपने कार्यकाल में इसके पूर्व तीन बार ड्यूटी भत्ता बढ़ा चुके मुख्यमंत्री योगी ने गोरखपुर में आयोजित पीआरडी जवानों के सम्मेलन में चौथी बार वृद्धि का ऐलान करते हुए कहा कि अब पीआरडी जवानों को 500 रुपये की जगह प्रतिदिन 600 रुपये ड्यूटी भत्ता दिया जाएगा। मंगलवार को योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में आयोजित पीआरडी जवानों के सम्मेलन में मुख्यमंत्री योगी ने पीआरडी स्वयंसेवकों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा कार्ड का वितरण कर ह्यमुख्यमंत्री पीआरडी कैशलेस चिकित्सा योजनाह्ण का शुभारंभ किया। इसके साथ ही रिमोट का बटन दबाकर लखनऊ में करीब 23 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले बहुमंजिला पीआरडी बैरक का शिलान्यास भी किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में उन्होंने पीआरडी जवानों के लिए नई घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि 1948 में गठित पीआरडी के स्वयंसेवकों को 2019 तक 250 रुपये दैनिक ड्यूटी भत्ता मिलता था। 2019 में उन्होंने इसे बढ़ाकर 375 रुपये और 2022 में बढ़ाकर 395 रुपये किया था। 2025 में भत्ता वृद्धि फिर से की और बढ़ाकर 500 रुपये प्रतिदिन कर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा, ह्यअब पीआरडी स्वयंसेवकों का भत्ता 500 से रुपये से बढ़ाकर 600 रुपये प्रतिदिन करने जा रहे हैं।ह्ण उन्होंने कहा पीआरडी जवानों के लिए 75 वर्ष में भत्ता राशि 250 रुपये तक ही थी जबकि विगत आठ वर्ष में ही यह 250 से बढ़कर 600 रुपये होने जा रहा है। यह वृद्धि सौ प्रतिशत से भी अधिक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कानून का राज स्थापित कराने के लिए पुलिस और प्रशासन के सहयोग में पीआरडी के स्वयंसेवक अपनी भूमिका समर्पण भाव से निभाते हैं। पर, इसके बावजूद 2017 के पहले तक उन्हें ड्यूटी नहीं मिलती थी।

सवारियों को कार में लिफ्ट देकर लूटने वाले 2 बदमाश मुठभेड़ में गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

फिरोजाबाद। थाना फरिहा पुलिस ने सोमवार रात मुठभेड़ के बाद सवारियों को कार में लिफ्ट देकर लूटपाट करने वाले 2 वांछित बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक आरोपी पैर में गोली लगने से घायल हो गया। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से लूटा गया मोबाइल फोन, नकदी, अवैध तमंचा, खोखा और जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार घायल आरोपी गजेंद्र पर पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। थाना फरिहा के प्रभारी निरीक्षक पुष्पेंद्र कुमार के अनुसार, 11 अगस्त को फिरोजाबाद के शांति नगर, थाना रसूलपुर निवासी गौरव ने लूट की शिकायत दर्ज कराई थी। गौरव ने पुलिस को बताया कि वह यमुना एक्सप्रेसवे के कुबेरपुर क्षेत्र में खड़े होकर गौतमबुद्ध नगर जाने के लिए वाहन का इंतजार कर रहा था। इसी दौरान एक सफेद रंग की कार वहां आकर रुकी। कार में सवार लोगों ने गौरव को गौतमबुद्ध नगर तक छोड़ने की बात कही। भरोसा करके गौरव कार में बैठ गया। कुछ दूर जाने के बाद कार में बैठे बदमाशों ने उसे डराना-धमकाना शुरू कर दिया। आरोपियों ने उसका मोबाइल फोन और नकदी लूट ली। इसके बाद उसके मोबाइल से फोन पर भुगतान के माध्यम से रुपये अपने खाते या मोबाइल में स्थानांतरित कर लिए। वारदात के बाद बदमाश गौरव को थाना फरिहा क्षेत्र में छोड़कर फरार हो गए। गौरव की शिकायत के आधार पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। पुलिस टीम ने मार्ग पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और घटना में शामिल 5 युवकों की पहचान की। पुलिस के अनुसार, मामले में शामिल एक बाल अपचारी को घटना में प्रयुक्त कार के साथ पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। अन्य आरोपियों की तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही थी।सोमवार रात पुलिस को सूचना मिली कि मामले में वांछित बदमाश गागनी रोड पर किसी अन्य वारदात को अंजाम देने की फिराक में मौजूद हैं।

आईआईटी कानपुर और आगरा विश्वविद्यालय में साइबर सुरक्षा समझौता, छात्रों को मिलेगा लाभ

प्रात : किरण संवाददाता

कानपुर, 18 अगस्त (वेब वार्ता)। साइबर सुरक्षा शिक्षा को बड़े स्तर पर विद्यार्थियों तक पहुंचाने के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर के सी3आईहब ने डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा और विवेकानंद इन्क्यूबेशन फाउंडेशन के साथ त्रिपक्षीय समझौता किया है। इसके तहत विश्वविद्यालय से संबद्ध 570 से अधिक कॉलेजों के तीन लाख से अधिक विद्यार्थियों के लिए हिंदी में ऑनलाइन व्यावसायिक पाठ्यक्रम शुरू किया जाएगा। पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा की बुनियादी जानकारी के साथ व्यावहारिक कौशल उपलब्ध कराना है। इसे विशेष रूप से अर्ध-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, ताकि भाषा तकनीकी शिक्षा के रास्ते में बाधा न बने। समझौते पर आईआईटी कानपुर के कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग के प्रोफेसर, सी3आईहब के कार्यक्रम निदेशक एवं विभागाध्यक्ष प्रो. सुरेंद्र बसवाना, डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के आईक्यूएसी एवं विवेकानंद इन्क्यूबेशन फाउंडेशन के निदेशक प्रो. संजय चौधरी तथा विश्वविद्यालय कंप्यूटर केंद्र के निदेशक प्रो. अनिल गुप्ता ने हस्ताक्षर किए। इस सहयोग के तहत सी3आईहब अपने शोध और प्रशिक्षण अनुभव के आधार पर पाठ्यक्रम तैयार कर उसका संचालन करेगा। विवेकानंद इन्क्यूबेशन फाउंडेशन कार्यक्रम के व्यापक संचालन के लिए प्रशासनिक और तकनीकी सहयोग देगा। विश्वविद्यालय में साइबर सुरक्षा परामर्श केंद्र भी स्थापित किया जाएगा, जो साइबर अपराध से बचाव, जागरूकता और विद्यार्थियों को सहायता देने का काम करेगा। डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा की कुलपति प्रो. आशु रानी ने मंगलवार को कहा कि 570 से अधिक संबद्ध कॉलेजों में लाखों विद्यार्थी अध्ययनरत हैं, इसलिए उन्हें भविष्य की जरूरतों के अनुरूप तैयार करना विश्वविद्यालय की जिम्मेदारी है।

रास्ता न दिला पाएं तो लेखपाल कानूनगो तहसीलदार सबको सस्पेंड करो

प्रात : किरण संवाददाता

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भूमि संबंधी प्रकरणों में उदासीनता या लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों को कड़ा संदेश दिया है। जनता दर्शन के दौरान एक महिला ने जब यह पीड़ा सुनाई कि दबंग यह धमकी देते हुए रास्ता नहीं दे रहे हैं कि चाहे जहां शिकायत कर लो तो मुख्यमंत्री की भृकुटि तन गई। उन्होंने वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देश दिए कि महिला को रास्ता दिलवाया जाए। यदि रास्ता दिलवाने में लेखपाल, कानूनगो, तहसीलदार खुद को लाचार मानते हों तो उन सबको सस्पेंड किया जाए। मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि जहां भी भूमि संबंधी मामलों के निस्तारण में किसी भी स्तर पर हीलाहवाली मिले तो वहां संबंधित कार्मिक या अधिकारी के विरुद्ध सख्त एक्शन लिया जाए। प्रकरण की गंभीरता के अनुसार संबंधित के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी स्तर पर शिथिलता या लापरवाही कतई क्षम्य नहीं है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन के दौरान योगी करीब 200 लोगों से मिले। उनके पास जाकर समस्याएं सुनीं। उनके प्रार्थना पत्र अपने हाथ में लेकर उसका अवलोकन कर समस्या, शिकायत का संज्ञान लिया। मुख्यमंत्री ने लोगों से कहा कि वे परेशान न हों, सरकार हर जरूरतमंद के साथ खड़ी है। हर पीड़ित की समस्या का निस्तारण प्रतिबद्धता के साथ कराया जाएगा। एक महिला की शिकायत पर मुख्यमंत्री ने कहा, ह्यरास्ता न दिलाने पर लेखपाल, कानूनगो, तहसीलदार सबको सस्पेंड करो।ह्ण जनता दर्शन में कुछ अन्य लोगों ने भी जमीन से जुड़े मामलों में राजस्व कर्मियों की तरफ से लापरवाही किए जाने की शिकायत की, जिस पर मुख्यमंत्री ने संबंधित जिलाधिकारियों को कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए।

फरुर्खाबाद: जहरीला पदार्थ खाने से युवक की मौत

फरुर्खाबाद। उत्तर प्रदेश के फरुर्खाबाद जनपद में कोतवाली फतेहगढ़ क्षेत्र अंतर्गत अज्ञात कारणों के चलते एक युवक ने मंगलवार को जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे आनन-फानन में डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद युवक को मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। जानकारी ए मुताबिक, नवदिया गांव निवासी आलोक दुबे पुत्र अवधेश ने अपने घर पर किसी बात से क्षुब्ध होकर जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। कुछ समय बाद उसकी हालत बिगड़ने पर परिजनों को घटना की जानकारी हुई। युवक की हालत गंभीर देखकर परिजन तत्काल उसे उपचार के लिए लोहिया अस्पताल लेकर पहुंचे। अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने आलोक का परीक्षण किया और उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई। परिवार के लोगों का रो-रोकर बेहाल हैं। परिजन युवक द्वारा जहरीले पदार्थ का सेवन किए जाने के पीछे का कारण स्पष्ट नहीं कर सके।

कंडौहुना में जलभराव और बदहाल सड़कों पर भड़के सपा नेता, आंदोलन की चेतावनी

प्रात : किरण संवाददाता

हरदोई। हरदोई सदर विधानसभा क्षेत्र में बदहाल सड़कों और जलभराव की समस्या को लेकर समाजवादी व्यापार सभा के प्रदेश सचिव रामज्ञान गुप्ता ने गांव कंडौहुना पहुंचकर ग्रामीणों से मुलाकात की और उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने हरसंभव मदद का आश्वासन देते हुए कहा कि मामूली बारिश में ही सड़कें तालाब में तब्दील हो जाती हैं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी और जनप्रतिनिधि समस्या के स्थायी समाधान की ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। रामज्ञान गुप्ता ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के साथ ही नगर की अधिकांश सड़कें जलभराव के कारण क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं। नघेटा रोड, मेडिकल कॉलेज, आरआर इंटर कॉलेज व बाल विद्या भवन जाने वाले मार्गों के अलावा मन्नापुरवा के निकट लखनऊ मार्ग, बिलग्राम चुंगी, गुरुगुज्जा, राधानगर, इंदिरानगर, हरीपुरवा, चांद बेहटा, मंगली पुरवा रोड, मिल रोड, आवास विकास कॉलोनी, आशा नगर, सुभाष नगर, आजाद नगर, कृष्णानगरिया, देविनपुरवा, कौशलपुरी और सर्कुलर रोड पर भी जलभराव से लोगों को परेशानी हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सड़क, नाला-नाली और जलनिकासी के लिए आने वाले बजट का समुचित उपयोग नहीं होने के कारण जनता को हर वर्ष इसी समस्या से जूझना पड़ता है। उन्होंने बताया कि सोमवार को कंडौहुना रोड पर जलभराव के कारण ई-रिक्शा पलटने से कई लोग घायल हुए, जबकि एक मासूम बच्चे का पैर टूट गया। उन्होंने प्रशासन को चेतावनी दी कि जल्द जलनिकासी और सड़क मरम्मत का कार्य शुरू नहीं हुआ तो आंदोलन तेज किया जाएगा। ग्रामीणों ने भी सड़क और जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान की मांग की। इस दौरान समाजवादी व्यापार सभा के जिला महासचिव अवनीश यादव, जिला उपाध्यक्ष धर्मेंद्र यादव दीपू, आकाश यादव, ठाकुर अंकित सिंह, श्याम गुप्ता, शुभम गुप्ता, सोनू गुप्ता, कपिल, रिंकू राजवंशी, राकेश, रविशंकर, आशीष, शिवम, उमेश, सुभाष, मुकेश, बालकराम, सौरभ, नन्हे, प्रिंस, निखिल समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

सीडीओ ने किया छात्रावासों का आकस्मिक निरीक्षण, व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

हरदोई। मुख्य विकास अधिकारी नेहा ब्याडवाल ने मंगलवार को समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित अनुसूचित जाति राजकीय बालिका छात्रावास मन्नापुरवा एवं बाबू जगजीवन राम छात्रावास का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने साफ-सफाई, सुरक्षा और मूलभूत सुविधाओं की स्थिति का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्थाएं तत्काल दुरुस्त कराने के निर्देश दिए।\ मुख्य विकास अधिकारी ने परिसर में नियमित साफ-सफाई कराने, मच्छरों से बचाव के लिए मच्छररोधी दवा का छिड़काव कराने तथा सभी तलों पर डस्टबिन रखवाने के निर्देश जिला समाज कल्याण अधिकारी को दिए। निरीक्षण में तीनों छात्रावासों में लगे अग्निशमन यंत्रों की गैस समाप्त मिली। इस पर उन्होंने तत्काल उनकी रिफिलिंग कराने और स्टोर रूम में रखी निष्प्रयोज्य सामग्री का निस्तारण कराने को कहा। उन्होंने छात्रावास परिसर की खाली भूमि पर किचन गार्डेन विकसित करने तथा बाउंड्री के किनारे शोभाकारी एवं फलदार पौधे लगवाने के निर्देश भी दिए। तीनों छात्रावासों में फर्स्ट एड किट उपलब्ध न मिलने पर तत्काल इसकी व्यवस्था सुनिश्चित कराने को कहा गया। सीडीओ ने छात्रावासों में रह रहे बालक-बालिकाओं से संवाद कर उनकी समस्याएं भी जानीं। विद्यार्थियों ने मैस संचालन और लाइब्रेरी की व्यवस्था कराने का अनुरोध किया। इस पर सीडीओ ने जिला समाज कल्याण अधिकारी को छात्रावास अधीक्षकों और विद्यार्थियों से समन्वय स्थापित कर मैस अथवा टिफिन की उचित व्यवस्था सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए, ताकि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण भोजन मिल सके।

बदेवरानाथ महोत्सव में कजली और भजनों पर झूमे श्रद्धालु

प्रात : किरण संवाददाता

मीरजापुर। नागपंचमी पर्व के उपलक्ष्य में बाबा बदेवरानाथ महोत्सव के तहत सोमवार की बीती रात मंदिर परिसर में मीरजापुरी कजली, भजन और गीतों की रंगारंग प्रस्तुति हुई। मंगलवार भोर तक चले सांस्कृतिक कार्यक्रम में कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से माहौल भक्तिमय बना दिया। स्थानीय कलाकार पंकज राज, जौनपुर के उमेश निषाद, ओबरा के दीपक पांडेय, ममता सागर, मुकेश कुमार, सपन श्रीवास्तव और हीरा राज ने वाद्य यंत्रों की धुन पर बाबा बदेवरानाथ के भजनों और कजली की प्रस्तुतियां दीं। ह्यबम-बम बाबा बदेवरानाथह्ण और ह्यभांग क भोग लगावे हमरे भोला जी, कान में डमरू बजावे हमरे भोला जीह्ण जैसे गीतों पर दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। बड़ी संख्या में मौजूद युवाओं और श्रद्धालुओं ने कलाकारों का उत्साह बढ़ाया और गीत-भजनों पर झूमते-नाचते नजर आए। एमटीएस पब्लिक स्कूल की प्रबंधक डॉ. निशा द्विवेदी एवं ग्राम प्रशासक माहेश्वरी उपाध्याय ने कलाकारों को अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया। आयोजन समिति के प्रमुख संतोष दुबे, पुजारी महेंद्र गिरि, ओमप्रकाश उपाध्याय सहित अन्य लोगों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग किया।

थाना प्रभारी से मुख्यमंत्री तक लगाई गुहार, फिर भी नहीं खुला रास्ता

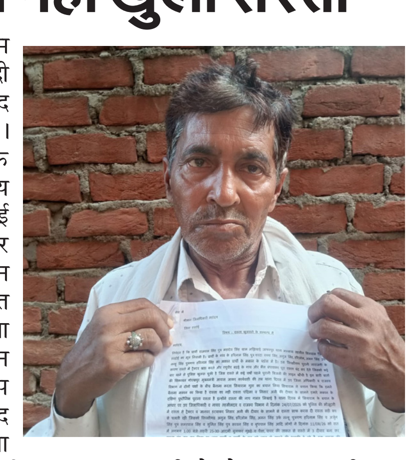

हरदोई। मल्लावां थाना क्षेत्र के ग्राम मझियाई जाफरपुर में दबंगों द्वारा आबादी के पुराने रास्ते को दीवार खड़ी कर बंद किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित राजपाल सिंह का आरोप है कि कई बार शिकायत के बावजूद उसे न्याय नहीं मिला। पीड़ित के अनुसार 24 जुलाई को राजस्व व पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर रास्ता खुलवाया था, लेकिन 11 अगस्त की रात आरोपितों ने कथित रूप से तीन दीवारें खड़ी कर फिर रास्ता बंद कर दिया। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप है। डायल-112 पर सूचना के बावजूद निर्माण नहीं रुकने का पीड़ित ने दावा किया है। राजपाल सिंह का कहना है कि वह थाना प्रभारी से लेकर मुख्यमंत्री तक शिकायत कर चुका है, लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है। आहत पीड़ित ने चेतावनी दी है कि रास्ता कब्जामुक्त नहीं कराया गया तो वह जिलाधिकारी कार्यालय पर आत्मदाह करेगा। उसने प्रशासन से निष्पक्ष जांच कर तत्काल कार्रवाई की मांग की है।

जैविक खेती परियोजना को प्रभावी ढंग से संचालित कर कृषकों को अधिकाधिक लाभ दिलाएं : मुख्य विकास अधिकारी

प्रात : किरण संवाददाता

हरदोई। मुख्य विकास अधिकारी नेहा ब्याडवाल की अध्यक्षता में मंगलवार को जैविक खेती परियोजना की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में परियोजना की प्रगति, कृषकों की सहभागिता, जैविक फसलों के उत्पादन, प्रशिक्षण तथा जैविक निवेशों की उपलब्धता की समीक्षा की गई। बैठक में बताया गया कि बिलग्राम, माधौगंज एवं मल्लावां विकासखंडों के 19 राजस्व ग्रामों में जैविक खेती परियोजना संचालित है। इसके तहत 1,690 कृषक जुड़े हैं तथा करीब 1,000 हेक्टेयर क्षेत्रफल में 50 क्लस्टर विकसित किए जा रहे हैं। कृषकों को जैविक खेती की उन्नत तकनीकों का प्रशिक्षण देने के साथ एक्सपोजर विजिट भी कराई जा रही हैं। मुख्य विकास अधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जैविक खेती को केवल उत्पादन तक सीमित न रखते हुए उत्पादों की गुणवत्ता, प्रमाणन, विपणन और किसानों को बेहतर मूल्य दिलाने पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने जीवामृत, घनजीवामृत, बीजामृत, पंचगव्य एवं नीमास्त्र जैसे जैविक निवेशों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा इनके उपयोग की सही विधि का प्रशिक्षण देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परियोजना की गतिविधियों का नियमित स्थलीय सत्यापन कर किसानों की समस्याओं का प्राथमिकता से समाधान किया जाए और अधिक से अधिक कृषकों को जैविक खेती से जोड़ने के लिए जागरूकता अभियान चलाए जाएं। जैविक खेती पर्यावरण संरक्षण, मृदा की उर्वरता बनाए रखने और किसानों की आय बढ़ाने की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। बैठक में उपनिदेशक कृषि डॉ. राजेश कुमार, जिला उद्यान अधिकारी सुभाष चंद्र, परियोजना समन्वयक डॉ. राजीव कुमार वर्मा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

छात्रावासों में अव्यवस्थाओं पर डीएम सख्त, निरीक्षण में लगाई फटकार

प्रात : किरण संवाददाता

हरदोई। जिलाधिकारी अनुनय झा ने मंगलवार को बावन रोड स्थित राजकीय पॉलिटेक्निक के छात्रावास का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान छात्रावास में कई अव्यवस्थाएं मिलने पर उन्होंने नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल सुधार के निर्देश दिए। डीएम ने छात्रों से बातचीत कर भोजन, साफ-सफाई, शौचालय, बिजली, पेयजल सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं की जानकारी ली। छात्रावास की रसोई में बेहद खराब साफ-सफाई और गंदगी मिलने पर जिलाधिकारी ने वार्डन अतुल श्रीवास्तव को कड़ी फटकार लगाई तथा तत्काल व्यवस्था दुरुस्त कराने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रधानाचार्य कविता त्रिपाठी को छात्रावास की व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने को कहा। डीएम ने छात्रों को दिए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता भी परखी और स्वच्छ, पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान प्रकाश व्यवस्था में कमी मिलने पर बल्ब और लाइट की समुचित व्यवस्था कराने के निर्देश दिए गए। बिजली के खुले तारों को तत्काल ठीक कराने, खिड़कियों में जाली लगवाने तथा दरवाजों को व्यवस्थित कराने को भी कहा गया। जिलाधिकारी ने चेतावनी दी कि व्यवस्थाओं में सुधार न होने पर संबंधित के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने छात्रावास की मूलभूत सुविधाओं के दुरुस्तीकरण एवं आवश्यक कार्यों के लिए प्रस्ताव शासन को भेजने के निर्देश भी दिए। इसके बाद जिलाधिकारी ने परिसर में पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा संचालित बालक छात्रावास का निरीक्षण किया। यहां व्यवस्थाएं संतोषजनक मिलीं। शौचालय, साफ-सफाई समेत अन्य सुविधाओं का जायजा लेते हुए उन्होंने कहा कि छात्रावास में रहने वाले छात्रों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। उन्होंने सभी छात्रावासों में साफ-सफाई, गुणवत्तापूर्ण भोजन, विद्युत, पेयजल और शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाओं की नियमित निगरानी के निर्देश दिए। इसके बाद डीएम ने जीआईसी परिसर स्थित राजकीय अनुसूचित जाति छात्रावास बालक का भी आकस्मिक निरीक्षण किया। यहां साफ-सफाई में लापरवाही मिलने पर सफाई कर्मचारी को कड़ी फटकार लगाते हुए सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने छात्रों से बातचीत कर उन्हें स्वच्छता के प्रति जागरूक किया और मन लगाकर पढ़ाई करने के

लखनऊ : भूकंपरोधी तकनीक से बनेगा सरस्वती शिशु मंदिर का नवीन भवन, भूमि पूजन कर रखी गयी आधारशिला

- सरस्वती शिशु मंदिर के दो नवनिर्मित कक्षों का लोकार्पण भी हुआ
- 30 बच्चों से शुरू हुआ सफर, 422 तक पहुंचा कारवां, अब इंटरमीडिएट तक पढ़ाई की तैयारी
- सीबीएसई पैटर्न के अनुरूप शिक्षा के साथ संस्कृत एवं सनातन शिक्षा पर विशेष जोर

प्रात : किरण संवाददाता

लखनऊ। चार कमरों और महज 30-35 विद्यार्थियों से शुरू हुआ सरस्वती शिशु मंदिर अर्जुनगंज अब 16 कक्षों और 422 विद्यार्थियों वाला शिक्षण संस्थान बन चुका है। विद्यालय के विस्तार की इसी कड़ी में मंगलवार को नवीन भवन के निर्माण के लिए भूमि पूजन किया गया और दो नवनिर्मित कक्षों का लोकार्पण हुआ। विद्यालय प्रबंधन ने अगले एक वर्ष में सीबीएसई की मान्यता हासिल कर इंटरमीडिएट तक की कक्षाएं शुरू करने का लक्ष्य तय किया है। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के वरिष्ठ प्रचारक एवं क्षेत्र संपर्क प्रमुख पूर्वी क्षेत्र मनोज समेत विद्या भारती के संगठन मंत्री पूर्वी क्षेत्र हेमचंद्र, प्रदेश निरीक्षक रामजी सिंह व विद्यालय प्रबंध समिति के पदाधिकारियों ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। नवीन भवन के भूमि पूजन के यजमान विनय प्रकाश तिवारी रहे। विद्यालय के कोषाध्यक्ष सुरेंद्र कुमार मिश्रा ने बताया कि विद्या भारती द्वारा संचालित विद्यालय पिछले 28 वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में कार्य कर रहा है। वर्ष 2022 से पहले यहां केवल चार कक्ष और 30-35 विद्यार्थी थे। वर्ष 2023 में वर्तमान प्रबंध समिति के प्रयासों से विद्यालय के विस्तार की गति तेज हुई। अब तक 16 कक्षों का निर्माण हो चुका है और 422 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। आधुनिक शिक्षा के साथ संस्कारित पीढ़ी तैयार कर रहा सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय में सीबीएसई पैटर्न के अनुरूप शिक्षा के साथ संस्कृत एवं सनातन शिक्षा पर विशेष जोर दिया जा रहा है। स्मार्ट क्लास, प्रोजेक्टर, कंप्यूटर आधारित पढ़ाई, खेलकूद और विद्यार्थियों के बौद्धिक, शारीरिक व मानसिक विकास से जुड़े कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। नवीन भवन का निर्माण भूकंपरोधी तकनीक से कराया जा रहा है और परिसर को हरित एवं स्वच्छ रखने पर भी विशेष ध्यान दिया गया है।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com
राष्ट्रीय दैनिक प्रात:किरण
नई दिल्ली, बुधवार, 19 अगस्त, 2026

उद्यमियों की समस्याओं के समाधान को डीएम ने दिए निर्देश

निवेश मित्र के लंबित प्रकरण समय सीमा में निस्तारित करने के निर्देश

सड़क, बिजली और प्रदूषण समेत औद्योगिक समस्याओं पर हुई समीक्षा

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ की अध्यक्षता में मंगलवार को गांधी सभागार, कलेक्ट्रेट में जिला स्तरीय उद्योग बंधु की बैठक आयोजित हुई। बैठक में जनपद के उद्यमियों एवं औद्योगिक संगठनों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं और प्रकरणों की विभागवार समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को उद्यमियों की समस्याओं का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में सबसे पहले निवेश मित्र पोर्टल पर निर्धारित समय सीमा के बाद भी लंबित प्रकरणों की समीक्षा की गई। डीएम ने संबंधित विभागों को सभी लंबित मामलों का निर्धारित समय सीमा में निस्तारण करने के निर्देश दिए। जैकिट ढोलक मर्चेन्ट द्वारा सड़क निर्माण के संबंध में उठाई गई समस्या पर डीएम ने संबंधित सड़क के गड्ढे भरवाने के निर्देश दिए। मैसर्स सीएल गुप्ता एक्सपोर्ट लिमिटेड को मंडी शुल्क से छूट के मामले में मंडी अधिनियम-1964 की धारा-32 के तहत ऑनलाइन आवेदन करने के लिए कहा गया। वहीं मैसर्स सुप्रीम पैकेजिंग इंडस्ट्रीज की इलेक्ट्रिसिटी ड्यूटी छूट के संबंध में विद्युत सुरक्षा विभाग के मुख्यालय को पत्र भेजने के निर्देश सहायक निदेशक विद्युत सुरक्षा विभाग को दिए। कॉटन वेस्ट इंडस्ट्री द्वारा पानी और ग्राउंड वाटर प्रदूषण के मामले में नगर पालिका परिषद अमरोहा को संबंधित इकाइयों की संयुक्त जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। डीएम ने औद्योगिक गतिविधियों से जुड़े पर्यावरणीय मामलों में प्रभावी कार्रवाई पर जोर दिया। उपायुक्त उद्योग ने बताया कि 25 से 29 सितंबर 2026 तक इंडियन एक्सपो मार्ट, ग्रेटर नोएडा में अंतरराष्ट्रीय मेले का आयोजन होगा। डीएम ने अधिक से अधिक निर्यातकों और उद्यमियों की भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना के लिए पांच एकड़ तथा सरदार वल्लभ भाई पटेल इम्प्लॉयमेंट एंड इंडस्ट्रियल जोन की स्थापना के लिए 50 एकड़ भूमि चिह्नित किए जाने के संबंध में जनपद के उप जिलाधिकारियों को अनुस्मारक पत्र भेजने के निर्देश उपायुक्त उद्योग को दिए गए। ग्राम अदलपुर से कैलसा होते हुए पाकबड़ा मार्ग पर कैलसा रेलवे स्टेशन के निकट रेलवे फाटक संख्या-16 सी पर ऊपरगामी सेतु निर्माण के मामले में लोक निर्माण विभाग को मुख्यालय अनुस्मारक पत्र भेजने के निर्देश दिए गए। जीआर सॉल्वेंट्स एंड एलाइड इंडस्ट्रीज लिमिटेड की इकाई को नियमित विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराने के संबंध में भी विद्युत विभाग के मुख्यालय को अनुस्मारक पत्र भेजने के निर्देश दिए गए। गजरौला औद्योगिक क्षेत्र में स्थापित अर्शी प्लास्टिक्स के स्वामी पर हुए जानलेवा हमले और लूट के मामले में विवेचना की वर्तमान स्थिति की रिपोर्ट पुलिस विभाग से प्रस्तुत करने को कहा गया। वहीं गजरौला फूड हब में कूड़ा हटाए जाने के मामले में जिला पंचायत को कूड़ा हटाए गए स्थल की जीपीएस फोटो सहित रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। मिनी औद्योगिक आस्थान, जोया के उच्चीकरण एवं सुदृढ़ीकरण के लिए उत्तर प्रदेश लघु उद्योग निगम लिमिटेड कानपुर से प्रस्ताव संशोधित कराने को लेकर अनुस्मारक पत्र भेजने के निर्देश दिए गए।

पीआरडी जवानों की बल्ले-बल्ले, ड्यूटी भत्ते में 100 का इजाफा

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। प्रान्तीय रक्षक दल (पीआरडी) के जवानों के लिए मंगलवार का दिन बड़ी सौगात लेकर आया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में आयोजित राज्यस्तरीय पीआरडी सम्मेलन में जवानों के दैनिक ड्यूटी भत्ते को 500 रुपये से बढ़ाकर 600 रुपये करने, मुख्यमंत्री पीआरडी कैशलेस चिकित्सा योजना से आच्छादित करने तथा पीआरडी मुख्यालय में अत्याधुनिक मल्टीस्टोरी बैरक के निर्माण की घोषणा की। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण अमरोहा के विकास भवन सभागार में किया गया। यहां करीब 150 पीआरडी जवानों ने अधिकारियों के साथ मुख्यमंत्री का संबोधन सुना। जिले में कुल 235 पीआरडी जवानों को इस फैसले का सीधा लाभ मिलेगा। ड्यूटी भत्ते में 100 रुपये प्रतिदिन की वृद्धि से 30 दिन की ड्यूटी करने पर जवानों की मासिक आमदनी करीब 15 हजार से बढ़कर 18 हजार रुपये हो जाएगी।

बढ़े भत्ते से घर का बजट होगा मजबूत

अमरोहा। शहर में ड्यूटी कर रहे पीआरडी जवान कपिल कुमार ने सरकार के फैसले पर खुशी जताई। उन्होंने बताया कि वर्ष 2009-10 से पीआरडी में सेवा दे रहे हैं। उनके अनुसार ड्यूटी भत्ते में 100 रुपये प्रतिदिन की बढ़ोतरी जवानों के लिए काफी महत्वपूर्ण है। बढ़ी हुई आय से बच्चों की पढ़ाई, राशन और घरेलू जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी।

कैशलेस इलाज से मिलेगी बड़ी राहत

अमरोहा। युवा कल्याण कार्यालय में तैनात पीआरडी जवान अमर सिंह ने कैशलेस चिकित्सा योजना को जवानों और उनके परिवारों के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि फील्ड ड्यूटी के दौरान हादसे या गंभीर बीमारी की स्थिति में आर्थिक परेशानी के कारण इलाज में दिक्कत आती थी। अब कैशलेस चिकित्सा योजना लागू होने से उपचार के दौरान आर्थिक बोझ कम होगा और परिवार को भी सुरक्षा मिलेगी।

समान काम-समान वेतन की उम्मीद कायम

धनौरा। थाना धनौरा में तैनात पीआरडी जवान निर्देश ने भी सरकार के फैसले का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि भत्ते में वृद्धि और स्वास्थ्य सुरक्षा से जवानों का मनोबल बढ़ेगा। साथ ही उन्होंने कहा कि पीआरडी जवान पुलिस और होमगार्ड के साथ कंधे से कंधा मिलाकर ड्यूटी करते हैं। ऐसे में समान काम-समान वेतन और नियमित साप्ताहिक अवकाश जैसी पुरानी मांगों को लेकर भी जवानों को भविष्य में सकारात्मक निर्णय की उम्मीद है।

अधिकारियों ने दी जवानों को बधाई

अमरोहा। कार्यक्रम के दौरान विकास भवन सभागार में मुख्यमंत्री की घोषणाओं पर जवानों ने तालियां बजाकर खुशी जताई। इस अवसर पर जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़, मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, परियोजना निदेशक अंबरीश कुमार तथा जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी ऋषि कुमार ने जवानों को बधाई दी।क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी अश्वनी कुमार, प्रदीप कुमार, गौरव कुमार और अंकुर प्रकाश समेत अन्य अधिकारी एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे। अधिकारियों ने कहा कि शासन के इस फैसले से पीआरडी जवानों की आर्थिक स्थिति मजबूत होने के साथ उनका मनोबल और कार्यक्षमता भी बढ़ेगी।

दिशा समिति में विकास योजनाओं पर जनप्रतिनिधियों का सख्त रुख, बाढ़ पीड़ित किसानों से लेकर बिजली और शिक्षा तक दिए जवाबदेही के निर्देश

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। विकास योजनाओं का लाभ कागजों तक सीमित न रह जाए और सरकार की योजनाएं वास्तविक जरूरतमंदों तक पहुंचे—इसी उद्देश्य को केंद्र में रखते हुए मंगलवार को विकास भवन सभागार में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक हुई। सांसद नगीना एडवोकेट चंद्रशेखर की अध्यक्षता और सांसद बिजनौर चंदन चौहान की सह-अध्यक्षता में हुई बैठक में जिले की विकास योजनाओं की प्रगति की गहन समीक्षा की गई। जनप्रतिनिधियों ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि पात्र व्यक्ति किसी भी योजना के लाभ से वंचित न रहे और लापरवाही की स्थिति में जवाबदेही तय की जाए। बैठक में चांदपुर विधायक स्वामी ओमवेश, जिलाधिकारी जसजीत कौर, मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे सरकारी योजनाओं का लाभ : चंद्रशेखर

सांसद नगीना एडवोकेट चंद्रशेखर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सरकारी योजनाओं के पात्र लाभार्थियों का चिन्हांकन कर उन्हें प्राथमिकता के आधार पर योजनाओं से जोड़ा जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि कोई भी पात्र व्यक्ति सरकारी योजना के लाभ से वंचित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने जिला पंचायत राज अधिकारी को गांवों में शौचालय निर्माण की स्थिति की समीक्षा कर अगले 15 दिनों में पात्र एवं वंचित लोगों को योजना का लाभ दिलाने के निर्देश दिए। नगर निकायों में सफाई कर्मचारियों के वेतन में एकरूपता सुनिश्चित करने को भी कहा। स्कूलों की बदहाली और राशन की गुणवत्ता पर भी नजर सांसद ने बेसिक शिक्षा विभाग को परिषदीय विद्यालयों में भवन, साफ-सफाई, शौचालय और अन्य मूलभूत सुविधाओं की नियमित निगरानी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में बच्चों को बेहतर और सुरक्षित वातावरण मिलना प्राथमिकता होनी चाहिए। जिला पूर्ति अधिकारी को राशन कार्डधारकों को निर्धारित मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण खाद्यान्न उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।

किरतपुर मार्ग का निर्माण अगले माह शुरू होने की उम्मीद

पूर्व बैठकों में दिए गए निदेशों की अनुपालन रिपोर्ट भी बैठक में परखी गई। सांसद ने एनएचएआई अधिकारियों से किरतपुर मार्ग के निर्माण की प्रगति पूछी। अधिकारियों ने बताया कि निर्माण संबंधी सभी प्रक्रियाएं पूरी हो चुकी हैं और आगामी माह से निर्माण कार्य शुरू होने की संभावना है। घर के ऊपर से गुजर रही 11 हजार वोल्ट लाइनें बनीं चिंता का विषय सांसद चंद्रशेखर ने विद्युत विभाग को ढीले तारों को तत्काल दुरुस्त कराने के निर्देश दिए। घरों के ऊपर से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की विद्युत लाइनों के संबंध में भी आवश्यक कार्रवाई करने को कहा, ताकि संभावित हादसों को टाला जा सके। वन विभाग से गुलदार के हमलों में हुई मौतों और घायलों की स्थिति की जानकारी लेते हुए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही पिछले पांच वर्षों में किसानों को आवंटित पट्टों की सूची उपलब्ध कराने को कहा गया। बाढ़ की मार झेल रहे किसानों के नुकसान का होगा आकलन सांसद बिजनौर चंदन चौहान ने चांदपुर विधानसभा क्षेत्र में संभावित बाढ़ से प्रभावित किसानों की फसलों के नुकसान का सर्वे कराने और नियमानुसार मुआवजा दिलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आपदा की स्थिति में किसानों को राहत पहुंचाने में किसी प्रकार की देरी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने बेसिक शिक्षा विभाग को विद्यालयों में बच्चों को दिए जाने वाले मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता की नियमित जांच स्वयं अधिकारियों द्वारा करने के निर्देश भी दिए। चांदपुर-बास्टा मार्ग पर भी जल्द काम पूरा कराने के निर्देश चांदपुर विधायक स्वामी ओमवेश ने चांदपुर-बास्टा मार्ग के निर्माण की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्माण कार्य में तेजी लाकर इसे शीघ्र पूरा कराने के निर्देश दिए। तालाबों से लेकर महिला समूहों तक विकास की प्रगति सामने आई जिलाधिकारी जसजीत कौर ने जनप्रतिनिधियों को आश्वस्त किया कि बैठक में दिए गए सभी निदेर्शों का शत-प्रतिशत अनुपालन कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि जीराम जी योजना के तहत जिले में 500 तालाबों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके सापेक्ष 250 तालाबों पर कार्य प्रारंभ हो चुका है। संबंधित अधिकारियों को सभी कार्य दिसंबर तक पूरा कराने के निर्देश दिए गए हैं। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत वित्तीय वर्ष 2026-27 में 1,39,348 महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित है।

नगीना देहात में पुलिस मुठभेड़, तीन आरोपी गिरफ्तार

दो बदमाश पैर में गोली लगने से घायल, छह लाख के आभूषण, 9,700 रुपये नकद और अवैध तमंचे बरामद

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। नगीना देहात थाना क्षेत्र में पुलिस ने मुठभेड़ के बाद तीन संदिग्ध बदमाशों को गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ के दौरान पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दो बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गए, जबकि तीसरे आरोपी को मौके से दबोच लिया गया। पुलिस के अनुसार आरोपियों के कब्जे से चोरी के 9,700 रुपये नकद, करीब छह लाख रुपये कीमत के सोने-चांदी के आभूषण, दो तमंचे, कारतूस और घटना में प्रयुक्त बाइक बरामद हुई है। पुलिस के मुताबिक 18 अगस्त को नगीना देहात पुलिस नीला डैम के पास ग्राम सैदुद्दीन नगर टांडा माइदास क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान बाइक सवार तीन संदिग्ध दिखाई दिए। पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया तो आरोपियों ने बाइक मोड़कर भागने की कोशिश की। बाइक अनियंत्रित होकर गिरने के बाद आरोपियों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षार्थ जवाबी फायरिंग की। इसमें दानिश पुत्र मौ. उमर के बाएं पैर और नौशाद पुत्र मौ. इरशाद के दाहिने पैर में गोली लगी। वहीं शमशाद पुत्र मौ. इरशाद को पुलिस ने मौके से गिरफ्तार कर लिया। घायल दोनों आरोपियों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। चोरी की कई घटनाओं का खुलासा पुलिस के अनुसार पूछताछ में आरोपियों ने एक अन्य साथी के साथ मिलकर घरों में चोरी और नकबजनी करने की बात स्वीकार की है। आरोपियों ने 2 जुलाई को ग्राम कोटकादर, 23/24 जुलाई को ग्राम टांडा माइदास तथा करीब डेढ़ माह पूर्व कोतवाली देहात क्षेत्र के ग्राम सिकंदरपुर और इस वर्ष की शुरूआत में शिवालाकलां में चोरी की घटनाएं करने की जानकारी दी है। आरोपियों ने चोरी के सामान को आपस में बांटने अथवा बेचकर प्राप्त रकम खर्च करने की बात भी बताई।

मातृ शक्ति का आशीर्वाद किसी भी संघर्ष या चुनाव में सबसे बड़ी ताकत होता है: मनोज धामा

लोनी। मातृशक्ति का आशीर्वाद और समर्थन किसी भी संघर्ष या चुनावी मैदान में सबसे बड़ी ताकत होता है। यह कथन है नगर पालिका परिषद लोनी के पूर्व अध्यक्ष मनोज धामा का। हाल ही में लेखा फार्म में आयोजित हरियाली तीज कार्यक्रम के बाद इस प्रतिनिधि ने उनसे 2027 के विधानसभा चुनाव के संदर्भ को लेकर भेंट की थी। हरियाली तीज कार्यक्रम में उमड़ी महिलाओं की ऐतिहासिक भीड़ के एक सवाल पर उन्होंने अपनी बात को आगे बढ़ते हुए कहा कि यह पर्व मुख्य रूप से महिलाओं का ही था, जिसका आयोजन उनकी धर्मपत्नी नगर पालिका अध्यक्ष रंजीता धामा द्वारा किया गया था। यह तो क्षेत्रीय महिलाओं व क्षेत्रीय जनता जनार्दन का प्यार है जो धामा परिवार के एक बुलावे पर वह इतनी बड़ी संख्या में एकत्रित होकर उन्होंने इस कार्यक्रम को ऐतिहासिक बना दिया। 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा जब समाज की माताओं, बहनों और बेटियों का साथ हो, तो हर चुनौती का सामना दृढ़ता से किया जा सकता है और प्रतिद्वंदियों को लोकतांत्रिक व वैचारिक रूप से करारी शिकस्त दी जा सकती है। उन्होंने कहा जनता जनार्दन के आशीर्वाद के साथ कड़ी मेहनत, सही रणनीति और आत्मविश्वास के बल पर प्रतिद्वंदी को बुरी तरह पराजित किया जाएगा। विरोधी पर पूर्ण विजय प्राप्त करना उनका लक्ष्य होगा। चुनावी तारीख की कभी भी घोषणा हो सकती है। सभी प्रतिद्वंदी संभावित उम्मीदवार भी अपने टिकट की गोटिया फिट करने के साथ-साथ चुनावी तैयारी में लगे होंगे। इसके लिए हम भी अटूट हौसले और सही योजना के साथ अपनी तैयारी में जुट गए हैं।

बाढ़ से निपटने को प्रशासन अलर्ट, 11 बाढ़ चौकियां और 15 शरणालय तैयार

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। मानसून और पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार हो रही बारिश को देखते हुए जिला प्रशासन ने संभावित बाढ़ से निपटने के लिए व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। जिले में 11 बाढ़ चौकियां और 15 राहत शरणालय तैयार किए गए हैं। धनौरा और हसनपुर तहसील के 25 अतिसंवेदनशील तथा करीब 80 संवेदनशील गांवों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। वर्तमान में प्रमुख नदियों का जलस्तर खतरे के निशान से करीब 1.5 से 2 मीटर नीचे है। आपदा विशेषज्ञ पवन कुमार शुक्ला के अनुसार बाढ़ की दृष्टि से धनौरा और हसनपुर तहसीलों को विशेष रूप से संवेदनशील माना गया है। सर्वे के आधार पर 25 गांवों को अतिसंवेदनशील श्रेणी में चिह्नित किया गया है। इनमें धनौरा के करीब 15 से 16 और हसनपुर के 5 से 7 गांव शामिल हैं। इसके अलावा लगभग 75 से 80 गांव संवेदनशील श्रेणी में रखे गए हैं। एसडीएम और तहसीलदार इन क्षेत्रों में लगातार स्थलीय निरीक्षण कर रहे हैं। बाढ़ की पूर्व चेतावनी व्यवस्था को मजबूत करने के लिए बिजनौर, हरिद्वार और मेरठ बैराजों से लगातार जलस्तर और पानी के डिस्चार्ज की जानकारी ली जा रही है। संबंधित सूचना तत्काल तहसील स्तर तक पहुंचाई जा रही है। इसके लिए डिजिटल मॉनिटरिंग ग्रुप भी सक्रिय किए गए हैं। जिला मुख्यालय, तहसील और सिंचाई विभाग स्तर पर 24 घंटे संचालित होने वाले त्रिस्तरीय कंट्रोल रूम स्थापित किए गए हैं।

साइकिल टकराने पर युवक की ईंट से प्रहार कर हत्या

प्रात: किरण संवाददाता

लोनी। ट्रोनिका सिटी थाना क्षेत्र राहुल एंक्लेव, कासिम विहार कॉलोनी/ इलाइचीपुर में सोमवार देर शाम साइकिल का टायर टकराने के मामूली विवाद में नाजिम नामक युवक ने शमशाद अली (30) मजदूर की ईंट से पीट-पीटकर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक मूल रूप से बदायूं का रहने वाला शमशाद अली बेलदारी का काम करता हैं। बीती देर शाम वह अपने काम से पैदल वापस लौट रहा था। इसी दौरान नाजिम नामक युवक की साइकिल का टायर उससे टकरा गया, जिसके बाद दोनों में गाली-गलौज और कहासुनी शुरू हो गई।

जमीन के विवाद में युवक की हत्या का खुलासा, चार गिरफ्तार

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। कोतवाली शहर पुलिस ने अनिल सोती हत्याकांड का खुलासा करते हुए चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार हत्या के पीछे जमीन संबंधी विवाद और अधिवक्ता को आर्थिक नुकसान होने का डर प्रमुख वजह के रूप में सामने आया है। गिरफ्तार आरोपितों के कब्जे से 28,240 रुपये नकद और वारदात में प्रयुक्त नायलॉन की रस्सी बरामद की गई है। मामले में एक अधिवक्ता समेत अन्य आरोपित अभी वांछित हैं। पुलिस के मुताबिक सात अगस्त को आलोक शर्मा ने कोतवाली शहर में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि गौरव सोती, प्रॉपर्टी डीलर शैलेंद्र खन्ना, सुनील खन्ना, नावेद तथा अज्ञात लोगों ने उनके केयरटेकर अनिल कुमार की हत्या कर दी। तहरीर के आधार पर मुकदमा अपराध संख्या 618/2026 के तहत धारा 103(1) बीएनएस में मुकदमा दर्ज किया गया था। विवेचना के दौरान पांच अन्य नाम प्रकाश में आने के बाद मामले में धारा 61(2) बीएनएस की बढ़ोतरी की गई।

दस लाख रुपये में हत्या की साजिश का आरोप

पुलिस के अनुसार पूछताछ में गिरफ्तार आरोपित निशा उर्फ अंजुम परवीन ने बताया कि वह करीब एक वर्ष से अधिवक्ता राजन नारायण के यहां क्लर्क का काम कर रही थी। पुलिस के मुताबिक अधिवक्ता के क्लाइंट गौरव सोती की बिजनौर में जमीन थी। गौरव के चाचा अनिल सोती की जमीन भी उससे सटी हुई थी और उनके कोई संतान नहीं थी, जिसके चलते उनकी जमीन पर गौरव का वारिसाना हक बताया गया। जमीन का विवाद न्यायालय में लंबित था। पुलिस का दावा है कि जमीन संबंधी विवाद का समय पर निस्तारण न होने से गौरव सोती अधिवक्ता से नाराज था। उसे आशंका थी कि आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण क्लाइंट उसके हाथ से निकल सकता है। आरोप है कि पहले निशा के माध्यम से गौरव को झूठे मुकदमे में फंसाने की योजना बनाई गई, लेकिन योजना सफल नहीं हुई। इसके बाद अनिल सोती को रास्ते से हटाने की साजिश रची गई। पुलिस के अनुसार अधिवक्ता राजन नारायण ने कथित तौर पर निशा को हत्या के लिए 10 लाख रुपये देने की बात कही और 80 हजार रुपये पेशगी दिए।

रेकी के बाद घर में घुसकर हत्या

पुलिस के अनुसार निशा ने अनिल सोती से संपर्क बढ़ाकर उनकी जमीन से संबंधित जानकारी हासिल करने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद उसने अपने भाई अलीमुद्दीन, बहन हीन और परिचित सुभाष को धन का लालच देकर कथित साजिश में शामिल किया। पुलिस के मुताबिक एक अगस्त को अलीमुद्दीन को रेकी के लिए भेजा गया। छह अगस्त को निशा, अलीमुद्दीन और हीन टैक्सी से दिल्ली से बिजनौर आए, जबकि सुभाष को भी मौके पर बुलाया गया। पुलिस के अनुसार अलीमुद्दीन, हीन और सुभाष बाहर निगरानी कर रहे थे। इसी दौरान निशा कथित तौर पर अनिल सोती के घर में दाखिल हुई और नायलॉन की रस्सी से गला घोंटकर उनकी हत्या कर दी। इसके बाद सभी आरोपी नूरपुर पहुंचे और वहां से टैक्सी से दिल्ली चले गए।

पुलिस ने चार को पकड़ा, एक अधिवक्ता समेत अन्य वांछित

कोतवाली शहर पुलिस ने 18 अगस्त को निशा उर्फ अंजुम परवीन, अलीमुद्दीन, सुभाष और हीन को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार निशा से 16 हजार रुपये, अलीमुद्दीन से 12,240 रुपये और सुभाष से वारदात में प्रयुक्त नायलॉन की रस्सी बरामद हुई। मामले में राजन नारायण पुत्र रूप सिंह निवासी इतवारी गंज, झांसी को वांछित बताया गया है। पुलिस ने नामजद अन्य आरोपितों गौरव सोती आदि के खिलाफ भी साक्ष्य संकलन करते हुए विवेचना जारी रखने की बात कही है। पुलिस के अनुसार सुभाष के खिलाफ बिजनौर के नूरपुर थाने में आयुध अधिनियम से संबंधित मुकदमा भी दर्ज है, जबकि गिरफ्तार आरोपितों के खिलाफ वर्तमान हत्याकांड का मुकदमा दर्ज है। कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में निरीक्षक सचिन मलिक, कोतवाली शहर प्रभारी अवनीत मान, सर्विलांस टीम प्रभारी उपनिरीक्षक हिमांशु गोस्वामी समेत कोतवाली शहर और सर्विलांस टीम के अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे।

कर्दमेश्वर महादेव मंदिर के प्राचीन तालाब में मर रहीं मछलियां, उठ रही दुर्गंध

वाराणसी। कंदवा स्थित प्राचीन कर्दमेश्वर महादेव मंदिर के समीप ऐतिहासिक तालाब में पिछले कुछ दिनों से मछलियों के मरने का सिलसिला जारी है। तालाब में बड़ी संख्या में छोटी-बड़ी मछलियां हैं, जिन्हें श्रद्धालु और स्थानीय लोग नियमित रूप से चारा डालते हैं। अचानक मछलियों के मरने से लोगों में चिंता बढ़ गई है। पानी की सतह पर मरी हुई मछलियां तैरती दिखाई दे रही हैं, वहीं इनके सड़ने से तालाब के आसपास दुर्गंध भी फैलने लगी है। कर्दमेश्वर महादेव मंदिर काशी के प्राचीन धार्मिक स्थलों में शामिल है। सावन के महीने में यहां श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ जाती है। मंदिर के समीप स्थित तालाब भी लंबे समय से स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ा है। लोग यहां मछलियों को दाना खिलाने के लिए भी पहुंचते हैं। पानी की गुणवत्ता की जांच की मांग स्थानीय नागरिकों का कहना है कि मछलियों की मौत के कारणों का तत्काल पता लगाया जाना चाहिए। इसके लिए तालाब के पानी की गुणवत्ता की जांच कराने की मांग की गई है। लोगों का कहना है कि पानी में ऑक्सीजन की कमी या किसी अन्य कारण से मछलियों की मौत हो रही है तो समय रहते जरूरी कदम उठाए जाने चाहिए। मरी हुई मछलियों को तालाब से बाहर निकलवाने के साथ ही तालाब की सफाई और आवश्यकतानुसार उपचारात्मक दवा का छिड़काव कराने की भी मांग की गई है।

ऑनलाइन शॉपिंग से खुदरा व्यापार प्रभावित, व्यापार सभा ने उठाई आवाज

बैठक में जीएसटी, ऑनलाइन कारोबार, बिजली दर, ऋण और व्यापारियों की सुरक्षा समेत कई मुद्दे उठे

प्रात: किरण संवाददाता, इकरामुद्दीन मलिक

अमरोहा। समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय मंडी समिति रोड अमरोहा में सोमवार को समाजवादी व्यापार सभा की बैठक जिला अध्यक्ष सर्वेश सैनी की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में व्यापारियों की समस्याओं और ऑनलाइन कारोबार के बढ़ते प्रभाव समेत विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। मुख्य अतिथि समाजवादी व्यापार सभा के प्रदेश सचिव एवं मुरादाबाद मंडल प्रभारी सुधीर अवस्थी ने कहा कि भाजपा सरकार की नीतियों से गरीब, पिछड़े और व्यापारी वर्ग परेशान है। ऑनलाइन शॉपिंग के बढ़ते चलन से स्थानीय खुदरा व्यापार प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि जटिल जीएसटी व्यवस्था, नोटबंदी, कोविड-19 लॉकडाउन तथा अन्य व्यापारी विरोधी कानूनों के कारण कारोबार में लगातार गिरावट आई है। सरकार को छोटे और स्थानीय व्यापारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए प्रभावी कदम उठाने चाहिए। सपा जिलाध्यक्ष मस्तराम सिंह यादव ने ऑनलाइन व्यापार के लिए रेगुलेटरी एक्ट बनाने तथा खुदरा व्यापार को बचाने के लिए ऑनलाइन कारोबार पर अतिरिक्त टैक्स या सरचार्ज लगाने की मांग की। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन खरीदारी पर लगाम लगने से स्थानीय बाजार में पैसा घूमेगा और व्यापारियों को राहत मिलेगी। जिला अध्यक्ष सर्वेश सैनी ने सूक्ष्म उद्योगों के लिए अलग मंत्रालय बनाने, कम ब्याज पर ऋण व सब्सिडी उपलब्ध कराने तथा बिजली दरों में छूट देने की मांग की। उन्होंने कहा कि व्यापारियों के हित में जीएसटी के तहत दो स्लैब होने चाहिए। पंजीकृत व्यापारियों को मेडिक्लेम सुविधा, पेट्रोल-डीजल को जीएसटी के दायरे में लाने और सोने पर कस्टम ड्यूटी कम करने की भी मांग उठाई। उन्होंने किसानों की लागत कम करने के लिए ट्रैक्टर, कृषि उपकरण, बीज और खाद पर जीएसटी शून्य करने की मांग की। साथ ही व्यापारियों के साथ होने वाली लूट की घटनाओं में पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए। कहा कि कई मामलों में व्यापारियों पर लूट के बजाय रुपये गिर जाने की रिपोर्ट दर्ज कराने का दबाव बनाया जाता है, जिससे व्यापारी परेशान हैं। सपा जिला महासचिव चंद्रपाल सैनी ने कहा कि देश को टैक्स देने वाला व्यापारी वर्ग सरकारी नीतियों से परेशान है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार व्यापारियों की समस्याओं पर पर्याप्त ध्यान नहीं दे रही है। उन्होंने कहा कि सपा सरकार बनने पर व्यापारियों की समस्याओं का समाधान कराया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन समाजवादी व्यापार सभा के जिला महासचिव विकिल चौधरी ने किया। इस दौरान कार्यकताओं ने ह्यह्यबर्बाद हुआ खुदरा व्यापार, बंद करो ऑनलाइन कारोबारह्लह्ल और ह्यह्यखुदरा दुकानदारों के सम्मान में, समाजवादी व्यापार सभा मैदान मेंह्लह्ल जैसे नारे लगाए। बैठक के दौरान समाजवादी व्यापार सभा का विस्तार भी किया गया। मोहम्मद शादिक को नौगावां विधानसभा अध्यक्ष, विक्रांत चौहान को धनौरा विधानसभा अध्यक्ष तथा मोहम्मद जुनेद को नगर अध्यक्ष गजरौला मनोनीत कर नियुक्ति पत्र सौंपे गए। इस अवसर पर प्रवक्ता सन्तराम सिंह यादव, मुमताज खां, शावेज खां, राधेलाल रघुवंशी, रविपाल चिकारा, रवि यादव, अशोक यादव, सरफराज अनवर एडवोकेट, कपिल कुमार, हीरालाल सैनी, रजनीश यादव, विपिन कौशिक, जिताम्बर सिंह यादव, तालिब खां, मुंसब मेवाती, तुषार रघुवंशी, हुकम सिंह खड़कवंशी, अंकुश सैनी, रिजवान अहमद, आलेमिन सैफी, नीरज, रोहित कुमार, रिंकू कुमार, ऋतिक सैनी, विकास, शिवम सैनी, जितेंद्र सिंह, मोहम्मद अलीमुद्दीन, अनुज जाटव, जसवंत सिंह, बबलू भाई, पुनीत कुमार, राकेश कुमार, शगुन सैनी, सुहेल सैफी, कपिल, कुणाल सागर, हर्ष सैनी, आर्यन पाल, अफजाल हुसैन, नौशाद, संजय कुमार, शैलेंद्र कुमार आदि मौजूद रहे।

नवाचार, निपुणता और स्वच्छता में प्राथमिक विद्यालय स्योहारा प्रथम ने बनाए नए कीर्तिमान

प्रात: किरण संवाददाता, नादिर त्यागी

स्योहारा। प्राथमिक विद्यालय स्योहारा प्रथम, विकास क्षेत्र बुढ़नपुर, जनपद बिजनौर ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नवाचार, छात्र नामांकन, निपुणता और स्वच्छता के क्षेत्र में लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जिले में अपनी अलग पहचान बनाई है। राज्य अध्यापक पुरस्कार 2024-25 से सम्मानित प्रधानाध्यापक सुनील कुमार के नेतृत्व में विद्यालय ने शिक्षा के साथ-साथ स्वच्छता और आधुनिक तकनीकी शिक्षण के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। विद्यालय ने लगातार दो वर्षों से नवीन छात्र नामांकन के क्षेत्र में जनपद में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इस उपलब्धि पर जिलाधिकारी बिजनौर द्वारा प्रधानाध्यापक सुनील कुमार को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। वर्तमान में विद्यालय में करीब 350 विद्यार्थी नामांकित हैं। कक्षा एक से पांच तक प्रत्येक कक्षा में लगभग 70 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं।

नवाचार एवं तकनीकी शिक्षा बना सफलता का आधार

स्योहारा। विद्यालय का भौतिक एवं शैक्षिक वातावरण आकर्षक, मनोरम और बाल-केंद्रित बनाया गया है। विद्यार्थियों को गतिविधि आधारित शिक्षण से जोड़ने के लिए तकनीक का प्रभावी उपयोग किया जा रहा है। कंप्यूटर शिक्षा, दीक्षा ऐप सहित विभिन्न डिजिटल एवं शैक्षिक संसाधनों के माध्यम से बच्चों को सरल और रुचिकर तरीके से पढ़ाया जाता है। विद्यालय में निपुण लक्ष्य की प्राप्ति के लिए नियमित गतिविधियां, मूल्यांकन और शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

स्वच्छता में भी लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन

स्योहारा। विद्यालय केवल शैक्षिक उपलब्धियों तक सीमित नहीं है, बल्कि स्वच्छता एवं स्वच्छ विद्यालय वातावरण के क्षेत्र में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। परिसर की स्वच्छता, आकर्षक भौतिक वातावरण और विद्यार्थियों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता को प्राथमिकता दी जाती है। वर्ष 2025-26 और 2026-27 में लगातार दो वर्षों से जिलाधिकारी बिजनौर द्वारा जनपद स्तर पर स्वच्छता के क्षेत्र में प्राथमिक विद्यालय स्योहारा प्रथम को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया है। प्रधानाध्यापक सुनील कुमार के नेतृत्व में विद्यालय स्टाफ के समर्पित प्रयासों से शिक्षा, नवाचार, नामांकन, निपुणता और स्वच्छता को एक साथ आगे बढ़ाया जा रहा है। विद्यालय की उपलब्धियां क्षेत्र के अन्य परिषदीय विद्यालयों के लिए भी प्रेरणादायक उदाहरण बन रही हैं।

संक्षिप्त खबरें

सीएम ऑफिस को बम से उड़ाने की धमकी

जयपुर में सचिवालय स्थित मुख्यमंत्री कार्यालय (CMO) को बम से उड़ाने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। पुलिस कंट्रोल रूम में मंगलवार सुबह 10:30 बजे धमकी भरा कॉल आया। इसके बाद पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों में खलबली मच गई। डीसीपी साउथ राजर्षि राज मौके पर पहुंचे और मामले की जानकारी ली। सीएम ऑफिस में डॉग स्क्वायड, एटीएस, रक्षा प्रतिक्रिया सुरक्षा एजेंसी मौके पर पहुंचीं। करीब 4:30 घंटे चले सर्च ऑपरेशन में कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिलने पर सभी ने राहत की सांस ली। डीसीपी साउथ राजर्षि राज ने बताया- प्रताप नगर एरिया से पुलिस ने कोटपूतली लाला कोठयारी (38) निवासी सवाई माधोपुर को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में युवक ने नशे में सीएम ऑफिस को बम से उड़ाने की धमकी दी थी। हालांकि पुलिस पूछताछ के बाद ही स्थिति साफ होगी।

सुंधा माता जा रहे युवक को पिकअप ने कुचला, मौत

रानीवाड़ा में सुंधा माता मंदिर दर्शन के लिए पैदल जा रहे एक श्रद्धालु को मंगलवार सुबह करीब 3 बजे कोटड़ा और धनपुरा गांव के बीच पीछे से आए पिकअप ट्राला ने टक्कर मार दी। हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को भीनमाल के सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। पुलिस पोस्टमार्टम की कार्रवाई कर रही है। सहायक उप निरीक्षक संग्रामाराम ने बताया- मृतक की पहचान हितेश कुमार (28) पुत्र नानजी राम चौधरी निवासी रूपावटी कलां के रूप में हुई है। हितेश रानीवाड़ा से सुंधा माता के दर्शन के लिए पैदल जा रहे श्रद्धालुओं के दल में शामिल था। इसी दौरान कोटड़ा और धनपुरा गांव के बीच पीछे से आए पिकअप ट्राला ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर से हितेश गंभीर रूप से घायल हो गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने पिकअप वाहन किया दस्तयाब सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने पिकअप को दस्तयाब कर लिया है। मामले की जांच की जा रही है। हितेश गांव में खेती का काम करता था। उसकी शादी करीब एक साल पहले हुई थी। वह इस बार पांचवीं बार सुंधा माता के दर्शन करने जा रहा था। हादसे की जानकारी मिलने के बाद परिजनों में शोक की लहर छा गई।

सूरजपुर में सड़कें बहीं, कच्चे मकान गिरे: केलो डैम के 4 गेट खोले गए

छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले के दूरस्थ चांदनी-बिहारपुर इलाके में पिछले दो दिनों से हो रही लगातार बारिश से जनजीवन प्रभावित है। भारी बारिश में कई सड़कें बह गई और कच्चे मकान धराशायी हो गए। कांतीपुर गांव में सड़क पर बनी पुलिया तेज बहाव में बह गई, जिससे आवागमन बाधित है। वहीं, रायगढ़ जिले में पिछले 24 घंटे से लगातार बारिश हो रही है। केलो नदी का जलस्तर बढ़ने पर सोमवार रात डैम के 4 गेट खोल दिए गए। मौसम विशेषज्ञों ने आज प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई है। एक-दो स्थानों पर बिजली गिर सकती है। इस दौरान 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चल सकती है। उफनते नदी-नालों को पार न करने की अपील सूरजपुर जिले के खैरा और कांतीपुर में कई कच्चे मकान भी गिर गए, रसोकी गांव की बरना नदी भी उफान पर है, जिससे आसपास के कई गांवों का सड़क संपर्क टूट गया है। प्रशासन ने लोगों से उफनते नदी-नालों को पार न करने और तेज बहाव वाले रास्तों से दूर रहने की अपील की है। उत्तर छत्तीसगढ़ में ज्यादा असर मौसम विभाग के मुताबिक बंगाल की खाड़ी और उससे लगे क्षेत्रों में बने अवदाब के प्रभाव से बारिश का सिस्टम सक्रिय है। इसके चलते 18 अगस्त यानि आज उत्तरी छत्तीसगढ़ के एक-दो स्थानों पर भारी से अति भारी बारिश हो सकती है। रायपुर में बादल, गरज-चमक के साथ बारिश रायपुर शहर में आज आसमान सामान्यतः बादलों से घिरा रहेगा। एक-दो बार बारिश या गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। अधिकतम तापमान 27℃ और न्यूनतम तापमान 24℃ के आसपास रहने का अनुमान है। अंबिकापुर सबसे गर्म, दुर्ग सबसे ठंडा पिछले 24 घंटे में प्रदेश का सर्वाधिक अधिकतम तापमान 29.4℃ अंबिकापुर में दर्ज किया गया। वहीं सबसे कम न्यूनतम तापमान 22.2℃ दुर्ग में रहा। इन इलाकों में हुई ज्यादा बारिश कोरबा में 17 सेमी, कोटाडोल और बिहारपुर में 10-10 सेमी, अजगरबहार में 9 सेमी, डौंडीलोहारा में 7 सेमी, ओडगी, रायपुर शहर, छाल और कापू में 6-6 सेमी बारिश दर्ज की गई। लाल बहादुर नगर, अंबागढ़ चौकी, लखनपुर, छुरा और दर्री में 5-5 सेमी बारिश हुई। अगले दो दिन भी बारिश के आसार मौसम विभाग के अनुसार अगले दो दिनों में प्रदेश के अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश जारी रह सकती है। कुछ स्थानों पर भारी बारिश और गरज-चमक के साथ वज्रपात की संभावना बनी रहेगी।

बाबा रामदेव बोले- देश के बच्चे-युवा खतरे में

रायपुर में कहा- प्रदर्शन करेंगे तो पढ़ेंगे कब; आंदोलन जरूरी, लेकिन अराजकता का समर्थन नहीं

प्रात: किरण संवाददाता

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर पहुंचे योग गुरु बाबा रामदेव ने देश में चल रहे आंदोलनों और युवाओं की भूमिका पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि देश में न हिंदू खतरे में है, न मुसलमान, न सिख, न ईसाई। खतरे में है तो देश का बचपन, देश की जवानी, वर्तमान और भविष्य। बाबा रामदेव ने कहा कि इस समय देश का सबसे बड़ा मुद्दा बच्चों का भविष्य बचाना है। कुछ लोग छोटे बच्चों का इस्तेमाल आंदोलनों में कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो बच्चा अभी प्राइमरी स्कूल में पढ़ रहा है, आप उसे आंदोलन में धकेल देंगे तो वह पढ़ाई कब करेगा। उन्होंने कहा कि संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए शांतिपूर्ण और संवैधानिक आंदोलन जरूरी है, लेकिन आंदोलन के नाम पर अराजकता का वे समर्थन नहीं करते। जब अन्याय दिखता है तो आक्रोश आंदोलन बनता है बाबा रामदेव ने कहा कि जब लोगों को लगता है कि कहीं बहुत ज्यादा अन्याय या अव्यवस्था हो रही है तो लोगों के भीतर आक्रोश पैदा होता है। यही आक्रोश आगे चलकर आंदोलन का रूप लेता है। लेकिन इस आक्रोश को भी लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीके से व्यक्त किया जाना चाहिए। शिक्षा-स्वास्थ्य व्यवस्था पर भी उठाए सवाल बाबा रामदेव ने कहा कि देश की शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार की जरूरत है। इन दोनों क्षेत्रों को लेकर कई गंभीर सवाल हैं, जिनका समाधान होना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसमें सरकारों की भी बड़ी जिम्मेदारी है। हालांकि, यह व्यवस्था किसी एक व्यक्ति के भरोसे नहीं चलती, बल्कि इसमें सभी की भूमिका होती है। किसी एक व्यक्ति के सामर्थ्य में पूरी व्यवस्था बदलना नहीं रामदेव ने कहा कि किसी एक व्यक्ति या किसी एक पार्टी के नेता के लिए पूरी व्यवस्था को बदलना संभव नहीं है। इसके लिए समाज, राजनीति और प्रशासन के स्तर पर जागरूकता और मिलकर काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि देश के सामने युवाओं, रोजगार, देश के भविष्य, प्रकृति और पर्यावरण से जुड़े कई बड़े मुद्दे हैं। इन सभी समस्याओं का समाधान तभी संभव है, जब जिम्मेदारी वाले सभी लोग मिलकर काम करें और इन मुद्दों को गंभीरता से समझें। महबूबा मुफ्ती के बयान पर बोले- बौद्धिक अराजकता ठीक नहीं महबूबा मुफ्ती के दिमागी नक्सली हूं वाले बयान पर रामदेव ने कहा कि ऐसे लोग बौद्धिक स्तर पर विखंडन और अराजकता फैलाना चाहते हैं।

ट्रक और पिकअप भिड़ंत के बाद पुलिया से नीचे गिरे: केबिन में फंसा पिकअप ड्राइवर

प्रात: किरण संवाददाता

कोटपूतली-बहरोड़ में NH-48 पर ट्रक ने पिकअप को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर के बाद दोनों वाहन पुलिया से नीचे सर्विस रोड पर जा गिरे। इस हादसे में पिकअप ड्राइवर घायल हो गया, जिसे पावटा उप जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। हादसा बागावास अहिरान पुलिया के पास मंगलवार सुबह करीब 5 बजे हुआ। बाबरु थाना अधिकारी प्रदीप सिंह ने बताया - दोनों वाहन दिल्ली से जयपुर की ओर जा रहे थे। इस दौरान बागावास अहिरान पुलिया पर पीछे चल रहे ट्रक ने पिकअप को टक्कर मार दी। हादसे के बाद दोनों वाहन बेकाबू होकर पुलिया से नीचे जा गिरे। पुलिया से गिरने पर पिकअप क्षतिग्रस्त हो गया और ड्राइवर केबिन में ही फंस गया। टक्कर होते ही ट्रक ड्राइवर मौके से फरार हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घायल पिकअप ड्राइवर को बाहर निकाला। घायल को पावटा उपजिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। क्रेन से हटाते समय ट्रक में लगी आग हादसे के बाद क्षतिग्रस्त वाहनों को क्रेन की मदद से हटाया जा रहा था। इसी दौरान घर्षण के कारण ट्रक में रखे केमिकल ने आग पकड़ ली। सूचना पर फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और आग बुझाने का काम शुरू किया। 3 दमकल ने ढाई घंटे में पाया आग पर काबू फायरमैन दीपक जाट, विकास सेन और नथूराम जाट ने बताया कि आग लगने की सूचना सुबह करीब 5:23 बजे मिली थी। इसके बाद कोटपूतली, पावटा और शाहपुरा से तीन दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। आग पर काबू पाने के प्रयास लगभग ढाई घंटे तक जारी रहे। हादसे के बाद कुछ देर तक जाम लगा रहा। फिलहाल हाईवे पर यातायात सुचारू रूप से जारी है। पुलिस हादसे के कारणों और पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है।

बच्चों से भरी स्कूल वैन पलटी, 14 घायल: मची चीख-पुकार

प्रात: किरण संवाददाता

डूंगरपुर जिले के धंबोला थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक स्कूल वैन अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में वैन में सवार 14 स्कूली बच्चे घायल हो गए। सभी घायल बच्चों को सीमलवाड़ा अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। यह हादसा पीठ-दरियाटी बायपास पर उस समय हुई जब वैन बच्चों को उनके घरों से स्कूल ले जा रही थी। वैन पलटने के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास के ग्रामीणों और राहगीरों ने तुरंत बचाव कार्य शुरू किया और बच्चों को वैन से बाहर निकाला। क्षमता से ज्यादा बच्चे वैन में सवार थे प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, वैन तेज रफ्तार में थी और उसमें क्षमता से अधिक बच्चे सवार थे। इसी कारण ड्राइवर का वाहन पर से संतुलन बिगड़ गया और वैन सड़क किनारे पलट गई। ग्रामीणों ने फंसे हुए बच्चों को अस्पताल पहुंचाने में मदद की। सूचना मिलने पर धंबोला थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने सीमलवाड़ा अस्पताल पहुंचकर घायल बच्चों के स्वास्थ्य की जानकारी भी ली। पुलिस ने वैन ड्राइवर स्कूल प्रबंधन की भूमिका की जांच शुरू कर दी है। जांच में ओवरलोडिंग, तेज रफ्तार और लापरवाही जैसे बिंदुओं को शामिल किया गया है। इस हादसे के बाद स्कूल वाहनों में सुरक्षा मानकों और क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाने को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं।

नमक की बोरियों के नीचे छिपाया 1.54 करोड़ का गांजा: ओडिशा से सुकमा के रास्ते राजस्थान ले जा रहे थे

प्रात: किरण संवाददाता

छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में पुलिस ने 308 किलो 280 ग्राम गांजा पकड़ा है। गांजा पिकअप में नमक की बोरियों के नीचे छिपाकर ओडिशा से राजस्थान ले जाया जा रहा था। जिसकी अनुमानित कीमत 1 करोड़ 54 लाख 14 हजार रुपए बताई गई है। इसके साथ ही, पुलिस ने पिकअप वाहन समेत कुल 1 करोड़ 64 लाख 49 हजार 550 रुपए की संपत्ति जब्त की है। राजस्थान के 2 आरोपी शिव कुमार प्रजापति (24) और उदय राम बलई (24) को गिरफ्तार किया गया है। मामला कोंटा थाना इलाके का है। ओडिशा से राजस्थान ले जा रहे थे गांजा एएसपी रोहित शाह ने बताया कि, 18 अगस्त को मुखबिर से सूचना मिली थी। बताया गया कि पिकअप वाहन क्रमांक फ्ख-27-ऋ्रए-6757 में ओडिशा के मलकानगिरी क्षेत्र से गांजा लेकर कोंटा के रास्ते राजस्थान ले जाया जा रहा है। सूचना के बाद कोंटा पुलिस ने कोंटा-मोटू मुख्य मार्ग स्थित कृष्ण मंदिर चौक, वार्ड क्रमांक 5 डोंडरा के पास नाकेबंदी की। सुबह करीब 6:10 बजे संदिग्ध पिकअप को रोककर उसमें सवार 2 लोगों को हिरासत में लिया गया। नमक की बोरियों के नीचे मिले गांजे के पैकेट पुलिस ने पिकअप की तलाशी ली तो ऊपर से नमक की बोरियां रखी मिलीं। इनके नीचे गांजे के पैकेट छिपाकर रखे गए थे। वजन करने पर कुल 308 किलो 280 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने मौके से शिव कुमार प्रजापति और उदय राम बलई को गिरफ्तार किया है। दोनों राजस्थान के भीलवाड़ा जिले के गाडरमाल के रहने वाले हैं। 1.64 करोड़ की संपत्ति जब्त पुलिस के अनुसार बरामद गांजे की कीमत करीब 1.54 करोड़ रुपए है। वहीं पिकअप वाहन समेत जब्त संपत्ति की कुल कीमत 1 करोड़ 64 लाख 49 हजार 550 रुपए आंकी गई है। कोंटा थाने में दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। राजस्थान में किसे पहुंचाना था गांजा, जांच जारी पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इतनी बड़ी मात्रा में गांजा ओडिशा के मलकानगिरी से कहां से लाया गया था और राजस्थान में किसे सप्लाई किया जाना था। तस्करी के नेटवर्क से जुड़े बाकी लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

कांवड़ यात्रा में महिला पर एसिड अटैक, चेहरा जला: 2 बच्चे भी झुलसे

प्रात: किरण संवाददाता

छत्तीसगढ़ के दुर्ग में सोमवार को कांवड़ यात्रा पर जा रही महिला पर युवक ने एसिड फेंक दिया, जिससे उसका चेहरा झुलस गया। इस दौरान 2 बच्चें भी एसिड की चपेट में आ गए। महिला को प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। मामला नंदिनी नगर थाना क्षेत्र का है। जांच में सामने आया है कि महिला और युवक एक-दूसरे को पहले जानते हैं। दोनों एक ही गांव के रहने वाले हैं। शुरूआती जांच में सामने आया है कि महिला के बात नहीं करने से नाराज होकर आरोपी ने वारदात को अंजाम दिया। उसने महिला पर बैटरी का केमिकल फेंका था। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। इधर, मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर मंगलवार को उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, दोनों के बीच पहले से विवाद होने की बात सामने आई है। हालांकि, विवाद किस बात को लेकर था और एसिड अटैक की असली वजह क्या थी, इसकी जांच अभी जारी है। ग्रामीण एएसपी मणिशंकर चंद्र ने बताया कि आरोपी ने महिला पर बैटरी के केमिकल से हमला किया था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी ने हमले की योजना पहले से बनाई थी या गुस्से में आकर अचानक वारदात को अंजाम दिया। वहीं, पुलिस यह भी पता कर रही है कि बैटरी का केमिकल आरोपी कहां से लाया था और घटना के पीछे पूरा विवाद क्या था।

अजमेर में ठेकेदार के मकान पर इनकम टैक्स की रेड

प्रात: किरण संवाददाता

अजमेर में इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की टीम ने एक ठेकेदार के मकान पर दबिश दी। अलवर और गुजरात से आई इनकम टैक्स की टीम मंगलवार सुबह अजमेर पहुंची। स्थानीय टीम की मदद से गंज थाना क्षेत्र में रहने वाले ठेकेदार के संजय नगर स्थित मकान पर कार्रवाई शुरू की। जानकारी के अनुसार- टीम ने मकान में मौजूद दस्तावेजों और अन्य रिकॉर्ड की जांच की। अधिकारियों ने वित्तीय लेन-देन से जुड़ी जानकारी भी जुटाई। सूत्रों के मुताबिक- कार्रवाई कथित तौर पर करोड़ों रुपए की इनकम टैक्स चोरी से जुड़े मामले में की जा रही है। जानकारी के अनुसार- जिस मकान पर कार्रवाई हुई, वह रामलाल का बताया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक- रामलाल के बेटे ताराचंद से इस मामले का संबंध बताया जा रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार ताराचंद कुछ समय से घर पर नजर नहीं आया है। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। घर के बाहर दिनभर पुलिस जाब्ता रहा तैनात कार्रवाई के दौरान सुरक्षा के लिए घर के बाहर पुलिस जाब्ता तैनात रहा। इनकम टैक्स की टीम ने मकान के अंदर दिनभर दस्तावेजों और रिकॉर्ड की जांच की। कार्रवाई की जानकारी मिलने के बाद आसपास के लोग भी घर के बाहर जमा होने लगे। पूरे दिन क्षेत्र में कार्रवाई को लेकर चचाओं का माहौल बना रहा। अधिकारियों ने कार्रवाई पर नहीं दी जानकारी इनकम टैक्स विभाग के अधिकारियों से कार्रवाई के संबंध में जानकारी लेने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने मामले में कोई जवाब नहीं दिया।

रींगस में सीए के घर इनकम टैक्स की रेड: सुबह 5 बजे यूपी की गाडियों से आए

प्रात: किरण संवाददाता

सीकर के रींगस शहर में मंगलवार सुबह करीब 5 बजे इनकम टैक्स विभाग की टीम ने सीए विनय जोशी के घर पर छापा मारा। यूपी नंबर की गाडियों से करीब 15 अधिकारी और कर्मचारी आए थे। मॉर्निंग वॉक पर निकले लोगों की अधिकारियों से कहासुनी भी हुई। कार्रवाई नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड नंबर 27 स्थित खेमकों का मोहल्ला में की गई। सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए मौके पर रींगस पुलिस का जाब्ता भी तैनात है। जानकारी के अनुसार, सुबह करीब 5 बजे उत्तर प्रदेश नंबर की तीन गाड़ियों में इनकम टैक्स विभाग के करीब 15 अधिकारी और कर्मचारी जोशी के घर पहुंचे। टीम में इनकम टैक्स विभाग आगरा के अधिकारी-कर्मचारी शामिल बताए जा रहे हैं। कार्रवाई के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के लिए रींगस पुलिस थाने का जाब्ता भी मौके पर मौजूद रहा। टीम के अधिकारियों ने घर में प्रवेश करने के बाद रेड की कार्रवाई शुरू कर दी। स्थानीय लोगों से हुई कहासुनी सीए विनय जोशी के परिवार में विनोद कुमार जोशी होमगार्ड में है। वह सुबह उठा तो अचानक घर में घुस रहे टीम सदस्यों को रोक लिया। इस दौरान मॉर्निंग वॉक के लिए निकल रहे लोग भी वहां पर एकत्रित हो गए। टीम सदस्यों और लोगों में बहस होने लगी। लोगों के विरोध को देखते हुए टीम में शामिल अधिकारियों ने अपने आई कार्ड दिखाकर परिचय दिया। जिस पर लोग शांत हुए। और टीम ने रेड की कार्रवाई शुरू की। कार्रवाई से व्यापारियों में हड़कंप इनकम टैक्स टीम के पहुंचने की सूचना के बाद मौके पर कुछ लोग भी जमा हो गए। इस पर टीम के अधिकारियों ने अपना परिचय दिया और कार्रवाई शुरू की। फिलहाल आयकर विभाग की कार्रवाई जारी है। कार्रवाई किस मामले और किन दस्तावेजों या लेन-देन से संबंधित है, इसकी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। मौके पर मौजूद पुलिस कर्मियों ने कोई भी जानकारी देने से मना कर दिया है। कहा कार्रवाई के बाद भी सारी जानकारी दी जाएगी।

डिग्गी कल्याणजी की पदयात्रा जयपुर से रवाना: भजनों पर नाचते-गाते चले भक्त

प्रात: किरण संवाददाता

डिग्गी कल्याणजी की 61वीं लक्खी पदयात्रा आज सुबह 9 बजे चौड़ा रास्ता स्थित श्री ताड़केश्वर मंदिर से डिग्गीपुरी के लिए रवाना हुई। मुख्य केसरिया निशान की पूजा-अर्चना के बाद संत-महात्माओं और ने ध्वज दिखाकर पदयात्रा को रवाना किया। भक्त 5 दिन में करीब 75 किलोमीटर का सफर तय कर 22 अगस्त को डिग्गीपुरी पहुंचेंगे। पदयात्रा में देवी-देवताओं की भी झांकियां सजी। भक्त भजनों पर नाचते-गाते हुए पैदल चले। कई भक्त पेट पलायन करते हुए रवाना हुए है। पदयात्रा के स्वागत-सत्कार के लिए चौड़ा रास्ता से टोंक रोड और सांगानेर तक जगह-जगह भंडारे लगाए गए। बता दें कि पदयात्रा से एक दिन पहले सोमवार रात से ही अलग-अलग जगहों से भक्तों का जयपुर आना शुरू हो गया था। डिग्गी में शोभायात्रा 22 अगस्त को डिग्गी पदयात्रा का पहला पड़ाव आज मदरामपुरा में होगा। 19 अगस्त को हरसूलिया, 20 अगस्त को फागी और 21 अगस्त को चौसला में रात्रि विश्राम होगा। 22 अगस्त को श्रद्धालु डिग्गीपुरी पहुंचेंगे। रास्ते में रात को भजन, रासलीला और सत्संग के कार्यक्रम होंगे। भगवान भोलेनाथ सहित अन्य देवी-देवताओं के स्वरूप भी पदयात्रा में आकर्षण का केंद्र रहेंगे। डिग्गी पहुंचने पर 22 अगस्त को शाम 5 बजे शोभायात्रा निकाली जाएगी। इसके बाद भगवान कल्याणजी महाराज के निज मंदिर में गंगोत्री से लाए गए गंगाजल से अभिषेक किया जाएगा। रात में श्रद्धालु जागरण में शामिल होंगे। तीसरी पीढ़ी निभा रही 61 साल पुरानी परंपरा श्री कल्याण डिग्गीपुरी लक्खी पदयात्रा संघ जयपुर के संचालक व अध्यक्ष श्रीजी शर्मा ने बताया कि वे तीसरी पीढ़ी से इस यात्रा की परंपरा निभा रहे हैं। उनके दादी स्व. रामेश्वर लाल शर्मा ने 1964 में पहली यात्रा शुरू की थी। इसके बाद 1993 से 2011 तक उनके पिता प्रहलाद राय शर्मा ने यात्रा का संचालन किया। पिछले 14 साल से वे इस परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं। टोंक रोड पर जगह-जगह भंडारे और स्वागत के लिए टेंट पदयात्रियों की सेवा के लिए चौड़ा रास्ता से टोंक रोड और सांगानेर तक जगह-जगह भंडारे लगाए गए हैं। सोमवार शाम से ही भंडारों में भोजन तैयार करने के लिए भट्टियां जल उठीं। टोंक रोड पर श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए जगह-जगह टेंट लगाए गए हैं। यहां पदयात्रियों के लिए भोजन, पानी और विश्राम की व्यवस्था की गई है।

राजस्थान के रुद्रांश को मिलेगा अर्जुन अवॉर्ड: 3 साल में 4 बार तोड़े वर्ल्ड रिकॉर्ड

प्रात: किरण संवाददाता

भारत सरकार ने नेशनल स्पोर्ट्स अवॉर्ड्स का आधिकारिक ऐलान कर दिया है। खेल मंत्रालय द्वारा जारी की गई फाइनल लिस्ट में भरतपुर के पैरा शूटर रुद्रांश खंडेलवाल(19) को अर्जुन अवॉर्ड देने की घोषणा की गई है। 8 साल की उम्र में एक दर्दनाक हादसे में अपना पैर गंवाने वाले रुद्रांश इस साल अर्जुन पुरस्कार पाने वाले खिलाड़ियों में सबसे युवा चेहरा हैं। सूची में नाम आते ही रुद्रांश के परिवार में जश्न का माहौल है। रुद्रांश की मां विनीता खंडेलवाल ने बताया कि लगभग 8 महीने पहले अर्जुन अवॉर्ड के लिए उनके नाम की सिफारिश की गई थी। फिलहाल रुद्रांश दिल्ली में हैं और जल्द ही अवॉर्ड मिलने की डेट घोषित की जाएगी। आतिशबाजी के हादसे ने बदली जिंदगी रुद्रांश के चाचा आशुतोष खंडेलवाल ने बताया कि 8 साल की उम्र में एक शादी समारोह के दौरान हुई आतिशबाजी की चपेट में आने से रुद्रांश ने अपना पैर गंवा दिया था। इस हादसे से उबरने में उन्हें करीब 3 साल लगे। शारीरिक चुनौती के बावजूद रुद्रांश ने हार नहीं मानी और निशानेबाजी (शूटिंग) को ही अपना लक्ष्य बना लिया। परिवार ने भी उनका पूरा सपोर्ट किया और आज वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन कर रहे हैं। 3 साल में 4 बार वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ चुके रुद्रांश अपने करियर में अब तक 4 बार वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ चुके हैं। वे साल 2023 में 50 मीटर शूटिंग इवेंट में दुनिया के नंबर वन खिलाड़ी बने थे। जबकि पेरिस पैरालंपिक में भी भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। आमतौर पर अर्जुन अवॉर्ड के लिए 4 साल के अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन को आधार माना जाता है, लेकिन रुद्रांश के पास केवल 3 साल का अनुभव है। इसके बावजूद उनके असाधारण प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें यह सम्मान दिया जा रहा है।

बड़ौदामेव के सभी 25 वार्डों की लॉटरी रद्द हुई: दोबारा निकाली गईं पर्चियां

प्रात: किरण संवाददाता

अलवर जिले की 11 नगर पालिकाओं और नगर निगम के वार्डों की आरक्षण लॉटरी सोमवार को निकाली जा चुकी थी, लेकिन 24 घंटे के बाद ही बड़ौदामेव नगर पालिका की लॉटरी फिर से निकालनी पड़ी। दरअसल, सोमवार को निकाली गई बड़ौदामेव की लॉटरी में गड़बड़ी की शिकायतें मिली थी। इसके बाद मंगलवार को अलवर कलेक्ट्रेट में दोबारा से पर्चियां निकालकर नए सिरे से आरक्षण तय किया गया। क्या है पूरा मामला? सोमवार को जब जिला मुख्यालय पर नगर निगम सहित जिले की 11 नगर पालिकाओं के वार्डों की आरक्षण लॉटरी निकाली गई, तब बड़ौदामेव के 25 वार्डों की भी लॉटरी पूरी कर ली गई थी। लॉटरी प्रक्रिया पूरी होने के बाद बड़ौदामेव के वार्डों के आरक्षण में तकनीकी और प्रक्रियात्मक खामियां सामने आईं। गड़बड़ी उजागर होते ही मंगलवार को प्रशासन में हड़कंप मच गया और आनन-फानन में बड़ौदामेव नगर पालिका के सभी 25 वार्डों का लॉटरी ड्रा कलेक्ट्रेट सभागार में दोबारा आयोजित किया गया। अ‌उ्ट योगेश डागुर ने बताया- बड़ौदामेव नगर पालिका के वार्डों के आरक्षण में कुछ तकनीकी खामियां रह गई थीं। नियमों के तहत पारदर्शिता बनाए रखने के लिए उन्हें दुरुस्त कर लिया गया है। मंगलवार को दोबारा लॉटरी निकाल दी गई है। मामले में कोई बड़ी या दुर्भावनापूर्ण गड़बड़ी नहीं थी।

स्टील कारोबारी मर्डर केस, कंपनी के पूर्व स्टाफ को उम्रकैद: खुद की हत्या की सुपारी देने का था दावा

प्रात: किरण संवाददाता

छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में 2 साल पहले स्टील कारोबारी अक्षत अग्रवाल की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में कोर्ट ने आरोपी को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। मामला गांधी नगर थाना क्षेत्र का था। 21 अगस्त 2024 को अंबिका स्टील इंडस्ट्रीज के मालिक महेश केडिया के बेटे अक्षत अग्रवाल (23) का शव कार में मिला था। अक्षत के सीने में गोली लगी थी। पुलिस ने हत्या के आरोप में कंपनी के पूर्व कर्मचारी संजीव मंडल को गिरफ्तार किया था। आरोपी का दावा था कि कारोबारी ने खुद अपनी हत्या की सुपारी दी थी। इस दौरान आरोपी का नार्को टेस्ट और पॉलीग्राफ टेस्ट भी कराया गया, लेकिन इनमें कोई नया तथ्य सामने नहीं आया। हत्या की असल वजह अब तक स्पष्ट नहीं हो पाई है। 2 साल चली सुनवाई, 33 गवाहों के बयान दर्ज अतिरिक्त सरकारी वकील विनोद कुमार दुबे ने बताया कि गांधीनगर पुलिस ने घटना के अगले दिन यानी 22 अगस्त 2024 को ही आरोपी संजीव मंडल को हिरासत में ले लिया था। आरोपी के कब्जे से 3 पिस्टल और 31 कारतूस बरामद किए गए थे। इसके अलावा 50 हजार रुपए कैश, अक्षत अग्रवाल की सोने की चेन, ब्रेसलेट और अंगूठी भी बरामद हुई थी। आरोपी संजीव मंडल ने दावा किया था कि अक्षत अग्रवाल ने खुद अपनी हत्या की सुपारी दी थी। आरोपी के मुताबिक, तीनों पिस्टल और 31 कारतूस भी अक्षत अग्रवाल ही लेकर आया था। मामले की सुनवाई जिला कोर्ट के सप्तम अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश महेश कुमार राज की अदालत में हुई। करीब 2 साल चली सुनवाई में पुलिस अधिकारियों और जवानों, डॉक्टर, फॉरेंसिक टीम, परिजनों और दोस्तों समेत कुल 33 लोगों की गवाही हुई। कोर्ट ने संजीव मंडल को हत्या और आर्म्स एक्ट (हथियार रखने) के तहत दोषी ठहराया। कोर्ट ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) के तहत आजीवन सश्रम कारावास और आर्म्स एक्ट की धारा 25, 27 के तहत 5 साल के कारावास की सजा सुनाई है। खुद की हत्या की सुपारी देने का पहला मामलाअतिरिक्त सरकारी वकील के मुताबिक, आरोपी संजीव मंडल उर्फ भानू ने गिरफ्तारी के बाद दावा किया था कि अक्षत अग्रवाल ने खुद अपनी हत्या की सुपारी दी थी। आरोपी ने पुलिस को दिए बयान में बताया था कि अक्षत ने उसे खुद को गोली मारने के लिए कहा था। संजीव के मुताबिक, उसने अक्षत पर पिस्टल तानी, लेकिन गोली नहीं चला पाया। इसके बाद अक्षत ने खुद ट्रिगर दबा दिया, जिससे गोली उसके सीने में लगी। संजीव ने दावा किया कि इसके बाद उसने भी दो फायर किए। हालांकि, कोर्ट में आरोपी अपने पुलिस बयान से मुकर गया और खुद को निर्दोष बताया। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के मुताबिक, अक्षत को तीनों गोलियां पास से मारी गई थीं। परिस्थितिजन्य और इलेक्ट्रॉनिक सबूतों से घटना के समय अक्षत अग्रवाल और संजीव मंडल की घटनास्थल पर मौजूदगी की पुष्टि हुई।

स्कॉर्पियो ने 3 गाड़ियों को मारी टक्कर, बच्चे के पैर टूटे: बाइक सवार व्यापारी उछलकर सड़क पर गिरा

प्रात: किरण संवाददाता

जोधपुर में मंगलवार सुबह स्कॉर्पियो सवार युवकों ने 3 गाड़ियों को टक्कर मार दी। हादसे में 2 लोग घायल हो गए। इनमें एक बच्चे के दोनों पैर फ्रैक्टर हो गए। वहीं, बाइक पर जा रहे एक व्यापारी उछलकर सड़क पर गिरने से गंभीर घायल हो गए। घटना शहर के प्रतापनगर सदर थाना क्षेत्र के बॉम्बे मोटर-पांचवी रोड पर सुबह 9:30 बजे की है। गंभीर घायलों में विशाल (16) और व्यापारी कुणाल बाहेती शामिल हैं। दोनों गंभीर घायलों का इलाज मथुरादास माथुर हॉस्पिटल के इमरजेंसी वार्ड में चल रहा है। हादसे में घायल व्यापारी ने बताया- मेरी टॉय शॉप है। मैं कायलाना से बॉम्बे मोटर चौराहे की तरफ जा रहा था। इस दौरान स्कॉर्पियो काफी रफ्तार में आआ। एक के बाद एक गाड़ियों को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही मैं उछल कर सड़क पर गिर गया। एक साथ 3 गाड़ियों को मारी टक्कर हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। इस दौरान स्कॉर्पियो की चपेट में आने से एक स्कूटी फंस गई। जिसे बड़ी मुश्किल से लोगों ने बाहर निकाला। प्रतापनगर सदर थानाधिकारी सुंदर कला ने बताया कि हादसे में दो लोग घायल हुए हैं। एक स्कॉर्पियो सवार को डिटेन किया है। एक जीप को भी टक्कर मारी है, उसमें कोई सवार नहीं था। चाय की दुकान पर जा रहे बच्चे को मारी टक्कर, पैर टूटा हादसे में घायल हुए विशाल के चाचा ने बताया- मेरा भतीजा चाय के होटल पर जा रहा था। इसी दौरान स्कॉर्पियो सवार ने उसे टक्कर मार दी।

पंचायतीराज लॉटरी स्थगित करने पर अवमानना-याचिका दायर करने की तैयारी: संयम लोढ़ा बोले- लीगल नोटिस भिजवाए हैं

प्रात: किरण संवाददाता

राजस्थान में पंचायतीराज संस्थाओं के वार्डों की लॉटरी स्थगित होने के खिलाफ कांग्रेस नेता संयम लोढ़ा ने हाईकोर्ट में अवमानना याचिका दायर करने का फैसला किया है। संयम लोढ़ा ने मुख्य सचिव, राज्य निर्वाचन आयुक्त, पंचायतीराज की एसीएस, पंचायतीराज आयुक्त को हाईकोर्ट की अवमााना के लीगल नोटिस भिजवाए हैं। संयम लोढ़ा की याचिका पर ही हाईकोर्ट ने राज्य सरकार और राज्य निर्वाचन आयोग को नवंबर तक चुनाव प्रक्रिया पूरी करने के आदेश दिए थे। हाईकोर्ट ने 15 अगस्त तक लॉटरी प्रक्रिया पूरी कर चुनाव कार्यक्रम की घोषणा करने के आदेश दिए थे। राजस्थान के 309 शहरी निकाय प्रमुखों और इनके वार्डों में आरक्षण की लॉटरी पूरी हो चुकी है। 41 जिला प्रमुखों की लॉटरी प्रक्रिया भी निकाय प्रमुखों के साथ पूरी कर ली गई। प्रधान, पंचायत समिति मेंबर, जिला परिषद मेंबर, सरपंच और वार्ड पंच के आरक्षण की लॉटरी 17 अगस्त को निकाली जानी थी, लेकिन सरकार ने 16 अगस्त की शाम को ही इस लॉटरी प्रक्रिया को स्थगित कर दिया। अब प्रधान, पंचायत समिति मेंबर, जिला परिषद मेंबर के वार्ड की लॉटरी 17 सितंबर और सरपंच-वार्ड पंच की लॉटरी 18 सितंबर को होगी। संयम लोढ़ा बोले- लॉटरी स्थगित करना हाईकोर्ट की अवमानना संयम लोढ़ा ने कहा- हाईकोर्ट ने जब आदेश पारित किया तब पूरे अफसर ऑनलाइन थे। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई बैठक के हवाले से हाईकोर्ट के सामने कार्यक्रम पेश किया। उसके आधार पर हाईकोर्ट ने आदेश दिया था कि 15 अगस्त या उससे पहले समस्त लॉटरी प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

वंदे मातरम विवाद में सोनिया गांधी के खिलाफ शिकायत

गाजियाबाद। गाजियाबाद की एसीजेएम-द्वितीय एमपी-एमएलए अदालत में कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी के खिलाफ वंदे मातरम के गायन में कथित बाधा डालने के आरोप में आपराधिक शिकायत दाखिल की गई है। शिकायत हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता ने दाखिल की है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि 15 अगस्त को आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान वंदे मातरम के गायन में कथित रूप से बाधा डाली गई। शिकायतकर्ता ने अदालत से कार्यक्रम का वीडियो साक्ष्य के रूप में प्रस्तुत किए जाने की मांग की है। अदालत ने शिकायत से संबंधित अर्जी स्वीकार कर ली है। मामले में अगली सुनवाई 8 सितंबर को निर्धारित की गई है। शिकायत में लगाए गए आरोपों पर अदालत की आगे की कार्यवाही के बाद स्थिति स्पष्ट होगी।

पांच वर्षीय बच्ची को कुत्ते ने काटा

लोनी। लोनी क्षेत्र की अशोक विहार कॉलोनी में गली में खेल रही पांच वर्षीय मासूम के चेहरे पर कुत्ते ने काट लिया। परिजन उसे संयुक्त अस्पताल लेकर पहुंचे। चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार कर कुत्ते काटने का टीका लगाया। अशोक विहार कॉलोनी में रहने वाले मौसीन की बहन आसमां पांच वर्षीय पुत्री कशिश के साथ मायके आई हुई है। उन्होंने बताया कि बहन की बेटी सोमवार को गली में खेल रही थी। इस दौरान गली में घूमने वाले कुत्ते ने उसके चेहरे पर काट लिया। उसके शोर मचाने पर परिजन और आसपास के लोगों ने कुत्ते को भगाया। परिजन उसे संयुक्त अस्पताल लेकर पहुंचे। चिकित्सक ने मासूम का प्राथमिक उपचार कर कुत्ते काटने का टीका लगाया। मौसीन ने बताया कि क्षेत्र में आवारा कुत्तों का आतंक है। अधिकारियों को गलियों में घूम रहे कुत्तों को पकड़ने के लिए अभियान चलाना चाहिए। संयुक्त अस्पताल के प्रभारी डॉ. कैलाश चंद्र ने बताया कि कुत्तों के हमलों में वृद्धि हुई है। अस्पताल में रोजाना 35 से अधिक लोगों को कुत्ते काटने के इंजेक्शन लगाए जा रहे हैं।

नशामुक्त युवा ही विकसित भारत की मजबूत नींव : डॉ. राम अवतार जिंदल

गाजियाबाद। शिक्षाविद एवं समाजसेवी डॉ. राम अवतार जिंदल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने युवाओं को नशे की लत से मुक्त करने के लिए ह्यनशा मुक्त युवा, विकसित भारत संकल्प अभियानह्न शुरू किया है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ और नशामुक्त युवा ही विकसित भारत की मजबूत नींव हैं। डॉ. जिंदल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2 अगस्त 2026 को अभियान की शुरूआत करते हुए युवाओं से नशे से दूर रहने का आह्वान किया। उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि नशे से बाहर निकलने वाले युवा कमजोर नहीं, बल्कि असली योद्धा हैं और समाज को उनका सम्मान करना चाहिए।

भूखंडों का फर्जी बैनामा कराने वाला बुजुर्ग गिरफ्तार

लोनी। अंकुर विहार थाना पुलिस ने फर्जी दस्तावेज तैयार दो भूखंडों का बैनामा कर कब्जा करने के आरोप में बुजुर्ग व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। सहायक पुलिस आयुक्त अंकुर विहार अमरदीप मौर्य ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी रामेश्वर पार्क निवासी दयानंद शर्मा है। उसके खिलाफ 13 जून को शिकायत मिली थी। आरोपी ने एक बुजुर्ग की मौत के बाद उनके दो भूखंडों का फर्जी दस्तावेज बनाकर बैनामा करा लिया था। साथ ही इन पर गेट तोड़कर कब्जा भी कर लिया था। पीड़ित के विरोध पर उन्हें धमकी दी गई, जिसके बाद उनकी शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

जिला स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में दम दिखाएंगे जिले के एथलीट

ग्रेटर नोएडा। 61वीं यूपी स्टेट ओपन जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए गौतमबुद्ध नगर के एथलीटों के चयन की प्रक्रिया बुधवार से शुरू होगी। जिला एथलेटिक्स संघ की ओर से जिला स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन ग्रेनो के नॉलेज पार्क-3 स्थित सिटी हॉक्स स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में किया जाएगा। प्रतियोगिता में जिलेभर से बड़ी संख्या में बालक और बालिका खिलाड़ी हिस्सा लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। बेहतर प्रदर्शन करने वाले एथलीटों का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया जाएगा। जिला एथलेटिक्स संघ के सचिव नीलेन्द्र सिंह चौहान ने बताया, प्रतियोगिता में अंडर-14, अंडर-16, अंडर-18 और अंडर-20 आयु वर्ग के खिलाड़ी शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि दौड़, बाधा दौड़, लंबी कूद, ऊंची कूद, गोला फेंक, चक्का फेंक और जेवलिन थ्रो सहित अन्य स्पर्धाएं शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इस का आयोजन प्रयागराज के मदन मोहन मालवीय स्टेडियम में 23 से 25 अगस्त तक किया जाएगा। जिला स्तरीय प्रतियोगिता में चयनित खिलाड़ी गौतमबुद्ध नगर का प्रतिनिधित्व करते हुए राज्य स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाएंगे।

मोक्ष सप्तमी आज, जैन मंदिर में होंगे विशेष आयोजन

नोएडा। 23वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ के 2803वें निर्वाण कल्याणक के अवसर पर बुधवार को शहर के जैन मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना होगी। सेक्टर-50 व सेक्टर 27 स्थित जैन मंदिरों में मोक्ष सप्तमी के मौके पर भगवान पार्श्वनाथ को निर्वाण लड्डू समर्पित किया जाएगा। सुबह से शुरू होने वाले इस धार्मिक आयोजनों में अभिषेक, शांतिधारा, पूजन, भक्तामर स्तोत्र विधान और दीप आराधना शामिल रहेगी। जहां सुबह छह बजे अभिषेक और शांतिधारा से कार्यक्रम की शुरूआत होगी। इसके बाद सात बजे भगवान पार्श्वनाथ के निर्वाण कल्याणक का पूजन और करीब 7:30 बजे निर्वाण लड्डू समर्पण किया जाएगा। सुबह आठ बजे भक्तामर स्तोत्र विधान होगा। साथ ही शाम को सामूहिक मंगल आरती और भक्तामर स्तोत्र का पाठ किया जाएगा। 1008 भगवान पार्श्वनाथ के सानिध्य में करीब 7:30 बजे 48 दीपकों के साथ भक्तामर महामंडल दीप आराधना भी होगी।

गाजियाबाद के पीआरडी जवानों को बड़ी सौगात, ड्यूटी भत्ता 600 रुपये हुआ

प्रात : किरण संवाददाता

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के प्रांतीय रक्षक दल के स्वयंसेवकों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को बड़ी सौगात दी। मुख्यमंत्री ने पीआरडी स्वयंसेवकों का दैनिक ड्यूटी भत्ता 500 रुपये से बढ़ाकर 600 रुपये करने की घोषणा की। इसके साथ ही स्वयंसेवकों और उनके आश्रित परिवार के सदस्यों को प्रतिवर्ष 5 लाख रुपये तक की नकदरहित चिकित्सा सुविधा देने का ऐलान किया गया। लखनऊ में बहुमंजिला बैरक के निर्माण की आधारशिला रखने की घोषणा भी की गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में गोरखपुर के बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह, रामगढ़ ताल से प्रदेश के सभी जनपद मुख्यालयों पर पीआरडी स्वयंसेवकों के लिए सीधा सम्मेलन आयोजित किया गया। गाजियाबाद में भी पीआरडी स्वयंसेवकों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया और मुख्यमंत्री की घोषणाओं को सुना। ड्यूटी भत्ते में 100 रुपये की बढ़ोतरी मुख्यमंत्री ने पीआरडी स्वयंसेवकों के दैनिक ड्यूटी भत्ते में 100 रुपये की बढ़ोतरी की घोषणा की। अब उन्हें ड्यूटी के लिए प्रतिदिन 600 रुपये मिलेंगे, जबकि इससे पहले यह राशि 500 रुपये थी। इस बढ़ोतरी से प्रदेशभर में ड्यूटी करने वाले पीआरडी स्वयंसेवकों को सीधे आर्थिक लाभ मिलेगा। स्वयंसेवकों ने इस घोषणा का स्वागत करते हुए इसे लंबे समय से अपेक्षित मांगों की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। परिवार सहित 5 लाख रुपये की नकदरहित चिकित्सा सुविधा पीआरडी स्वयंसेवकों के लिए दूसरी महत्वपूर्ण घोषणा स्वास्थ्य सुविधा से संबंधित रही। मुख्यमंत्री ने स्वयंसेवकों और उनके आश्रित परिवार के सदस्यों के लिए प्रतिवर्ष 5 लाख रुपये तक की नकदरहित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की घोषणा की। इस सुविधा से स्वयंसेवकों और उनके परिवारों को गंभीर बीमारी या उपचार की स्थिति में आर्थिक राहत मिलने की उम्मीद है। इससे पीआरडी स्वयंसेवकों की सामाजिक सुरक्षा भी मजबूत होगी। लखनऊ में बहुमंजिला बैरक का होगा निर्माण मुख्यमंत्री ने लखनऊ में पीआरडी स्वयंसेवकों के लिए बहुमंजिला बैरक की आधारशिला रखने की भी घोषणा की। इसका उद्देश्य स्वयंसेवकों के लिए बेहतर आवासीय और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

गाजियाबाद सदर तहसील में रजिस्ट्री पर लगा ब्रेक, आईजीआरएसयूपी वेबसाइट ठप

प्रात : किरण संवाददाता

गाजियाबाद। गाजियाबाद सदर तहसील में मंगलवार दोपहर से मकान और भूखंड की रजिस्ट्री का काम प्रभावित हो गया। रजिस्ट्री प्रक्रिया के लिए इस्तेमाल होने वाली आईजीआरएसयूपी वेबसाइट अचानक बंद होने के कारण तहसील पहुंचे खरीदार और विक्रेताओं को घंटों इंतजार करना पड़ा। वेबसाइट के काम नहीं करने से पहले से निर्धारित कई रजिस्ट्रियों की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकी। दोपहर से वेबसाइट में तकनीकी समस्या आने की जानकारी सामने आई। इसके बाद रजिस्ट्री से जुड़ी ऑनलाइन प्रक्रिया रुक गई। निर्धारित समय पर तहसील पहुंचे लोगों को वेबसाइट दोबारा शुरू होने का इंतजार करना पड़ा। कई लोगों ने बताया कि रजिस्ट्री के लिए पहले से समय निर्धारित था, लेकिन तकनीकी समस्या के कारण उन्हें बिना काम पूरा हुए इंतजार करना पड़ा। कर्मचारियों को भी हुई परेशानी वेबसाइट बंद होने का असर तहसील में रजिस्ट्री का काम कर रहे कर्मचारियों पर भी पड़ा। ऑनलाइन प्रक्रिया पूरी नहीं होने के कारण दस्तावेजों से संबंधित आगे की कार्रवाई नहीं हो सकी। कर्मचारियों को भी वेबसाइट के दोबारा चालू होने का इंतजार करना पड़ा। रजिस्ट्री कराने पहुंचे लोगों का कहना है कि वे निर्धारित समय पर सभी आवश्यक तैयारी के साथ तहसील पहुंचे थे, लेकिन वेबसाइट ठप होने के कारण उनका समय और संसाधन दोनों प्रभावित हुए। शाम तक वेबसाइट शुरू नहीं होने से बढ़ी परेशानी मंगलवार शाम तक वेबसाइट के दोबारा शुरू नहीं होने से लोगों की परेशानी और बढ़ गई। विशेष रूप से उन खरीदारों और विक्रेताओं को अधिक दिक्कत हुई, जिनकी रजिस्ट्री के लिए पहले से तारीख और समय तय था। लोगों ने संबंधित विभाग से वेबसाइट की तकनीकी समस्या को जल्द दूर कराने और रजिस्ट्री व्यवस्था को सामान्य करने की मांग की है।

पिलखुवा में विकास तोमर का जोरदार स्वागत सैकड़ों लोगों ने पहनाया पटका

प्रात : किरण संवाददाता

धौलाना। धौलाना विधानसभा-58 से भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं समाजसेवी विकास तोमर लगातार क्षेत्र में जनसंपर्क बढ़ाते हुए लोगों के बीच अपनी मजबूत पहचान बना रहे हैं। युवाओं में लोकप्रिय विकास तोमर क्षेत्रवासियों के सुख-दुख में निरंतर सहभागी बनने के साथ सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। इसी क्रम में मंगलवार को पिलखुवा स्थित जय भारत खड़ी भंडार पर रोहित अग्रवाल से विकास तोमर ने आत्मीय मुलाकात की। इस दौरान क्षेत्र के विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों को लेकर चर्चा हुई। रोहित अग्रवाल के स्नेह, अपनापन और आत्मीय स्वागत के लिए विकास तोमर ने हृदय से आभार व्यक्त किया। मुलाकात के दौरान सैकड़ों लोगों ने विकास तोमर का पटका पहनाकर जोरदार एवं भव्य स्वागत किया। लोगों के उत्साह और गर्मजोशी से हुए स्वागत से माहौल पूरी तरह उत्साहपूर्ण नजर आया। विकास तोमर ने कहा कि क्षेत्र की जनता का स्नेह और विश्वास ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है और वे सदैव क्षेत्रवासियों के बीच रहकर उनकी समस्याओं के समाधान एवं क्षेत्र के विकास के लिए प्रयासरत रहेंगे।

गाजियाबाद के राजनगर एक्सटेंशन में गड्ढों का सफर और जलभराव की मार, रालोद युवा ने सीएम से लगाई गुहार

प्रात : किरण संवाददाता

गाजियाबाद। राजनगर एक्सटेंशन में जर्जर सड़कों और बारिश के दौरान होने वाले जलभराव की समस्या अब स्थानीय लोगों के लिए परेशानी का बड़ा कारण बन गई है। क्षेत्र की बदहाल सड़कों और जल निकासी की समस्या को लेकर राष्ट्रीय लोकदल युवा ने मोर्चा खोलते हुए मुख्यमंत्री को पत्र भेजा है। रालोद युवा महानगर अध्यक्ष तुषार कौशिक ने मुख्यमंत्री से क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण कराकर सड़कों की मरम्मत और जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान कराने की मांग की है। मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में तुषार कौशिक ने कहा कि राजनगर एक्सटेंशन की कई प्रमुख सड़कें लंबे समय से जर्जर हालत में हैं। सड़कें जगह-जगह से टूट चुकी हैं और बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं। बारिश होने के बाद इन गड्ढों में पानी भर जाता है, जिससे सड़क पर आवागमन और अधिक मुश्किल हो जाता है। जलभराव के कारण वाहन चालकों को गड्ढों का अंदाजा नहीं लग पाता। इससे वाहनों के क्षतिग्रस्त होने के साथ दोपहिया वाहन चालकों और पैदल राहगीरों के दुर्घटनाग्रस्त होने का खतरा भी बना रहता है। कई प्रमुख मार्गों की हालत खराब तुषार कौशिक ने पत्र में राजनगर एक्सटेंशन की कई सड़कों का उल्लेख करते हुए बताया कि देविका स्काईपर्स के सामने की सड़क, गुलमोहर के बैंक रोड की सड़क, ब्रेव हाट्स से पांच नंबर भट्ठा की ओर जाने वाला मार्ग और गॉड्स वैली फार्म हाउस के बराबर वाली सड़क समेत कई अन्य रास्ते खराब स्थिति में हैं। बारिश के दौरान इन सड़कों पर जलभराव होने से समस्या और गंभीर हो जाती है। स्थानीय लोगों को रोजाना आवागमन में परेशानियों का सामना करना पड़ता है। शिकायतों के बावजूद स्थायी समाधान नहीं रालोद युवा महानगर अध्यक्ष का कहना है कि स्थानीय निवासी लंबे समय से सड़कों और जलभराव की समस्या को लेकर संबंधित अधिकारियों से शिकायत करते आ रहे हैं। समस्या को लेकर प्रदर्शन भी किए जा चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद अभी तक इसका स्थायी समाधान नहीं हो पाया है। उन्होंने कहा कि अस्थायी तौर पर की जाने वाली मरम्मत और सफाई से कुछ समय के लिए राहत मिलती है, लेकिन बारिश होते ही समस्या दोबारा सामने आ जाती है।

गाजियाबाद में दो महिलाओं समेत चार पर ठगी का मुकदमा

प्रात : किरण संवाददाता

गाजियाबाद। राजनगर एक्सटेंशन की वीवीआईपी सोसाइटी में रहने वाले संदीप गोयल ने दो महिलाओं समेत चार लोगों के खिलाफ निवेश के नाम पर करीब 11 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का मुकदमा नंदग्राम थाने में दर्ज कराया है। पीड़ित का आरोप है कि आरोपी एमवे और अन्य अंतरराष्ट्रीय कंपनियों में निवेश कराने के नाम पर पिछले करीब चार वर्षों से उनसे लगातार रकम लेते रहे। पीड़ित के मुताबिक, शुरूआत में आरोपियों ने उन्हें करीब 10 लाख रुपये का लाभ दिलाया, जिससे उनका विश्वास बढ़ गया। इसके बाद आरोपियों ने अलग-अलग कंपनियों में निवेश के नाम पर बड़ी रकम लगवानी शुरू कर दी। आरोप है कि हरियाणा और दिल्ली से जुड़े आरोपियों ने उन्हें कई व्यापारियों और उद्योगपतियों से भी मिलवाया, ताकि निवेश को भरोसेमंद दिखाया जा सके। संदीप गोयल का आरोप है कि इसी विश्वास का फायदा उठाकर आरोपियों ने उनसे करीब 11 करोड़ रुपये की रकम हासिल कर ली। बाद में निवेश की रकम और मुनाफे को लेकर उन्हें परेशान किया जाने लगा और रकम वापस नहीं की गई। मामले में पीड़ित ने रेनू चौहान, सौरभ चौहान, रवि राणा और दयावती के खिलाफ नंदग्राम थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अब आरोपियों से जुड़े बैंक खातों, कंपनियों में किए गए निवेश, लेनदेन और अन्य दस्तावेजों की जांच कर रही है। मामले में आगे की कार्रवाई जांच के तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर की जाएगी।

गाजियाबाद में 6 करोड़ से संवरेंगे 6 सामुदायिक भवन, इसी साल जनता को मिलेंगे किफायती आयोजन स्थल

गाजियाबाद। नगर निगम शहरवासियों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए छह स्थानों पर सामुदायिक भवनों के निर्माण और सौंदर्यीकरण का कार्य करा रहा है। इन परियोजनाओं पर करीब 6 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। महापौर सुनीता दयाल के मुताबिक सभी छह सामुदायिक भवनों को इसी वर्ष जनता के उपयोग के लिए समर्पित करने का लक्ष्य है। महापौर सुनीता दयाल ने कहा कि सामुदायिक भवन आम लोगों की महत्वपूर्ण जरूरत हैं। स्थानीय पार्षदों की ओर से लंबे समय से इनकी मांग की जा रही थी। लोगों को शादी, सामाजिक और पारिवारिक कार्यक्रमों के लिए निजी फार्महाउस या बैंक्वेट हॉल का सहारा लेना पड़ता है, जिनका किराया कई परिवारों के लिए महंगा साबित होता है नगर निगम द्वारा शहर में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने का कार्य किया जा रहा है। सभी जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के सहयोग से विकास कार्य तेजी से पूरे किए जा रहे हैं। वार्ड 65 विवेकानंद नगर में सामुदायिक भवन के सौंदर्यीकरण पर करीब 76 लाख रुपये, वार्ड 11 नंदग्राम में नए भवन के निर्माण पर करीब 1.80 करोड़ रुपये, वार्ड 56 चिरंजीव विहार में सौंदर्यीकरण पर करीब 80 लाख रुपये और वार्ड 60 श्याम पार्क मेन में करीब 1.40 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। इसके अलावा वार्ड 38 अर्थला में करीब 79 लाख रुपये और वार्ड 25 चाणक्य चौक में करीब 26 लाख रुपये की लागत से सामुदायिक भवनों का सौंदर्यीकरण कराया जा रहा है। महापौर के अनुसार इन भवनों का लाभ संबंधित छह वार्डों के साथ आसपास रहने वाली बड़ी आबादी को भी मिलेगा।

गौतमबुद्ध नगर कैरम एसोसिएशन दिल्ली में कराएगा चैंपियनशिप

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर कैरम एसोसिएशन की ओर से 30वीं उत्तर प्रदेश राज्य कैरम चैंपियनशिप का आयोजन कराया जाएगा। यह प्रतियोगिता 21 से 23 अगस्त तक नई दिल्ली स्थित हरकिशन सिंह सुरजीत भवन में आयोजित होगी। प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में खिलाड़ी हिस्सा लेंगे प्रतियोगिता की खास बात यह होगी कि सभी मुकाबले अंपायर रहित और कैमरे की निगरानी में कराए जाएंगे। मुकाबले ऑल इंडिया कैरम फेडरेशन के नियमों के अनुसार होंगे। प्रतियोगिता के लिए उत्तर प्रदेश कैरम एसोसिएशन के अध्यक्ष बैजनाथ सिंह को चैंपियनशिप कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया है, जबकि गौतम बुद्ध नगर कैरम एसोसिएशन की अध्यक्ष भारती नारायण महासचिव की जिम्मेदारी संभालेंगी।

परिषदीय स्कूलों में आज से शुरू होंगी सत्रीय परीक्षाएं

प्रात : किरण संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। परिषदीय स्कूलों में सत्रीय परीक्षाओं का आयोजन बुधवार से शुरू होगा। परीक्षाएं 25 अगस्त तक चलेंगी। बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से परीक्षा को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। स्कूलों में कक्षा के अनुसार प्रश्नपत्र और परीक्षा कार्यक्रम की व्यवस्था की जा रही है। परीक्षा में छात्रों के जुलाई तक कराए गए पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जाएंगे। बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पंवार ने बताया कि परीक्षा को लेकर स्कूलों में शिक्षकों को आवश्यक तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं। विभाग का उद्देश्य छात्रों की शैक्षिक प्रगति का आकलन करना और अब तक कराई गई पढ़ाई के आधार पर उनकी उपलब्धि की समीक्षा करना है। कक्षा एक से आठ तक के छात्र-छात्राओं के मूल्यांकन के लिए परीक्षा व्यवस्था और व्यापक मूल्यांकन पर बल दिया गया है। इस क्रम में दो सत्रीय परीक्षाएं अगस्त और दिसंबर में कराई जानी हैं। इसके अलावा अर्द्धवार्षिक परीक्षा अक्टूबर और वार्षिक परीक्षा मार्च में आयोजित की जाएगी। इस तरह शैक्षिक सत्र में कुल चार बार छात्र-छात्राओं का मूल्यांकन किया जाएगा। इन परीक्षाओं में लिखित के साथ-साथ विषयवार मौखिक परीक्षा को भी स्थान दिया जाना है। ब्लैक बोर्ड लिखेंगे जाएंगे प्रश्न सत्रीय परीक्षा के लिए अध्यापक ब्लैक बोर्ड पर प्रश्न लिखेंगे, जिसका उत्तर छात्र-छात्राएं अपनी कापी में लिखेंगे। परीक्षा के अनुश्रवण और सफल क्रियान्वयन की पूरी जिम्मेदारी विद्यालय स्तर पर प्रधानाध्यापक और शिक्षकों की होगी, जबकि विकासखंड स्तर पर खंड शिक्षा अधिकारी जिम्मेदार रहेंगे।

समाजवादी पार्टी में 25 लोगों ने ग्रहण की सदस्यता

प्रात : किरण संवाददाता

गाजियाबाद। समाजवादी पार्टी की नीतियों एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की विचारधारा से प्रभावित होकर विभिन्न सामाजिक एवं राजनीतिक संगठनों से जुड़े 25 लोगों ने सपा की सदस्यता ग्रहण की। जिला अध्यक्ष फैसल हुसैन एडवोकेट एवं महानगर अध्यक्ष वीरेंद्र यादव एडवोकेट ने सभी नवसदस्यों का पार्टी में स्वागत किया। सदस्यता लेने वालों में सिद्धार्थ बैसला, हसीम शेख, गौरव देढ़ा, शाहरुख अली, इंतजार, रामजीत गौतम, राहुल, अनस शेख, शशि यादव, तोसीन, जुनैद, मेहरबान, सलीम, अब्दुल्लाह, बिलाल, तौहीद खान, रिहान कस्सार, अल्जेब सिद्दीकी, हाजी शहजाद सैफी, शाहरुख, एडवोकेट अबुजर, राहुल शर्मा, सौरभ शर्मा, सचिन यादव एवं कुलदीप यादव शामिल रहे। फैसल हुसैन ने कहा कि सपा की विचारधारा समाज के हर वर्ग को जोड़ने का कार्य कर रही है। वहीं वीरेंद्र यादव ने नवसदस्यों से संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने और पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। इस अवसर पर जिला महासचिव नितिन त्यागी, महानगर महासचिव राजन कश्यप, नसीम खान, शकील पार्षद, राहुल पंडित, फुरकान कुरैशी, इरशाद प्रधान, खालिद बुखारी, अत्ताउल्लाह खान, रिजवान चौधरी, ओमवीर सिंह एवं कार्यालय प्रभारी राहुल रावत सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कुत्ते के भौंकने पर बैंककर्मी को दुष्कर्म और हत्या की धमकी

ट्रांस हिंडन। साहिबाबाद थाना क्षेत्र की सोसाइटी में कुत्ते के भौंकने पर रविवार को एक व्यक्ति ने महिला बैंककर्मी को दुष्कर्म और हत्या की धमकी दी। आरोपी ने फोन भी छीनकर तोड़ दिया। केस दर्ज कर पुलिस जांच कर रही है। एक सोसाइटी में रहने वाली पीड़िता एक सरकारी बैंक में कार्यरत है। 15 अगस्त की रात करीब नौ बजे अपने कुत्ते को घुमा रही थी। इसी दौरान कुत्ता वहां मौजूद एक व्यक्ति को देखकर भौंकने लगा। उन्होंने इसके लिए माफी मांगी, लेकिन आरोपी ने उनके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर पुलिस को फोन कर उन्होंने मोबाइल से वीडियो बनाने का प्रयास किया तो आरोपी ने उनका मोबाइल छीनकर तोड़ दिया। आसपास के लोग आ गए, जिनके सामने आरोपी ने उन्हें उठाकर ले जाने, दुष्कर्म करने और हत्या करने की धमकी दी। साथ ही कहा कि शव ऐसी जगह फेंकेगा, जहां कोई उसे खोज न सके। मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

अजय गुप्ता के 63वें जन्मदिन पर श्रीमहंत नारायण गिरि ने दिया आशीर्वाद

प्रात : किरण संवाददाता

गाजियाबाद। प्रख्यात समाजसेवी एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता अजय गुप्ता के 63वें जन्मदिन के अवसर पर सिद्धपीठ श्री दूधेश्वर नाथ मठ महादेव मंदिर के पीठाधीश्वर श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज मंगलवार को उनके निवास पर पहुंचे और उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए आशीर्वाद प्रदान किया। अजय गुप्ता का जन्मदिन प्रतिवर्ष 15 अगस्त को मनाया जाता है। श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज हर वर्ष उनके जन्मदिन पर निवास पहुंचकर उन्हें आशीर्वाद देते हैं। इस वर्ष लंदन में आयोजित धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रमों में व्यस्त होने के कारण वे 15 अगस्त को भारत में उपस्थित नहीं थे। 16 अगस्त को भारत लौटने के बाद मंगलवार को उन्होंने अजय गुप्ता के निवास पर पहुंचकर शुभकामनाएं दीं। श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज ने कहा कि अजय गुप्ता लंबे समय से सामाजिक, धार्मिक और जनसेवा के कार्यों में सक्रिय हैं। उनका सेवाभाव प्रशंसनीय है। उन्होंने भगवान दूधेश्वर नाथ महादेव से अजय गुप्ता और उनके परिवार के स्वस्थ, सुखी एवं दीघार्यु जीवन की कामना की। इस अवसर पर तोयराज उपाध्याय, नित्यानंद आचार्य, रोहित त्रिपाठी, दीपक सिंह तथा विद्यार्थी ईश्वर गिरि और हिमांशु जेटली ने भी अजय गुप्ता को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। परिवार की ओर से उनकी धर्मपत्नी रमा गुप्ता, पुत्र आयुष गुप्ता, पुत्रवधू शिल्पी गुप्ता, पुत्री अपूर्वा अग्रवाल, दामाद शिवम अग्रवाल तथा अन्य परिजन मौजूद रहे। अजय गुप्ता और उनके परिवार ने श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज तथा दूधेश्वर वेद विद्यापीठ के आचार्यों का स्वागत किया और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। परिवार ने महाराजश्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनका स्नेह और आशीर्वाद सदैव प्रेरणादायी रहा है।

मुनाफे का झांसा दे दस करोड़ से अधिक ठगे

प्रात : किरण संवाददाता

गाजियाबाद। कारोबार में मुनाफे का झांसा देकर राजनगर एक्सटेंशन निवासी व्यक्ति से दस करोड़ रुपये से अधिक की रकम ठगने का मामला सामने आया है। नंदग्राम पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। राजनगर एक्सटेंशन की वीवीआईपी एड्रेसेस सोसाइटी में रहने वाले संदीप गोयल के मुताबिक उनकी मुलाकात नोएडा सेक्टर-22 निवासी रवि राणा से हुई थी। रवि ने उन्हें बड़े कारोबारियों के बारे में बताया, जो व्यापार में रुपये लगाकर भारी मुनाफा कमाते हैं। आरोप है कि उसे 15 से 20 प्रतिशत तक लाभ देने का भरोसा दिया गया। शुरूआत में 10 से 20 लाख रुपये लिए गए और निर्धारित समय पर रकम वापस कर दी गई। इससे उनका आरोपियों पर विश्वास बढ़ गया। संदीप गोयल के मुताबिक मई 2023 के आसपास करोड़ों रुपये निवेश करने की बात कही गई। उन्होंने उस व्यक्ति से मिलवाने को कहा, जिसके कारोबार में रकम लगाई जानी थी। इसके बाद रवि उन्हें रोहिणी ले गया। वहां उसकी मुलाकात रेनू चौहान से कराई गई। रेनू ने खुद को अमवे कंपनी में डायमंड प्लस स्तर पर काम करने वाली बताया। इसके बाद दोनों परिवारों के बीच भी पारिवारिक संबंध बन गए। पीड़ित का कहना है कि वह रेनू के भाई सौरभ चौहान की शादी में भी परिवार सहित शामिल हुए थे। आरोप है कि रेनू और उसके साथियों ने ऑक्टा फॉरेक्स, मल्टी लेवल मार्केटिंग और अमवे के कारोबार में निवेश कराने की बात कही। 40 से 50 प्रतिशत तक मुनाफे का लालच दिया गया और उन्हें 15 से 20 प्रतिशत लाभ देने का भरोसा दिलाया। शिकायतकर्ता के मुताबिक करीब एक साल तक लेनदेन ठीक चलता रहा। जुलाई 2023 में उन्हें दुबई भी ले जाया गया और वहां कारोबार में बड़ा मुनाफा होने के सपने दिखाए गए। संदीप गोयल के मुताबिक इसी भरोसे में उन्होंने अगस्त 2023 में करीब तीन करोड़ रुपये एक साथ दे दिए। इसके बाद भी वह आरोपियों को रकम देते रहे। आरोप है कि उन्होंने अपने परिचितों से भी रकम लेकर आरोपियों को दिलवाई। धीरे-धीरे कुल रकम दस करोड़ रुपये से अधिक हो गई। आरोप है कि 29 जनवरी 2026 से आरोपियों ने भुगतान करना बंद कर दिया। धमकी का मामला रकम मांगने पर जान से मारने की धमकी दी पीड़ित के मुताबिक जब उन्होंने अपनी मूल रकम वापस मांगी तो कारोबार में नुकसान होने की बात कही गई, लेकिन उनकी मूल रकम सुरक्षित होने और वापस करने का भरोसा दिया गया। इसके बाद कई बार तगादा करने पर आरोपियों ने फोन उठाना बंद कर दिया। आरोप लगाया कि उन्हें कंपनी से जुड़े फर्जी कागजात दिखाकर विश्वास में लिया गया था। रकम वापस मांगने पर आरोपियों ने जान से मारने की धमकी भी दी। एसीपी नंदग्राम जियाउद्दीन अहमद का कहना है कि 17 अगस्त को चार आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया। जांच में जो तथ्य सामने आएंगे, उस आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गाजियाबाद के राजनगर एक्सटेंशन के हर्षित सोलंकी का जलवा, मिस्टर ग्लोबल 2026 में भारत की करेंगे नुमाइंदगी

प्रात : किरण संवाददाता

गाजियाबाद। राजनगर एक्सटेंशन की राजनगर रेजिडेंसी में रहने वाले युवा हर्षित सोलंकी ने सौंदर्य, फिटनेस और व्यक्तित्व प्रतियोगिता के क्षेत्र में गाजियाबाद के साथ उत्तर प्रदेश का नाम रोशन किया है। मुंबई में आयोजित मिस्टर इंडिया 2026 के ग्रैंड फिनाले में शानदार प्रदर्शन के बाद हर्षित का चयन सितंबर 2026 में थाईलैंड में होने वाली मिस्टर ग्लोबल 2026 अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए हुआ है। हर्षित के चयन की जानकारी सामने आने के बाद राजनगर एक्सटेंशन समेत पूरे गाजियाबाद में उनके परिचितों, मित्रों और शुभचिंतकों के बीच खुशी का माहौल है। अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश का प्रतिनिधित्व करने का अवसर हर्षित के अब तक के सफर की बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। जानकारी के मुताबिक हर्षित सोलंकी ने नवंबर 2025 में ह्यमिस्टर इंडियाह्न प्रतियोगिता के लिए आवेदन किया था। देशभर से करीब सात हजार प्रतिभागियों ने प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए आवेदन किया। इसके बाद करीब चार महीने तक चयन और स्क्रीनिंग की प्रक्रिया चली। इस प्रक्रिया के बाद मई 2026 में देशभर से 17 प्रतिभागियों को ग्रैंड फिनाले के लिए फाइनलिस्ट के तौर पर चुना गया। हर्षित ने भी अपनी प्रतिभा और प्रदर्शन के दम पर इन 17 फाइनलिस्ट में जगह बनाई। फिटनेस से लेकर व्यक्तित्व तक दिखाया दम मुंबई में आयोजित ग्रैंड फिनाले में प्रतिभागियों को फिटनेस, व्यक्तित्व, आत्मविश्वास, मंचीय प्रस्तुति और प्रतिभा से जुड़े अलग-अलग चरणों से गुजरना पड़ा। हर्षित ने प्रतियोगिता के विभिन्न राउंड में प्रभावी प्रदर्शन करते हुए अपनी मजबूत दावेदारी पेश की। उनकी फिटनेस के साथ मंच पर आत्मविश्वास, व्यक्तित्व और प्रस्तुति ने भी निर्णायकों का ध्यान आकर्षित किया।

100 छक्के, सबसे तेज

पंत ने टेस्ट में रचा इतिहास, गेंद हो या पारी, सब में गिलक्रिस्ट को पछाड़ा

गॉल, एजेंसी। श्रीलंका के खिलाफ गॉल टेस्ट की दूसरी पारी में जब भारत दबाव में था, तब ऋषभ पंत ने अपने अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए ऐसा रिकॉर्ड बना दिया, जो टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में लंबे समय तक याद रखा जाएगा। पंत ने 69 गेंदों में आठ चौके और दो छक्कों की मदद से 66 रन बनाए और इसी दौरान टेस्ट क्रिकेट में अपने 100 छक्के पूरे कर लिए।

पंत ने यह मुकाम अपनी 89वीं टेस्ट पारी में हासिल किया। इसके साथ ही वह टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेज 100 छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज एडम गिलक्रिस्ट का रिकॉर्ड पीछे छोड़ा, जिन्होंने 130 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की थी। पंत से पहले सिर्फ तीन बल्लेबाज टेस्ट क्रिकेट में 100 या उससे ज्यादा छक्के लगा पाए थे। इंग्लैंड के बेन स्टोक्स 138 छक्कों के साथ इस सूची में सबसे ऊपर हैं, जबकि न्यूजीलैंड के ब्रेंडन मैकुलम 107 छक्कों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। गिलक्रिस्ट के नाम भी 100 छक्के हैं।

पहले टेस्ट में बदला अंदाज, दूसरी पारी में बरसे पंत

इस मुकाबले में पंत की बल्लेबाजी को लेकर पहले से चर्चा थी। उनकी आक्रामक शैली अक्सर क्रिकेट प्रशंसकों और विशेषज्ञों के बीच बहस का विषय रहती है। पहली पारी में उन्होंने 62 गेंदों पर 39 रन बनाए थे, जो उनके सामान्य आक्रामक अंदाज की तुलना में काफी संयमित पारी थी। लेकिन दूसरी पारी में भारतीय टीम को तेजी से रन जोड़ने की जरूरत थी। कप्तान शुभमन गिल के आठ रन पर आउट होने के बाद पंत 81/3 के स्कोर पर क्रीज पर आए। शुरुआत में उन्होंने थोड़ा समय लिया और अपनी पहली बाउंड्री 13वीं गेंद पर लगाई। इसके बाद उन्होंने लाहिरू कुमारा को निशाना बनाया। कुमारा की वापसी पर पंत ने एक जोरदार छक्का लगाया, जिसके बाद गेंद स्टेडियम से बाहर चली गई और अंपायरों को नई गेंद मंगानी पड़ी। यही पंत के 100वें टेस्ट छक्के की शुरुआत थी। लंच के आसपास भारत ने देवदत्त पडिक्कल और ध्रुव जुरेल के विकेट गंवाए, लेकिन पंत ने अपना गियर बदल दिया। उन्होंने ऑफ स्पिनर केशरा नुवांथा के एक ओवर में लगातार तीन चौके लगाए। अगले ही ओवर में उन्होंने कुमारा को फिर छक्का जड़कर अपने 100 टेस्ट छक्के पूरे कर लिए। इसके बाद पंत ने कुछ बेहद आक्रामक और अपने खास अंदाज वाले शॉट खेले। हालांकि वह 66 रन बनाकर आउट हो गए, लेकिन तब तक वह इतिहास में अपना नाम दर्ज करा चुके थे।

89 पारियों में कर दिखाया ये कमाल

पंत की इस उपलब्धि की खास बात सिर्फ 100 छक्के पूरे करना नहीं है, बल्कि जिस तेजी से उन्होंने यह मुकाम हासिल किया, वह इसे और खास बनाता है। पंत ने केवल 89 टेस्ट पारियों में 100 छक्के पूरे किए। इस मामले में गिलक्रिस्ट को 130 पारियां लगी थीं, जबकि बेन स्टोक्स ने 151 और ब्रेंडन मैकुलम ने 170 पारियों में 100 छक्के पूरे किए थे। यानी पंत ने गिलक्रिस्ट से 41 पारियां कम खेलकर यह उपलब्धि हासिल की। पंत ने सिर्फ पारियों के मामले में ही नहीं, बल्कि गेंदों के मामले में भी यह रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने 100 छक्के लगाने के लिए 4,918 गेंदों का सामना किया। गिलक्रिस्ट को इसके लिए 6,578, स्टोक्स को 9,042 और मैकुलम को 9,756 गेंदें खेलनी पड़ी थीं।

टेस्ट में सबसे ज्यादा छक्के

बल्लेबाज	छक्के
बेन स्टोक्स	138
ब्रेंडन मैकुलम	107
ऋषभ पंत	100*
एडम गिलक्रिस्ट	100
टिम साउदी	98

सबसे तेज 100 टेस्ट छक्के

बल्लेबाज	पारी
ऋषभ पंत	89
एडम गिलक्रिस्ट	130
बेन स्टोक्स	151
ब्रेंडन मैकुलम	170

संक्षिप्त समाचार

जोदर चौथे दौर में पहुंचे, अल्काराज और शेल्टन की बराबरी

मेसन, ओहायो (एजेंसी)। 19 वर्षीय स्पेनिश टेनिस स्टार जोदर ने सिनसिनाटी ओपन में शानदार प्रदर्शन करते हुए एलेजांद्रो टैबिलो को सीधे सेटों में 6-2, 6-1 से हराकर चौथे दौर में जगह बना ली। इस जीत के साथ उन्होंने इस दशक में सिनसिनाटी के राउंड ऑफ-16 में पहुंचने वाले कार्लोस अल्काराज और बेन शेल्टन जैसे खिलाड़ियों की सूची में अपना नाम शामिल कर लिया। जोदर ने अपने शुरुआती मुकाबले में डेनिस शापोवालोव के खिलाफ शानदार वापसी करते हुए मैच प्वाइंट बचाया था। निर्णायक सेट में वह 1-5 से पिछड़ रहे थे, लेकिन इसके बाद उन्होंने लगातार छह गेम जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया था। इस जीत ने जोदर का

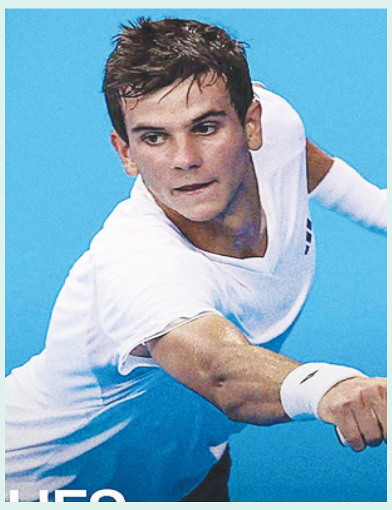

आत्मविश्वास बढ़ाया और टैबिलो के खिलाफ उन्होंने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। स्पेनिश खिलाड़ी ने सिर्फ 75 मिनट में मुकाबला खत्म किया और कुल 26 विनर्स लगाए। टैबिलो के खिलाफ यह जोदर की लगातार दूसरी जीत भी रही। इससे उनकी इस खिलाड़ी के खिलाफ हेड-टू-हेड रिकॉर्ड 2-1 हो गया। इससे पहले उन्होंने करीब 15 दिन पहले वॉशिंगटन में भी चिली के इस खिलाड़ी को हराया था। जोदर ने मैच के बाद अपनी शानदार वापसी का जिक्र करते हुए कहा कि शापोवालोव के खिलाफ मुकाबले ने उन्हें काफी आत्मविश्वास दिया। उन्होंने कहा कि उस मैच में उन्होंने खुद को अपनी सीमा तक धकेला और जीत हासिल करने के लिए काफी मेहनत की। जोदर ने यह भी माना कि भले ही टैबिलो के खिलाफ स्कोरलाइन आसान नजर आ रही हो, लेकिन मुकाबला बिल्कुल आसान नहीं था।

उन्नति की शानदार जीत, रोहन-रुथविका पहले दौर में बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की युवा बैडमिंटन स्टार उन्नति हुड्डा ने मंगलवार को नई दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप 2026 में जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की। डेब्यू मुकाबले में उन्नति ने म्यांमार की थेत ह्तार थुजार को सीधे गेमों में 22-20, 21-16 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई। पहले गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। उन्नति और थुजार ने लगातार अंक बटोरे और किसी भी खिलाड़ी को बड़ी बढ़त नहीं लेने दी। 21 मिनट तक चले रोमांचक गेम में उन्नति ने दबाव के बीच धैर्य बनाए रखा और 22-20 से पहला गेम अपने नाम किया। दूसरे गेम में भारतीय शटलर ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। उन्नति ने एक समय 11-1 की बड़ी बढ़त बना ली। हालांकि थुजार ने वापसी करते हुए अंतर को 20-16 तक कम किया, लेकिन उन्नति ने अपना संयम नहीं खोया और लगातार बेहतर खेल दिखाते हुए गेम 21-16 से जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। अब उनका सामना कनाडा की 13वीं वरीयता प्राप्त मिशेल ली से होगा। दूसरी ओर, मिश्रित युगल में रोहन कपूर और रुथविका शिवानी गड्डे की भारतीय जोड़ी को कनाडा के जोनाथन लाई और क्रिस्टल लाई के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ भारतीय जोड़ी का विश्व चैंपियनशिप अभियान शुरुआती दौर में ही समाप्त हो गया। भारत के लिए मंगलवार को कई और अहम मुकाबले होने हैं। लक्ष्य सेन पुरुष एकल के पहले दौर में ऑस्ट्रिया के कॉलिन्स फिलिमोन से भिड़ेंगे। वहीं, अशित सूर्य और अमृता प्रमुथेश की जोड़ी का सामना तुर्की के एमरे सोनेमेज और यासेमेन बेक्टास से होगा। महिला युगल के दूसरे दौर में ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी अमेरिका की लॉरेन लैम और एलिसन ली से खेलेगी।

हैमिल्टन-कर्दाशियन की बढ़ीं नजदीकियां!

हॉलीवुड और स्पोर्ट्स की दुनिया के दो बड़े नाम किम कर्दाशियन और लुईस हैमिल्टन एक बार फिर सुर्खियों में हैं। दोनों के बीच लंबे समय से चल रही रोमांस की अटकलों के बीच अब उनकी समर वेकेशन की तस्वीरों ने फैंस को फिर चर्चा का मौका दे दिया है। किम ने इंस्टाग्राम पर अपनी फैमिली वेकेशन की कई तस्वीरें शेयर कीं। इनमें सबसे ज्यादा ध्यान उस तस्वीर ने खींचा, जिसमें वह लुईस हैमिल्टन के साथ बीच पर टहलती नजर आ रही हैं। तस्वीर में हैमिल्टन ने किम के कंधे पर हाथ रखा हुआ है, जबकि किम उनका हाथ पकड़े हुए दिखाई दे रही हैं। किम ने पोस्ट को कैप्शन दिया- Somewhere over the rainbow यानी इंद्रधनुष के उस पार कहीं।

मिरर सेल्फी ने खींचा फैंस का ध्यान

किम की पोस्ट में सिर्फ बीच वॉक ही नहीं थी। उन्होंने हैमिल्टन के साथ एक कोजी मिरर सेल्फी भी शेयर की। इसके अलावा पोस्ट में उनके बच्चों के साथ बिताए गए छुट्टियों के पल भी नजर आए। यही वजह है कि सोशल मीडिया पर फैंस का ध्यान एक बार फिर किम और हैमिल्टन की केमिस्ट्री पर गया। दोनों ने अब तक अपने रिश्ते को लेकर सार्वजनिक तौर पर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है, लेकिन हाल के महीनों में साथ नजर आने की उनकी तस्वीरें और सोशल मीडिया पोस्ट लगातार इन अटकलों को हवा दे रहे हैं।

हैमिल्टन ने भी शेयर की छुट्टियों की झलक

किम की पोस्ट से कुछ समय पहले लुईस हैमिल्टन ने भी अपनी समर वेकेशन की तस्वीरें साझा की थीं। उनकी पोस्ट में किम की एक तस्वीर भी शामिल थी, जिसमें वह एक झूले पर बैठी नजर आ रही थीं और हैमिल्टन उन्हें पीछे से धक्का देते दिखे। हैमिल्टन ने अपनी पोस्ट के साथ लिखा, 'मेरी गर्मियों की छुट्टियों की बस कुछ झलकियां। इन छुट्टियों के दिनों के लिए आभारी हूं। अब ट्रैक पर वापस लौट रहा हूं, पूरी तरह तरोताजा और तैयार हूं।' उनकी इस पोस्ट ने भी दोनों के रिश्ते को लेकर चल रही चर्चाओं को और दिलचस्प बना दिया।

डेविड वॉर्नर दोषी करार, कोर्ट ने सुनाई दो सजा

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व स्टार बल्लेबाज डेविड वॉर्नर को शराब पीकर गाड़ी चलाने का दोषी पाया गया है. जिसकी वजह से कोर्ट ने उन पर जुर्माना लगाने के साथ साथ उन्हें गाड़ी चलाने के लिए इंटरलॉक डिवाइस का इस्तेमाल करना का भी आदेश दिया। सिडनी की एक अदालत ने डेविड वॉर्नर के अपना गुनाह कबूल करने के बाद उन्हें सजा सुनाई है. वॉर्नर पर 1,500 ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (1,01,912 इंडियन रुपये) का जुर्माना लगाया गया।

बता दें कि 5 अप्रैल को सिडनी के पूर्वी इलाके में सड़क किनारे हो रहे रैंडम ब्रेथ टेस्ट में वॉर्नर पर कानूनी सीमा से दोगुने से ज्यादा अल्कोहल पीकर गाड़ी चलाने का आरोप लगा था. पिछले महीने, वॉर्नर ने सिडनी की अदालत में ड्रिंक-ड्राइविंग के आरोप को स्वीकार भी कर लिया था। कोर्ट में सुनवाई के दौरान डेविड वॉर्नर के वकील ओवैस अहमद ने अदालत से उन्हें दोषी न ठहराने का अनुरोध किया. उन्होंने कहा कि वॉर्नर की गलती को दुनिया भर के मीडिया ने कवर किया था, जिससे उनके फाइनेंशियल कॉन्ट्रैक्ट्स को नुकसान पहुंचा है। वॉर्नर को तब गिरफ्तार किया गया था जब वह पाकिस्तान से ईस्टर की छुट्टी पर घर लौट रहे थे. पाकिस्तान में उन्होंने पाकिस्तान सुपर लीग में कराची किंग्स की कप्तानी की थी. हालांकि, आरोप लगने के बाद वह अपना पीएसएल अभियान जारी रखने के लिए पाकिस्तान लौट गए थे। अवैस ने अपराध की मामूली प्रकृति को देखते हुए वॉर्नर की गिरफ्तारी के बारे में प्रेस रिलीज जारी करने के पुलिस के फैसले पर भी सवाल उठाए. वकील ने कहा, इसके बाद मीडिया की तरफ से बहुत ज्यादा आलोचना हुई। जज क्लेयर फार्नन ने कहा कि वॉर्नर और उनकी पत्नी कैंडिस वॉर्नर के बारे में सोशल मीडिया पर क्रूर टिप्पणियां किए जाने के सबूत थे. लेकिन उन्होंने कहा कि उन्हें दोषी ठहराने के फैसले में सबसे अहम बात लोगों को शराब पीकर गाड़ी चलाने से रोकना था, और अपराध इसलिए और गंभीर हो गया क्योंकि उस समय कार में बच्चे भी मौजूद थे।

भारत की दूसरी पारी 193 रनों पर सिमटी श्रीलंका को मिला 372 रनों का लक्ष्य

गॉल (एजेंसी)। श्रीलंका ने गॉल टेस्ट के चौथे दिन भारत की दूसरी पारी को 193 रनों पर समेट दिया है. जिसकी वजह से अब उन्हें ये मैच जीतने के लिए 372 रन बनाने होंगे. भारत की तरफ से दूसरी पारी में ऋषभ पंत ने सबसे ज्यादा 66 रन बनाए. जबकि पडिक्कल ने 44 और केएल राहुल ने 35 रनों का योगदान दिया. इसके अलावा कोई भी बल्लेबाज दोहरे अंक तक नहीं पहुंच सका. वहीं श्रीलंका की तरफ से असिथा फर्नांडो सबसे सफल गेंदबाज रहे. उन्होंने कुल 4 विकेट लिए. इसके अलावा प्रभात जयसूर्या ने तीन विकेट हासिल किया. जबकि लहिरू कुमार को दो विकेट और केशरा को एक विकेट मिला. भारत को पहली पारी में 178 रनों की बड़ी बढ़त मिली थी. मेजबान टीम ने पहली पारी में 284 रन बनाए थे जबकि भारत ने पहली पारी में 462 रन बनाए थे।

श्रीलंका की खराब शुरुआत

372 रनो के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका ने अपना पहला विकेट 13 के स्कोर पर खो दिया है. निशान मदुष्का 27 गेंद में 6 रन बनाकर आउट हुए. उनको मोहम्मद सिराज ने प्रसिद्ध कृष्णा के हाथों कैच आउट कराया. इसके बाद दांए हाथ से बल्लेबाज पसिंदु सोरियाबंडारा क्रीज पर आए, जिनको चांडीमल की जगह कन्कशन के तौर पर रिप्लेस किया गया था. ये सोरियाबंदरा का पहला टेस्ट मैच है. लेकिन वो ज्यादा देर तक क्रीज पर नहीं टिक सके और शून्य पर आउट हो गए. उनको मानव सुथार ने एलबीडब्ल्यू आउट किया. इसके साथ श्रीलंका ने 14 के स्कोर पर अपना दूसरा विकेट भी खो दिया।

श्रीलंका ने गॉल टेस्ट के चौथे दिन भारत की दूसरी पारी को 193 रनों पर समेट दिया. श्रीलंका के तेज गेंदबाज असिथा फर्नांडो 4 विकेट लेकर सबसे सफल गेंदबाज रहे. इसके अलावा स्पिनर प्रभात जयसूर्या ने तीन, लहिरू कुमार ने दो और केशरा को एक विकेट मिला.

श्रीलंका को लगा बड़ा झटका, चंडीमल को ले जाया गया अस्पताल

भारत के खिलाफ पहले टेस्ट के चौथे दिन श्रीलंका को एक बड़ा झटका लगा, जब उनका अनुभवी बल्लेबाज दिनेश चंडीमल फील्डिंग के दौरान कंधे और गर्दन में गंभीर चोट आई, जिसकी वजह से उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा. इसके बाद चंडीमल को स्कैन के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। श्रीलंका क्रिकेट ने कहा, मैदान पर टीम के फिजियोथेरेपिस्ट और डॉक्टर ने उनकी जांच की और एहतियात के तौर पर स्कैन के लिए अस्पताल ले जाया गया है. साथ ही कहा कि स्कैन के नतीजे आने के बाद आगे की जानकारी दी जाएगी। जब भारतीय बल्लेबाज केएल राहुल ने डीप बैकवर्ड स्क्वायर लेग की तरफ स्वीप शॉट खेला, जहां चंडीमल बाईं ओर से दौड़कर आए और बाउंड्री रोकने के प्रयास में डाइव करते हुए गेंद को रोक दिया. डाइव करते समय उनके शरीर का पूरा वजन उनकी गर्दन पर आ गया. मैच के दौरान चंडीमल अपनी गर्दन के पिछले हिस्से को पकड़े हुए दिखे. मैदान से बाहर ले जाए जाने से पहले फिजियो ने आकर उन्हें देखा।

वहीं भारत की तरफ से दूसरी पारी में ऋषभ पंत सबसे ज्यादा 66 रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे. जबकि पडिक्कल ने 44 और केएल राहुल ने 35 रनों का योगदान दिया. इसके अलावा कोई भी बल्लेबाज दोहरे अंक तक नहीं पहुंच सका. अब श्रीलंका को ये मैच जीतने के लिए 372 रन बनाने होंगे।

विश्व कप हॉकी

भारत और पाकिस्तान के बीच महामुकाबला

एम्सटेलवीन (नीदरलैंड) (एजेंसी)। पिछले एक दशक से पाकिस्तान से नहीं हारी भारतीय टीम को एफआईएच विश्व कप के दूसरे दौर में प्रवेश के लिए अपने डिफेंस को दुरूस्त करते हुए बुधवार को होने वाले मुकाबले में चिर प्रतिद्वंद्वी को हराना होगा या कम से कम ड्रॉ खेलना होगा। पहले मैच में वेल्स को 3-1 से हराने के बाद दुनिया की तीसरे नंबर की टीम इंग्लैंड के खिलाफ भारत को डिफेंस की गलतियों का खामियाजा भुगतना पड़ा।

पहले हाफ में बढ़त बनाने के बावजूद आखिरी दो क्वार्टर में लचर डिफेंस के कारण भारत को 2-4 से पराजय झेलनी पड़ी। अब पूल डी में इंग्लैंड दोनों मैच जीत कर शीर्ष पर रहकर दूसरे दौर में पहुंच चुका है। वहीं भारत के एक जीत और एक हार के बाद तीन अंक है जबकि इंग्लैंड से 1-4 से हारने और वेल्स से 3-3 से ड्रॉ के बाद पाकिस्तान एक अंक लेकर तीसरे और वेल्स एक हार, एक ड्रॉ के साथ एक अंक लेकर चौथे स्थान पर है।

पाकिस्तान अगर हारता है तो बाहर हो जाएगा जबकि वेल्स को अगले दौर में जाने के लिए इंग्लैंड को काफी बड़े अंतर से हराना होगा क्योंकि भारत का गोल औसत उससे बेहतर है। अगर भारत दूसरे दौर में जाता है तो इस पूल से

उसके कोई अंक आगे नहीं जाएंगे जबकि भारत को हराने के कारण इंग्लैंड तीन अंक लेकर जाएगा। आठ बार की ओलंपिक चैम्पियन भारत और चार बार की विश्व कप विजेता पाकिस्तान के बीच भले ही मैदानी प्रतिद्वंद्विता का गौरवशाली इतिहास रहा हो लेकिन एशियाई दिग्गजों के बीच पिछले लगभग सभी मुकाबले बेमेल रहने से वह रोमांच खत्म हो गया है।

मौजूदा फॉर्म को देखते हुए भारत का पलड़ा भारी लग रहा है लेकिन पाकिस्तान के खिलाफ मैच सिर्फ कौशल का नहीं होता, खिलाड़ियों को जज्बात पर काबू रखकर भी खेलना होगा। भारतीय टीम ने हालांकि विश्व कप से ठीक पहले लंदन में प्रो लीग के यूरोप चरण में पाकिस्तान पर 7-1 और 4-3 से जीत दर्ज की थी। पाकिस्तानी टीम ने आखिरी बाद भारत को 2016 चैम्पियंस ट्रॉफी में हराया था। उसके बाद से भारत और पाकिस्तान के प्रदर्शन ग्राफ में जमीन आसमान का अंतर आ गया है। भारतीय टीम लगातार दो ओलंपिक पदक जीत चुकी है जबकि विश्व कप की सबसे सफल टीम रही चार बार की चैम्पियन पाकिस्तान टूर्नामेंट में आठ साल बाद लौटी है। एफआईएच प्रो लीग में सारे मैच हारकर आखिरी स्थान पर रही थी और टूर्नामेंट से ठीक पहले कोच हरमान क्रूस के लौट जाने से तैयारियों पर भी असर पड़ा है। भारत के लिए 419 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके सबसे अनुभवी खिलाड़ी मनप्रीत सिंह ने हालांकि कहा कि विश्व कप में किसी भी टीम को हलके में नहीं लिया जा सकता और भारत को गलतियों में सुधार करके उतरना होगा। उन्होंने कहा, पाकिस्तान से मैच अच्छा होगा लेकिन हम उन्हें कमतर नहीं आंक रहे हैं। उनके पास भी अच्छे ड्रैग फ्लिकर हैं लिहाजा हमें उन्हें पेनल्टी कॉर्नर देने से बचना होगा। इसके अलावा अपने लिए मौके बनाने होंगे और उन्हें भुनाना भी होगा।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के ऑन करें
www.pratahkiran.com @Pratahkiran
epaper.pratahkiran.com @Pratahkiran

संक्षिप्त समाचार

टैक्सी ड्राइवरों ने मराठी सीखी, सरकार की इस मुहिम से यात्रियों को मिलेगी बड़ी राहत

थाणे। महाराष्ट्र सरकार द्वारा स्थानीय संगठनों के सहयोग से शुरू किए गए 105-दिन के अभियान के तहत लगभग 1.25 लाख ऑटो-रिक्शा और टैक्सी चालकों ने कामचलाऊ मराठी दक्षता प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा किया है। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सोमवार को यह जानकारी दी। थाने में एक समारोह में, जहां गैर-मराठी पृष्ठभूमि के सफल प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए, उन्होंने जोर देकर कहा कि मराठी श्रद्धा की भाषा है न कि मजबूरी की। गैर-मराठी बोलने वाले लोगों द्वारा भाषा को स्वेच्छा से अपनाना राज्य की सांस्कृतिक एकता को दर्शाता है। शिंदे हिंदू हृदयसम्राट बालासाहेब ठाकरे मराठी भाषा पाठ्यक्रम अभियान के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। 105-दिन के इस अभियान में 1.25 लाख ऑटो-रिक्शा और टैक्सी चालकों ने मराठी सीखी और परीक्षा पास की। उन्होंने राज्य के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक की प्रशंसा की, जिन्होंने कानूनी मजबूरी के बजाय सकारात्मक दृष्टिकोण के माध्यम से मराठी को बढ़ावा दिया। शिंदे ने कहा भाषा प्रेम से सीखी जाती है, कानून से नहीं। उन्होंने मराठी बोलने वालों से अपील की कि वे भाषा सीखने वाले लोगों का मजाक न उड़ाएं और इसके बजाय महाराष्ट्र की आधिकारिक भाषा में उनके साथ संवाद करें। तीन-डेढ़ महीने की इस पहल के दौरान 1,65,600 से अधिक परिवहन श्रमिकों ने पंजीकरण कराया था।

बांग्लादेशी महिला एक महीने बाद अवैध तरीके से लौटी, पुलिस ने किया गिरफ्तार

मुंबई, एजेंसी। मुंबई पुलिस ने एक 27 वर्षीय बांग्लादेशी महिला को अवैध रूप से भारत में फिर से प्रवेश करने और बिना वैध यात्रा दस्तावेजों के शहर में रहने के आरोप में गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी उस समय हुई जब वह अपने देश निर्वासित होने के केवल एक महीने बाद ही भारत लौट आई। यह जानकारी एक अधिकारी ने सोमवार को दी। गामदेवी पुलिस के एक अधिकारी के अनुसार, आरोपित की पहचान नादिरा सुल्ताना के रूप में हुई है। उसे अवैध मार्ग से भारत में प्रवेश करने के बाद आवश्यक दस्तावेजों के बिना रहने के आरोप में पकड़ा गया है। पुलिस अब यह जांच कर रही है कि उसने भारत में फिर से प्रवेश कैसे किया और क्या इस प्रक्रिया में किसी ने उसकी मदद की। यह घटना शनिवार को सामने आई जब पुलिस को गिरगांव चौपाटी के पास फुटपाथ क्षेत्र में एक संदिग्ध बांग्लादेशी महिला के घूमने की सूचना मिली। पुलिस द्वारा प्रारंभिक पूछताछ के दौरान वह अपनी पहचान और पते के बारे में स्पष्ट जानकारी नहीं दे पाई। उसके हावभाव संदिग्ध होने पर उसे आगे की पूछताछ के लिए पुलिस थाने ले गई। जांच के दौरान, पुलिस ने पाया कि उसके पास भारत में रहने के लिए वैध दस्तावेज नहीं थे। पुलिस ने कहा कि जांच से पता चला है कि सुल्ताना को पिछले महीने ही भारत से बांग्लादेश निर्वासित किया गया था। निर्वासन के बाद वह फिर से अवैध मार्ग से भारत लौट आई और अंततः मुंबई पहुंची। इस मामले में एक मामला दर्ज किया गया है।

गोवा में खरगे के दौरे से पहले कांग्रेस को झटका, 100 से अधिक बूथ लेवल के कार्यकर्ताओं ने दिया इस्तीफा

पणजी, एजेंसी। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के गोवा दौरे की शुरुआत कांग्रेस के लिए बड़े झटके के साथ हुई। खरगे के साथ होने वाली बैठक से ठीक पहले कम से कम 100 बूथ-स्तरीय एजेंटों और कार्यकर्ताओं ने इस्तीफा दे दिया। इन सभी बीएलए ने अपने इस फैसले की जानकारी मुख्य निर्वाचन अधिकारी को भी सौंप दी है। वाल्पोई के पार्ट 8 से कांग्रेस के बीएलए एशले पिन्हो ने अपने पद से इस्तीफा देने के बाद पार्टी की कार्यप्रणाली पर कड़े सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि मैं एक बीएलए था और मैंने अपने निर्वाचन क्षेत्र से इस्तीफा दे दिया है। मुझे नहीं लगता कि कांग्रेस 2027 में सरकार बनाने को लेकर गंभीर है। हमें विश्वास में नहीं लिया गया और मौजूदा समय में मुझे यह भी नहीं पता कि वाल्पोई में पार्टी का प्रमुख कौन है। पिन्हो ने आरोप भी लगाया कि कांग्रेस के वरिष्ठ पदाधिकारी वाल्पोई का दौरा करने तक को तैयार नहीं हैं।

सीतापुर में नजूल की जमीन पर कब्जा मामला, हाई कोर्ट ने कांग्रेस की अंतरिम राहत अर्जी की खारिज

लखनऊ, एजेंसी। सीतापुर में नजूल जमीन पर कांग्रेस कार्यालय के मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने कांग्रेस को फिलहाल कोई अंतरिम राहत देने से इन्कार कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि केवल लंबे समय से जमीन पर कब्जा होने से सरकारी भूमि पर अधिकार नहीं बन जाता।

याचिकाकर्ताओं को यह साबित करना होगा कि जमीन का विधिवत आवंटन उनके पक्ष में हुआ था, लेकिन इसके समर्थन में कोई आवंटन आदेश या अन्य वैध दस्तावेज पेश नहीं किया गया। न्यायमूर्ति आलोक माथुर और न्यायमूर्ति अमिताभ कुमार राय की खंडपीठ ने कांग्रेस कमेटी सीतापुर की याचिका पर यह आदेश दिया।

याचिका में सीतापुर नगर पालिका परिषद के कार्यपालक अधिकारी (प्रभारी) के उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें मोहल्ला टामसेनगंज स्थित प्लाट संख्या 244/1 के अभिलेखों से

याचिकाकर्ताओं के नाम हटाने और कब्जा खाली कराने का निर्देश दिया गया था।

कांग्रेस की ओर से कहा गया कि घंटाघर के ऊपरी हिस्से में स्थित परिसर संख्या 1/6 पर वर्ष 1971 से उसका कब्जा है। इसके समर्थन में वर्ष 1971 में 320 रुपये किराया जमा करने की रसीद भी पेश की गई। हालांकि, कोर्ट के सामने आया कि इसके बाद करीब 55 वर्षों से कोई किराया जमा नहीं किया गया।

साथ ही जमीन के वैध आवंटन, पट्टे या कब्जे के अधिकार से संबंधित कोई समझौता या आवंटन पत्र भी पेश नहीं किया गया। राज्य सरकार ने कहा कि नजूल भूमि सरकारी संपत्ति है और किसी राजनीतिक दल को उस पर कब्जा बनाए रखने का अधिकार नहीं है।

कोर्ट ने इस दलील को भी महत्वपूर्ण माना कि सरकारी जमीन पर कब्जा लंबे समय तक रहने मात्र से वैध नहीं हो जाता। वैध कब्जे के लिए आवंटन आदेश या अधिकार स्थापित करने वाला अन्य दस्तावेज जरूरी है। हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को तीन सप्ताह में जवाबी हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है। इसके बाद कांग्रेस को दो सप्ताह में प्रत्युत्तर दाखिल करना होगा। मामले की अगली सुनवाई एक अक्टूबर को होगी।

असम ने केंद्र सरकार को भेजा काजीरंगा इको-सेंसिटिव जोन को छोटा करने का प्रस्ताव

गुवाहाटी, एजेंसी। असम सरकार ने काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान के आसपास डिफॉल्ट 10 किलोमीटर के इको-सेंसिटिव जोन की सीमा को घटाकर 1 से 3 किलोमीटर करने का प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा है। राज्य सरकार ने स्पष्ट किया है कि यह प्रस्ताव सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों के पूरी तरह से अनुकूल है। सरकार का कहना है कि इस कदम से यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल और एक सींग वाले गैंडों के लिए प्रसिद्ध इस उद्यान की मूल सीमाओं में कोई बदलाव नहीं होगा। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय उद्यान की सीमाएं बिल्कुल अपरिवर्तित रहेंगी। उन्होंने बताया कि सरकार का यह कदम सुप्रीम कोर्ट के उन निर्देशों के दायरे में है, जिसमें एक से तीन किलोमीटर तक इको-सेंसिटिव जोन अधिसूचित करने की अनुमति दी गई है। मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि यह दूरी पार्क के कोर एरिया से नहीं, बल्कि उसकी बाहरी सीमा से मापी जाती है। राज्य सरकार के अनुसार, 10 किलोमीटर के बड़े दायरे के कारण स्थानीय और मूल निवासी समुदायों को घर बनाने जैसी बुनियादी जरूरतों में भारी प्रतिबंधों का सामना करना पड़ रहा था। इस नए प्रस्ताव का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ नियामक ढांचे के भीतर आवास और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं को समायोजित करना है। चारों ओर 10 किलोमीटर का ईएसजेड नियम समान रूप से लागू किया गया।

हिमाचल के 4 जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट, मानसून में 1000 करोड़ का नुकसान

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में मानसून की भारी वर्षा से जनजीवन प्रभावित हुआ है। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों के लिए राज्य के कई जिलों में बहुत भारी वर्षा का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। 18 और 19 अगस्त को बहुत भारी बारिश की प्रबल संभावना है। प्रशासन ने नदी-नालों के किनारे रहने वाले लोगों और पर्यटकों को सतर्क रहने तथा अनावश्यक यात्रा से बचने की सख्त हिदायत दी है।

आज 18 अगस्त को कांगड़ा, मंडी, बिलासपुर और सिरमौर में कुछ स्थानों पर बहुत भारी वर्षा का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है, जबकि किन्नौर और लाहुल स्पीति को छोड़ बाकी जिलों में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा का यलो अलर्ट है। 23 अगस्त तक कई हिस्सों में बहुत भारी वर्षा की चेतावनी जारी की गई है। प्रदेश में बीते 24 घंटे के दौरान सबसे अधिक वर्षा कोठी (कुल्लू) 71.4 मिलीमीटर, धर्मशाला 52.2 और कसौली में 52 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई।

प्रदेश में हुई वर्षा और भूस्खलन के कारण 105 सड़कें अवरुद्ध हैं। प्रदेश में मंडी जिले में सबसे अधिक 39 सड़कें बंद हैं। इसके अलावा कुल्लू जिले में 33, सिरमौर में 9, कांगड़ा और चंबा में 6-6 सड़कें भूस्खलन के कारण बाधित हुई हैं।

बिजली के 36 ट्रांसफॉर्मर और 15 पेयजल योजनाएं ठप हो गई हैं। हमीरपुर के बड़सर उपमंडल में बिजली के 9 ट्रांसफार्मर बंद होने से कई गांव अंधेरे में डूब गए हैं। वहीं शिमला जिले के रामपुर, ठियोग और चौपाल क्षेत्रों में 8 पेयजल

योजनाएं प्रभावित होने से पीने के पानी का संकट गहरा गया है।

मानसून सीजन में अब तक 994 करोड़ का नुकसान, 196 मौतें: आपदा प्रबंधन विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, 30 जून से 17 अगस्त तक चले इस मानसून सीजन में राज्य को अब तक लगभग 1000 करोड़ रुपये के सार्वजनिक व निजी संपत्ति का नुकसान हो चुका है। दुखद पहलू यह है कि इस दौरान कुल 196 लोगों ने अपनी जान गंवाई है। प्रत्यक्ष आपदा से 80 लोगों की मौत हुई है, भूस्खलन में 14, पानी में डूबने से 5 और बिजली-चट्टान से गिरने या अन्य आपदाओं के कारण 61 लोगों की जान गई है। सबसे कम तापमान कुकुमसेरी में न्यूनतम पारा 11.7 डिग्री दर्ज किया गया। सबसे ज्यादा तापमान मंडी में अधिकतम तापमान 33.7 डिग्री दर्ज हुआ।

मैं माफी मांगता हूं..., तमिलनाडु के मंत्री ने बिना सम्मान लिया करुणानिधि का नाम तो बोले सीएम विजय

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु विधानसभा में सोमवार को एक मंत्री द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री एम. करुणानिधि का नाम बिना किसी सम्मानजनक संबोधन के सीधे लेने पर मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने तुरंत माफी मांगी। राज्य के वन मंत्री आर.वी. रंजीत कुमार ने डीएमके के दिग्गज नेता का नाम लेते समय कलैगनार (विद्वान) शब्द का इस्तेमाल नहीं किया, जबकि विधानसभा में उन्हें इसी सम्मानजनक उपाधि से संबोधित करने की परंपरा है। मंत्री की इस टिप्पणी पर विपक्षी पार्टी डीएमके ने तुरंत विरोध जताया। मर्यादा भंग होने पर विपक्ष के विरोध को शांत करने के लिए मुख्यमंत्री ने दखल दिया। उन्होंने माना कि दिवंगत नेता को इस तरह संबोधित करना गलत था और अपने मंत्री की ओर से साफ तौर पर माफी मांगी। विधानसभा में तनाव कम करते हुए विजय ने कहा, मैं उनकी ओर से माफी मांगता हूं। विरोध तब शुरू हुआ जब रंजीत कुमार ने स्वास्थ्य और राजस्व विभागों के लिए अनुदान की मांगों पर बहस के दौरान वोट के बदले पैसे देने की पुरानी रणनीतियों की आलोचना की। उन्होंने विवादित तिरुमंगलम फॉर्मूला का जिक्र करते हुए दावा किया कि पिछले चुनावों में उनके कांचीपुरम निर्वाचन क्षेत्र में प्रति वोट 1,500 रुपये तक बांटे गए थे। पिछले चुनावों और मौजूदा प्रशासन की तुलना करते हुए वन मंत्री ने कहा कि वर्तमान सरकार वोटों के लिए पैसे बांटे बिना सत्ता में आई है। हालांकि, चुनावी रणनीतियों का जिक्र करते समय उन्होंने डीएमके के वरिष्ठ नेता एम. करुणानिधि को सिर्फ करुणानिधि कहा और उनके लिए इस्तेमाल किए जाने वाले सम्मानजनक शब्दों जैसे कलैगनार या पूर्व मुख्यमंत्री का जिक्र नहीं किया। इस तरह सीधे नाम लेने से तमिलनाडु विधानसभा की एक पुरानी परंपरा का उल्लंघन हुआ, जिसके तहत सम्मानित नेताओं को पारंपरिक रूप से औपचारिक पदवी या सम्मानजनक शब्दों के साथ संबोधित किया जाता है। शिष्टाचार के इस उल्लंघन पर विपक्ष की डीएमके पार्टी के सदस्यों ने तुरंत और जोरदार विरोध किया। बढ़ते तनाव को कम करने के लिए विजय ने बहस के पटरी से उतरने से पहले ही बीच-बचाव किया।

भारत के चुनावी मॉडल के मुरीद हुए ट्रंप, अमेरिका में वोटर आईडी अनिवार्य करने की मांग हुई तेज

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत की चुनाव व्यवस्था का उदाहरण देते हुए अमेरिका में हर मतदाता के लिए फोटो पहचान पत्र अनिवार्य करने की अपनी मांग फिर दोहराई है। ट्रंप ने दावा किया कि भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने उनके प्रशासन से सवाल किया था कि अमेरिका में वैध फोटो पहचान पत्र के बिना चुनाव कैसे कराए जा सकते हैं। ट्रंप ने भारत की व्यवस्था का हवाला देते हुए कहा कि अमेरिका को भी चुनाव में पहचान और नागरिकता से जुड़े नियम कड़े करने चाहिए।

ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट में दावा किया कि भारत के हालिया आम चुनाव में करीब 64.6 करोड़ लोगों ने मतदान किया और एक प्रतिशत से भी कम मतदाताओं ने डाक मतपत्र का इस्तेमाल किया। उन्होंने यह भी कहा कि हर मतदाता के लिए वैध फोटो पहचान पत्र जरूरी था। ट्रंप ने भारत के चुनावी मॉडल को अमेरिका में अनिवार्य फोटो पहचान की जरूरत के समर्थन में उदाहरण के तौर पर पेश किया। उनका कहना है कि इससे चुनाव में धोखाधड़ी की आशंका को कम किया जा सकता है। ट्रंप जिस सेव अमेरिका एक्ट के

समर्थन में लगातार आवाज उठा रहे हैं, उसका पूरा नाम सेफगार्ड अमेरिकन वोटर एलिजीबिलिटी एक्ट है। प्रस्तावित कानून के तहत अमेरिका में मतदान के लिए पंजीकरण कराने वाले लोगों को अपनी नागरिकता का प्रमाण देना होगा। इसके अलावा देशभर में मतदाता पहचान पत्र की व्यवस्था लागू करने का प्रस्ताव है। कानून डाक से मतदान की सुविधा पर भी कड़े प्रतिबंध लगाने की दिशा में है। ट्रंप इसे चुनावी धोखाधड़ी रोकने के लिए जरूरी कदम बताते हैं।

विदेश मंत्री लावरोव की जापान को फटकार, कहा- रूस पर उंगली उठाने से पहले अपना घर संभालो

मस्कट, एजेंसी। रूस और जापान के बीच विवादित कुरिल द्वीपों को लेकर तनाव एक बार फिर खुलकर सामने आ गया है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के इतुरुप द्वीप दौरे पर जापान के विरोध के बाद रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने टोक्यो को ही अपने मामलों पर ध्यान देने की सलाह दे दी। लावरोव ने जापान पर रूस के खिलाफ बयानबाजी के जरिए अपने सैन्य कदमों से ध्यान भटकाने का आरोप लगाया। लावरोव ने कहा कि जापान को रूस पर अंतरराष्ट्रीय कानून के उल्लंघन का आरोप लगाने के बजाय अपने घरेलू मामलों पर ध्यान देना चाहिए।

उन्होंने जापान और अमेरिका की करीबी साझेदारी का भी जिक्र करते हुए कहा कि टोक्यो अंतरराष्ट्रीय कानून को अपने हितों के मुताबिक बदलने की कोशिश कर रहा है। रूसी विदेश मंत्री ने जापान की सैन्य नीति में हो रहे बदलावों पर भी निशाना साधा। उनके मुताबिक, जापान के तीन गैर-परमाणु सिद्धांत कमजोर हो रहे हैं और उसकी सेना अब विदेशों में सैन्य अभियान चलाने की दिशा में आगे बढ़ रही है, जिसे पहले संविधान के तहत प्रतिबंधित माना जाता था। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 13 अगस्त को इतुरुप द्वीप का दौरा किया। यह उनका इस विवादित द्वीप का पहला दौरा था। जापान इसे एतोरोफू कहता है और पूरे दक्षिणी कुरिल द्वीप समूह को 'नॉर्दर्न टेरिटरीज' के नाम से अपना क्षेत्र बताता है। पुतिन के दौरे के बाद जापानी प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने रूस के खिलाफ कड़ा विरोध दर्ज कराया। टोक्यो का कहना है कि इन द्वीपों पर उसका ऐतिहासिक दावा है। इस विवाद के बीच रूसी विदेश मंत्रालय ने जापान के राजदूत अकीरा मुतो को तलब किया था। हालांकि, मुतो ने स्वास्थ्य संबंधी निजी कारणों का हवाला देते हुए उस समय

मंत्रालय में आने की पुष्टि नहीं की। इसके बाद रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने कहा कि जापानी राजदूत की तबीयत अचानक बेहतर हो गई है और वह मंगलवार को रूसी विदेश मंत्रालय पहुंचेंगे। इससे दोनों देशों के बीच राजनयिक तनातनी और बढ़ने के संकेत मिले हैं। कुरिल द्वीपों को लेकर रूस और जापान के बीच विवाद दशकों पुराना है। पुतिन की यात्रा और उसके बाद दोनों देशों की तीखी बयानबाजी ने इस पुराने क्षेत्रीय विवाद को एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय सुर्खियों में ला दिया है।

डॉलर को दरकिनार करने की तैयारी, ब्रिक्स समिट में भारत चलेगा नया दांव, लोकल करेंसी पेमेंट का रखेगा बड़ा प्रस्ताव

वाशिंगटन, एजेंसी। ब्रिक्स के आगामी शिखर सम्मेलन में भारत का एक प्रस्ताव सबसे अहम मुद्दों में शामिल हो सकता है। दक्षिण अफ्रीका की समाचार वेबसाइट आइओएल में प्रकाशित एक लेख के मुताबिक, भारत ने ब्रिक्स सदस्य देशों के घरेलू भुगतान नेटवर्क को आपस में जोड़ने के लिए एक डिजिटल ब्रिज बनाने का प्रस्ताव रखा है। इसका मकसद सदस्य देशों के बीच स्थानीय मुद्राओं में सीधे और तेज भुगतान की व्यवस्था तैयार करना है। लेख में कहा गया है कि ब्रिक्स देश ऊर्जा कारोबार और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय व्यवस्था में डॉलर पर काफी निर्भर हैं। मध्य पूर्व में तनाव बढ़ने पर तेल की कीमतें बढ़ती हैं, पूंजी का प्रवाह प्रभावित होता है और स्थानीय मुद्राओं पर दबाव आता है। इसका असर ब्रिक्स के लगभग हर देश की अर्थव्यवस्था पर दिखाई देता है। रूस पश्चिमी प्रतिबंधों के कारण जैसी अंतराष्ट्रीय वित्तीय व्यवस्था से अलग-थलग पड़ा है। चीन के लिए महंगा तेल विनिर्माण लागत बढ़ाता है और उसके निर्यात पर असर डाल सकता है। वहीं ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र और इथियोपिया जैसी अर्थव्यवस्थाओं को डॉलर की कमी और मुद्रा में उतार-चढ़ाव

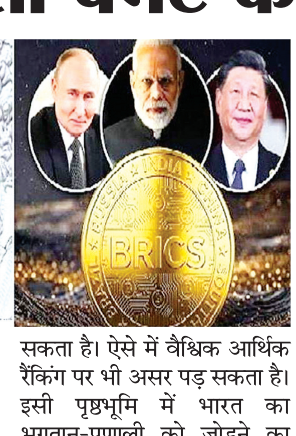

जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। लेख में भारत की मुद्रा पर पड़ने वाले दबाव का भी जिक्र किया गया है। डॉलर के मुकाबले रुपये में गिरावट से भारत की डॉलर में मापी जाने वाली जीडीपी का आकार यांत्रिक रूप से कम हो सकता है। ऐसे में वैश्विक आर्थिक रैंकिंग पर भी असर पड़ सकता है। इसी पृष्ठभूमि में भारत का भुगतान-प्रणाली को जोड़ने का प्रस्ताव महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इसका उद्देश्य ऐसी व्यवस्था बनाना है, जिसमें ब्रिक्स देश एक-दूसरे के साथ कारोबार करते समय हर बार डॉलर को मध्यस्थ मुद्रा के तौर पर इस्तेमाल करने के लिए मजबूर न हों।

यह प्रस्ताव कॉमन ब्रिक्स करेंसी बनाने से अलग है। यानी इसका मतलब यह नहीं है कि सभी सदस्य देश अपनी राष्ट्रीय मुद्राओं को खत्म करके एक नई साझा मुद्रा अपनाएंगे। प्रस्ताव का फोकस ऐसी वित्तीय तकनीक तैयार करने पर है, जो अलग-अलग देशों की मौजूदा डिजिटल या घरेलू मुद्राओं को आपस में जोड़ सके। इससे स्थानीय मुद्राओं में सीधे भुगतान संभव हो सकता है। प्रस्तावित व्यवस्था में मल्टी-सीबीडीसी ब्रिज या आपस में जुड़े फास्ट-पेमेंट नेटवर्क का इस्तेमाल किया जा सकता है। ब्लॉकचेन जैसी तकनीक की मदद से भुगतान को लगभग तुरंत और सुरक्षित तरीके से निपटाने की व्यवस्था बनाई जा सकती है। इसका फायदा यह होगा कि दो देशों के कारोबारी सीधे अपनी-अपनी स्थानीय मुद्रा में भुगतान कर सकेंगे। किसी तीसरे देश की बैंकिंग व्यवस्था को बीच में लाने की जरूरत कम हो सकती है। लेख के अनुसार, ब्रिक्स देशों के बीच मौजूदा अंतरराष्ट्रीय भुगतान में कई बार रकम अमेरिकी बैंकों के जरिए गुजरती है।

अमेरिका में एयरपोर्ट पर उतरते ही भारतीय म्यूजिशियन गिरफ्तार; हिरासत में बिताए 14 दिन

न्यूयार्क, एजेंसी। भारतीय जैज म्यूजिशियन ने अमेरिका में बीते अपने कुछ खौफनाक दिनों का खुलासा किया है जिन्होंने उस को अंदर तक झकझोर दिया। म्यूजिशियन प्रितेश वालिया ने बताया कि लॉस एंजिल्स लौटते ही अचानक हिरासत में ले लिया गया फोन और सामान भी छिन गया और फिर शुरू हुआ 14 दिनों का ऐसा इंतजार। उन्होंने बताया कि हिरासत में रहते हुए कई बार उन्हें लगा कि उम्मीद खत्म हो रही है और वह पूरी तरह टूट चुके हैं। नई दिल्ली में जन्मे जैज संगीतकार प्रितेश वालिया को 2 अगस्त को लॉस एंजिल्स लौटने के बाद अमेरिकी इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एन्फोर्समेंट यानी आइसीइ ने हिरासत में लिया था। करीब 14 दिन तक हिरासत में रहने के बाद वालिया को बॉन्ड पर रिहा किया गया। रिहाई के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर एक भावुक वीडियो साझा किया और इन 14 दिनों को अपनी जिंदगी के सबसे मुश्किल अनुभवों में से एक बताया। प्रितेश ने बताया कि हिरासत में रहने के दौरान सबसे मुश्किल चीज अनिश्चितता थी। उन्हें यह पता नहीं था कि आगे क्या होने वाला है। उन्होंने कहा कि ऐसी जगह पर दुनिया बहुत छोटी लगने लगती है और इंसान के लिए उम्मीद बनाए रखना बेहद मुश्किल हो जाता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः संपादक देवन प्रसाद मो. 9212228045, 8130691216, (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, 9971557129 रंजीत राय फोन नं-011-45795464,